जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 वर्षः 51 संख्याः 134 प्रभात कोटा, गुरूवार 26 फरवरी, 2026 कोटा/24/2012-14 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

'मैं किसी को भी न्यायपालिका का नाम खराब नहीं करने दूंगा'

एनसीईआरटी की कक्षा-8 की किताब में न्यायपालिका को भ्रष्ट बताए जाने पर भड़के सीजेआई सूर्यकांत

- सुप्रीम कोर्ट में वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने यह मामला उठाया तो सीजेआई सूर्यकांत ने कहा, हम पहले ही इस पर संज्ञान ले चुके हैं और कार्यवाही करेंगे।
- सुप्रीम कोर्ट ने यह स्पष्ट कर दिया है कि न्यायपालिका के अधिकारों और गरिमा की रक्षा की जानी चाहिए, खासकर ऐसी सामग्री से जो किशोरवय के बच्चों की सोच का निर्माण करती हैं।
- सुप्रीम कोर्ट में बार के कुछ वरिष्ठ सदस्यों ने कहा कि कक्षा-8 की सामाजिक विज्ञान की किताब, जो हाल ही में जारी की गई, में कार्यपालिका व व्यवस्थापिका का भी इसी प्रकार का हवाला दिया गया होता तो कोई बात नहीं थी। पर, इसमें सिर्फ न्यायपालिका को ही निशाना बनाया गया था। इससे न्यायपालिका के प्रति एकतरफा धारणा बन सकती है।
- सूत्रों ने बताया कि पाठ्य पुस्तक के उक्त अध्याय में अदालतों में लंबित मामलों की संख्या, न्यायाधीशों की कमी, व्यवस्था संबंधी चुनौतियों की चर्चा भी की गई है।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 फरवरी। सुप्रीम कोर्ट ने नैशनल काउन्सिल ऑफ रिसर्च एण्ड ट्रेनिंग (एन.सी.ई.आर.टी.) द्वारा प्रकाशित कक्षा 8 की सामाजिक विज्ञान की नई पाठ्यपुस्तक की सामग्री पर गंभीर आपत्ति जताई है। इस पुस्तक में न्यायपालिका के भीतर भ्रष्टाचार का उल्लेख किया गया है।

अदालत ने कहा कि वह न्यायिक संस्था की साख को धूमिल करने या कमजोर करने की किसी भी कोशिश की अनुमति नहीं देगी।

चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (सीजेआई) सूर्यकांत ने कहा, मैं किसी को भी न्यायपालिका का नाम खराब नहीं करने दूंगा। ज्ञातव्य है कि वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने सुप्रीम कोर्ट को इस बारे में जानकारी दी और कहा, हम इस बात से बेहद आहत हैं कि कक्षा 8 के बच्चों को पढ़ाया जा रहा है कि न्यायपालिका भ्रष्ट है। सीजेआई ने कहा, हम पहले ही इस पर संज्ञान ले चुके है और कार्यवाही करेंगे।

इस मामले पर संज्ञान लेते हुए मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ ने, उन शैक्षणिक सामग्रियों में न्यायपालिका को जिस तरह से प्रस्तुत किया गया है, उस पर चिंता व्यक्त की। अदालत ने कहा कि न्यायिक व्यवस्था में भ्रष्टाचार का संदर्भ, यदि उचित संदर्भ और संतुलन के बिना दिया जाता है, तो यह संविधान के एक स्तंभ पर जनता के विश्वास को कमज़ोर कर सकता है।

सुनवाई के दौरान बार के वरिष्ठ सदस्यों ने बताया कि संबंधित अध्याय में मिडिल स्कूल में विद्यार्थियों को न्यायिक कदाचार के आरोपों की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'केरल तो पहले से ही केरलम् है'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 फरवरी। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने केरल का नाम बदलकर केरलम किए जाने पर केन्द्र सरकार की आलोचना की है, उनका कहना है कि यह नाम परिवर्तन पर तो ध्यान दे रही है, लेकिन परियोजनाओं पर कोई काम नहीं हो रहा। थरूर ने राज्य के नाम परिवर्तन की आवश्यकता पर सवाल उठाए हा'

उन्होंने कहा, ''यह पहले ही मलयालम में केरलम था। तो अब, एक मलयालम शब्द अंग्रेजी में आ रहा है। मुझे नहीं पता कि इससे क्या फर्क पड़ता है। सरकार ने हमें एक नया एम्स या कोई नया संस्थान नहीं दिया। उन्होंने हमें संघीय बजट में कोई परियोजना नहीं दी। लेकिन जब नाम बदलने की बात आती है, तो वे इसे तुरंत मंजूरी देने के लिए तैयार हो जाते हैं।

- कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा, मलयालम में पहले से ही केरल को केरलम् कहते हैं, तो अंग्रेजी में नाम बदलने की क्या जरूरत है।

थरूर ने एक्स पर एक अलग पोस्ट में एक ''छोटा भाषाई सवाल'' पूछा – अब 'केरलाइट' और 'केरलन'

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पूर्व प्र.मंत्री शेख हसीना बांग्लादेश वापस लौटने का प्लान बना रही हैं?

उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अपनी पार्टी की कार्यकारिणी को संबोधित किया और पूरे संकेत दिए कि वे शीघ्र बांग्लादेश लौटेंगी और राजनीतिक गतिविधियों में शरीक होंगी

- उनका संकेत अर्थहीन लगता है, क्योंकि उनके खिलाफ मृत्यु दण्ड का बांग्लादेश इंटरनैशनल क्राइम्स ट्रिब्युनल द्वारा पारित फैसला पेंडिंग पड़ा है, ढाका में।
- पर, दूसरी ओर यह भी सच है, उनके वापस आने के संकेत से मृत प्रायः सी पड़ी उनकी पार्टी, अवामी लीग में नई जान आ गई है तथा जिलों में बंद पड़े ऑफिसों के ताले खुले तथा शहर में शेख हसीना के बैनर्स, पोस्टर, बंटिंग्स लगे, शेख हसीना के आगमन की खबर जनमानस में पहुंचाने के लिए
- परन्तु, बंगाल नैशनलिस्ट पार्टी के नवनियुक्त प्र.मंत्री तारिक रहमान भी शेख हसीना व उनकी पार्टी को पनपने देने के सख्त विरोधी हैं।

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 फरवरी। क्या बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना अपने देश लौटने की योजना बना रही हैं?

हालांकि यह प्रस्ताव थोड़ा असंभावित लग सकता है, लेकिन यह सवाल बांगलादेश और भारत, दोनों देशों में सबसे बड़ी राजनीतिक हलचल का कारण बना हुआ है। इसके पीछे कुछ कारण हैं: कुछ दिन पहले, अवामी लीग की अध्यक्ष ने दिल्ली में पार्टी नेताओं से मुलाकात की थी। इसके बाद, उन्होंने ढाका में पार्टी कार्यसमिति की बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अपनी उपस्थिति दी। बताया जाता है कि हसीना, जो जुलाई 2024 से भारत में निर्वासन में हैं, उन्होंने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को सूचित किया कि वे जल्द ही लौटने और बांग्लादेश में राजनीतिक गतिविधियों को फिर से शुरू करने की योजना बना रही हैं।

मोहमद युनूस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार, जो धार्मिक उग्रवादी जमात-ए-इस्लामी द्वारा समर्थित थी, अब सत्ता से बाहर भले ही हो, लेकिन हसीना के खिलाफ बांग्लादेश अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण द्वारा जारी की गई मौत की सजा अभी भी लंबित है। अवामी लीग, उस समय की युनूस सरकार द्वारा उसके नेताओं के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'फ़र्ज़ी डिग्रीधारी जज 5 साल तक हाई कोर्ट में फैसले सुनाता रहा'

यह मामला पाकिस्तान का है, जिससे पाकिस्तान की व्यवस्था की भारी किरकिरी हुई है

- पाकिस्तान के डॉन अखबार में छपी खबर के अनुसार, इस्लामाबाद हाई कोर्ट ने अंततोगत्वा उक्त जज, तारिक महमूद जहाँगीरी को पद से हटा दिया है।
- जहाँगीरी की दिसम्बर 2020 में नियुक्ति हुई थी। लॉ की फर्ज़ी डिग्री की जानकारी मिलने के बाद सितम्बर 2025 में जहाँगीरी को मामले की सुनवाई करने से रोक दिया गया था।
- कराची युनिवर्सिटी रजिस्ट्रार से प्राप्त मूल रिकॉर्ड के आधार पर कोर्ट ने निष्कर्ष निकाला कि जहाँगीरी की डिग्री फर्ज़ी थी।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 फरवरी। पाकिस्तान का एक जज इस्लामाबाद हाई कोर्ट में पांच साल तक कार्य करता रहा और फैसले सुनाता रहा, लेकिन किसी को यह पता नहीं चला कि उसकी कानून की डिग्री फर्जी थी। इस्लामाबाद हाई कोर्ट की जिस पीठ में वह कार्यरत था, उसने उसकी कानून की डिग्री को शुरू से ही अमान्य घोषित कर दिया था। इसलिए हाई कोर्ट के जज के रूप में उनकी नियुक्ति कानूनी तौर पर अमान्य थी।

पाकिस्तान के अखबार डॉन की एक रिपोर्ट के अनुसार, इस्लामाबाद हाई कोर्ट ने सोमवार, 23 फरवरी को 116 पन्नों का विस्तृत फैसला जारी कर अपने एक जज, तारिक महमूद जहांगीरी, को पद से हटा दिया। जहांगीरी को दिसंबर 2020 में हाई कोर्ट का जज नियुक्त किया गया था, लेकिन पिछले साल सितंबर में उन्हें न्यायिक कार्य करने से रोक दिया गया था।

हाई कोर्ट का यह फैसला कराची विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार द्वारा दिए गए मूल रिकॉर्ड के आधार पर लिया गया। अदालत ने कहा कि जहांगीरी के शैक्षिणक दस्तावेज फर्जी थे, जिनमें किसी और की जगह परीक्षा देना (प्रतिरूपण) और सजा से बचने की कोशिश जैसे आरोप शामिल थे।

फैसले में बताया गया कि जहांगीरी ने 1988 में फर्जी नामांकन संख्या (एनरोलमेंट नंबर) का उपयोग कर परीक्षा दी थी। परीक्षा के दौरान उन्हें नकल करते हुए पकड़ा गया और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ईडी ने अनिल अंबानी का 3716 करोड़ रु. का घर अटैच किया

मुंबई, 25 फरवरी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने बुधवार को रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड के कथित बैंक घोटाला मामले में मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत उद्योगपति अनिल अंबानी के मुंबई के पाली हिल स्थित आवास ''अबोड'' को अटैच कर लिया है। अटैच की गई प्रॉपर्टी की कीमत 3,716.83 करोड़ रुपये है।

- मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत ईडी अब तक अनिल अंबानी की 15700 करोड़ रु. से अधिक की संपत्ति अटैच कर चुका है।

ईडी के अनुसार इससे पहले इस प्रॉपर्टी का 473.17 करोड़ रुपये का हिस्सा अटैच किया गया था। आज की गई नई कार्रवाई के साथ अनिल अंबानी की अब तक अटैच की गई प्रॉपर्टी की कुल कीमत 15,700 करोड़ रुपये से

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'दिल्ली का नाम बदलकर इन्द्रप्रस्थ किया जाना चाहिए'

दिल्ली के एक भाजपा सांसद ने केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह को इस बारे में पत्र लिखा

- केरल का नाम बदलकर केरलम् किए जाने के बाद दिल्ली में भी नाम परिवर्तन की सुगबुगाहट सुनाई देने लगी है।
- चांदनी चौक के सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने पत्र में लिखा है कि भारत विश्व की सबसे प्राचीन जीवित सभ्यताओं में से एक है, इसका नाम इन्द्रप्रस्थ रखा जाए, जो इसकी प्राचीन सांस्कृतिक जड़ों को दर्शाता है।
- खंडेलवाल ने कहा, कि ऐतिहासिक तथ्य और पुरातात्विक खोजों से पता चला है कि यह कभी पांडवों की राजधानी था जिसका जिक्र महाभारत में मिलता है, इसलिए इन्द्रप्रस्थ ही भारत की राजधानी की असली पहचान है।
- खंडेलवाल ने उचित स्थान पर, जैसे पुराने किले में, पांडवों की मूर्ति स्थापित करने का सुझाव दिया।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 फरवरी। हाल ही में, केरल ने आधिकारिक उपयोग में अपना नाम ''केरलम'' कर लिया, और अब दिल्ली के एक भाजपा सांसद ने केन्द्र से राष्ट्रीय राजधानी का नाम ''इंद्रप्रस्थ'' करने का आग्रह किया है।

चांदनी चौक के सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने केन्द्रीय सरकार से दिल्ली का नाम इंद्रप्रस्थ करने का अनुरोध करते हुए कहा कि यह शहर की प्राचीन सभ्यता की पहचान को दर्शाता है।

प्रवीण ने केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह को एक पत्र लिखा, जिसमें उन्होंने कहा कि भारत दुनिया की सबसे पुरानी जीवित सभ्यताओं में से एक है, और इसकी राजधानी का नाम इसकी प्राचीन सांस्कृतिक जड़ों का प्रदर्शक होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि ऐतिहासिक ग्रंथों और पुरातात्विक खोजों से यह संकेत मिलता है कि वर्तमान दिल्ली कभी इंद्रप्रस्थ हुआ करती थी, जो पांडवों द्वारा महाभारत में वर्णित एक स्थापित राजधानी थी। भाजपा सांसद के अनुसार, इंद्रप्रस्थ, राजधानी की मूल पहचान का प्रतीक है, जबकि ''दिल्ली'' नाम मध्यकालीन काल में प्रचलन में आया था।

खंडेलवाल ने यह भी सुझाव दिया कि पांडवों की मूर्तियों को दिल्ली में किसी उपयुक्त स्थान पर, संभवतया पुराना किला में, स्थापित किया जाए, ताकि शहर की प्राचीन सांस्कृतिक पहचान को फिर से जीवित किया जा सके।

एक अलग पत्र में, उन्होंने दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से अनुरोध किया कि दिल्ली विधानसभा एक प्रस्ताव पारित करे, जिसमें दिल्ली का नाम इंद्रप्रस्थ रखने का प्रावधान हो।

उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों में कई भारतीय शहरों ने अपने ऐतिहासिक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल दिल्ली में 25 से 31 मार्च होगा

नई दिल्ली, 25 फरवरी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को दिल्ली सचिवालय में राजधानी में पहली बार आयोजित होने वाले इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल दिल्ली (आईएफएफडी) 2026 का कर्टेन रेजर जारी किया। इस अवसर पर पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा भी उपस्थित थे।

- फिल्म फेस्टिवल में 125 से अधिक भारतीय व अंतर्राष्ट्रीय फिल्मों का प्रदर्शन किया जायेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 25 से 31 मार्च तक आयोजित होने वाला यह सिटी-वाइड फिल्म फेस्टिवल भारत मंडपम सहित नई दिल्ली के विभिन्न प्रतिष्ठित स्थलों पर आयोजित किया जाएगा। यह आयोजन दिल्ली को फिल्म

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारत द्वारा रूसी ऑयल की खरीद कम करने से हड़कंप मचा है

ऑयल कंपनियों ने, मुख्य रूप से रूसी व ईरानी ऑयल कंपनियों ने ऑयल निकालना कम नहीं किया, पर, इस अनबिके ऑयल को स्टोरेज करके रखना भी संभव नहीं है, अतः यह एक्स्ट्रा ऑयल, ऑयल टैंकर्स में भरकर, समुद्र में धकेल दिया जाता है

- अतः, आज की तारीख में लगभग 58-60 मिलियन बैरल ऑयल समुद्र में ऑयल टैंकर्स में तैर रहा है।
- पर, यह ऑयल टैंकर्स में कब तक पड़ा रह सकता है, उसे कंज़्यूमर को डिस्काउण्ट पर, अंतर्राष्ट्रीय रेट से 10-12 डॉलर कम पर बेच कर, टैंकर खाली कराना जरूरी हो गया है।
- स्थिति और जटिल हो गई है, अमेरिका द्वारा वैनेज़ुएला का ऑयल भी मार्केट में ढकेलने से। वैनेज़ुएला का ऑयल भी अंतर्राष्ट्रीय रेट से 15 डॉलर कम रेट पर उपलब्ध कराया जा रहा है।
- भारतीय ऑयल कंपनियाँ व ऑयल रिफाइनर्स, सस्ता वैनेज़ूलियन ऑयल खरीदने की दौड़ में सबसे आगे हैं।

- अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 फरवरी। अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र में अब भारी मात्रा में कच्चा तेल घूम रहा है और इसे दुनिया भर में खरीदारों की तलाश है। लगभग 58-60 मिलियन बैरल तेल अब जहाजों में जमा है, जो मुख्य रूप से एशियाई जल क्षेत्रों में विचरण कर रहे हैं।

जैसे-जैसे वनेज़ुएला का तेल अंतरराष्ट्रीय तेल बाजारों में आ रहा है, यह तेल कंपनियों के लिए एक बड़ी समस्या बन सकता है। दबाव की स्थिति में अगर अन्य प्रमुख उत्पादक अपने उत्पादन स्तरों को नियंत्रित नहीं करते तो तेल के अन्तर्राष्ट्रीय दाम और गिर सकते हैं।

डेटा कंपनियों द्वारा एकत्रित जानकारी का विश्लेषण करते हुए, समाचार एजेंसी ब्लूमबर्ग ने संकेत दिया है कि भारत द्वारा रूसी तेल की कम खरीद ने इन बाजारों में सरप्लस की स्थिति पैदा कर दी है और समुद्रों में अतिरिक्त स्टॉक जमा हो गया है।

एक बार जब तेल निकाल लिया जाता है, तो उत्पादक देशों को इसे बाहर भेजना अनिवार्य होता है, क्योंकि अन्यथा उनके टैंकरों की जगह समाप्त हो जाएगी। तेल को कुछ सीमित समय के लिए संग्रहीत करने का एकमात्र तरीका यह है कि इसे टैंकरों में भर दिया जाए और उन्हें समुद्र में छोड़ दिया जाए। फिर इन जहाजों को जितनी जल्दी हो सके तैयार खरीदारों के पास भेज देना चाहिए। हालांकि, इसकी भी कुछ सीमाएं हैं और उपभोक्ताओं तक तेल पहुंचाने में होने वाली देरी से अंततोगत्वा तेल उत्पादक ही प्रभावित होंगे।

वर्तमान स्थिति में रूसी और ईरानी कच्चे तेल को नुकसान हो रहा है। रूस और ईरान के कच्चे तेलों पर अमेरिका द्वारा प्रतिबंध लगाए गए हैं और अगर किसी देश ने इन कच्चे तेलों को खरीदा, तो उस पर भारी अतिरिक्त शुल्क लगाया जाता है। उदाहरण के लिए, भारत को इस मामले में अमेरिकी शुल्क के रूप में 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैक्स का सामना करना पड़ा था।

तेल बाजार के स्रोतों का कहना है

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

झारखंड के मुख्यमंत्री को सुप्रीम कोर्ट ने राहत दी

नई दिल्ली, 25 फरवरी। उच्चतम न्यायालय ने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को मनी लांड्रिंग मामले में पूछताछ के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समन पर पेश नहीं होने के मामले में ट्रायल कोर्ट में चल रही कार्रवाई पर रोक लगा दी है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि ईडी ने कई छोटे-मोटे मामलों में ज्यादा ध्यान दिया है।

- ईडी के समन पर पेश नहीं होने के मामले में ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही पर रोक लगाई।

सुनवाई के दौरान ईडी के वकील ने कहा कि हेमंत सोरेन को सात बार समन भेजा गया था, लेकिन वो पेश नहीं हुए इसलिये उन्हें गिरफ्तार कर लिया

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

महापुरुष वे ही होते हैं जो विभिन्न परिस्थितियों के रंगों में रंगे जाने के बाद भी अपने व्यक्तित्व की पहचान को खोने नहीं देते। –मुक्ता

कृत्रिम मेधा से डर नहीं, समृद्धि और भविष्य देखता है राजस्थान

आज की तेज गति वाली दुनिया में कृत्रिम मेधा (एआई) एक क्रांतिकारी शक्ति के रूप में उभर रही है। जहां विश्व के कई हिस्सों में लोग इसे रोजगार छिनने वाले खतरे के रूप में देखते हैं, वहीं राजस्थान इस तकनीक को समृद्धि का माध्यम मानकर आगे बढ़ रहा है। राजस्थान सरकार और उद्योग जगत की दूरदर्शिता ने एआई को न केवल अपनाया है, बल्कि इसे राज्य की सांस्कृतिक विरासत, कृषि, पर्यटन, शिक्षा और उद्योगों से जोड़कर एक उज्ज्वल भविष्य की नींव रखी है। यहां डर की कोई जगह नहीं, बल्कि अवसरों की बहार है। राजस्थान का यह दृष्टिकोण न केवल राज्यवासियों के लिए प्रेरणा है, बल्कि पूरे भारत के लिए एक मॉडल प्रस्तुत करता है।

राजस्थान की अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से कृषि, पर्यटन और खनन पर आधारित है। इन क्षेत्रों में एआई का उपयोग समृद्धि के द्वार खोल रहा है। उदाहरणस्वरूप, कृषि क्षेत्र में जहां किसान वर्षा और फसल की अनिश्चितता से जूझते हैं, वहां एआई आधारित ऐप्स जैसे राज किसान और ड्रोन तकनीक ने क्रांति ला दी है। ये ऐप्स मौसम पूर्वानुमान, मिट्टी परीक्षण और फसल स्वास्थ्य विश्लेषण प्रदान करते हैं। राजस्थान के किसान बताते हैं कि पहले वे फसल नष्ट होने का दंश झेलते थे, लेकिन अब एआई से मिलने वाली सलाह से उनकी उपज 30 प्रतिशत बढ़ गई है। इसी प्रकार, बाड़मेर और जैसलमेर के रेगिस्तानी इलाकों में सौर ऊर्जा संयंत्रों के रखरखाव में एआई का उपयोग हो रहा है, जो ऊर्जा उत्पादन को दोगुना करने में सहायक है। यह दिखाता है कि एआई राजस्थान की प्राकृतिक चुनौतियों को अवसरों में बदल रहा है।

पर्यटन राजस्थान की जीवनरेखा है। जयपुर का हवा महल, उदयपुर की झीलें, जोधपुर का मेहरानगढ़ किला और जैसलमेर की सुनहरी रेत ये सभी पर्यटकों को लुभाते हैं। लेकिन पर्यटन को स्मार्ट बनाने में एआई अग्रणी भूमिका निभा रहा है। राज्य सरकार ने राजस्थान टूरिज्म पोर्टल पर एआई चैटबॉट्स विकसित किए हैं, जो पर्यटकों को व्यक्तिगत यात्रा योजनाएं सुझाते हैं। उदाहरण के लिए, यदि कोई पर्यटक राजस्थानी लोक संगीत प्रेमी है, तो एआई उसे गांव के लोक कलाकारों के कार्यक्रमों से जोड़ देगा। वर्चुअल रियलिटी (वीआर) के माध्यम से पर्यटक घर बैठे आमेर किले की सवारी कर सकते हैं। इससे न केवल पर्यटन आय बढ़ रही है, बल्कि सीजनल उतार–चढ़ाव भी कम हो रहा है। 2025 में राजस्थान में 10 करोड़ पर्यटकों का लक्ष्य एआई की बदौलत ही हासिल किया जा सकता है। यह तकनीक राजस्थान की सांस्कृतिक धरोहर को वैश्विक पटल पर नई ऊंचाइयों तक ले जा रही है।

शिक्षा के क्षेत्र में राजस्थान एआई को माध्यम बनाकर युवाओं को सशक्त कर रहा है। राज्य के ग्रामीण इलाकों में जहां शिक्षकों की कमी है, वहां एआई आधारित प्लेटफॉर्म्स जैसे दीक्षा और स्वयं प्रभा ने डिजिटल क्लासरूम स्थापित किए हैं। राजस्थान के एक गांवों में लड़कियां अब एआई ट्यूटर्स से गणित और विज्ञान सीख रही हैं, जो हिंदी और राजस्थानी में व्याख्या करते हैं। ई–शिक्षा योजना के तहत 5000 से अधिक स्कूलों में एआई लैब्स स्थापित हो चुके हैं। इससे ड्रॉपआउट दर 20 प्रतिशत घटी है। युवा उद्यमियों के लिए बीकानेर और कोटा में एआई इनक्यूबेटर्स चल रहे हैं, जहां स्टार्टअप्स को फंडिंग और मेंटरिंग मिल रही है। राजस्थान विश्वविद्यालय ने एआई पर पीएचडी प्रोग्राम शुरू किया है, जो राज्य को तकनीकी विशेषज्ञों का हब बना रहा है। यह भविष्य की पीढ़ी को नौकरियों के लिए तैयार कर रहा है, न कि बेरोजगारी के डर से भर रहा है।

> **एआई से डरने की बजाय राजस्थान इसे अपनाकर समृद्धि की ओर अग्रसर है। यह राज्य की सांस्कृतिक गौरवशाली परंपरा को आधुनिक तकनीक से जोड़ रहा है। कल्पना कीजिए, एक ऐसा राजस्थान जहां रेगिस्तान में स्मार्ट फार्मिंग हो, किले डिजिटल गाइड्स से जीवंत हों, और युवा वैश्विक इनोवेटर्स बनें। यह सपना साकार हो रहा है। राजस्थानवासी गर्व से कह सकते हैं-एआई से डर नहीं, समृद्धि और भविष्य हम देखते हैं।**

उद्योग जगत में राजस्थान का सीमेंट और टेक्सटाइल सेक्टर एआई से मजबूत हो रहा है। अल्ट्राटेक और श्री सीमेंट जैसे प्लांट्स में पूर्वानुमानित रखरखाव के लिए एआई सिस्टम लगे हैं, जो मशीनों की खराबी पहले ही बता देते हैं। इससे उत्पादन लागत 15 प्रतिशत कम हुई है। नीमराना का जापानी औद्योगिक क्षेत्र एआई रोबोटिक्स पर आधारित है, जो निवेशकों को आकर्षित कर रहा है। म्यूचुअल फंड कंपनियों जैसे एचडीएफसी और आईसीआईसीआई के राजस्थान कार्यालयों में एआई चैटबॉट्स ग्राहकों को निवेश सलाह दे रहे हैं। इससे वित्तीय समावेशन बढ़ा है, खासकर ग्रामीण महिलाओं के लिए। राजस्थान स्टार्टअप पॉलिसी 2022 ने एआई आधारित 500 स्टार्टअप्स को प्रोत्साहन दिया, जिनमें से कई कृषि ड्रोन और स्वास्थ्य ऐप्स पर काम कर रहे हैं। यह राज्य को मेक इन इंडिया का केंद्र बना रहा है।

स्वास्थ्य सेवाओं में भी एआई चमत्कार कर रहा है। कोविड महामारी के दौरान जयपुर के एसएमएस अस्पताल में एआई ने सीटी स्कैन विश्लेषण कर मरीजों की पहचान तेज की। अब आरोग्य राजस्थान ऐप एआई से बीमारियों का पूर्वानुमान लगाता है। गांवों में मोबाइल वैनें एआई डिवाइसेज से ब्लड प्रेशर और डायबिटीज चेक करती हैं। इससे ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाएं सुलभ हुई हैं। महिलाओं के लिए एआई आधारित मातृत्व ट्रैकिंग सिस्टम ने शिशु मृत्यु दर घटा दी है। भविष्य में एआई टेलीमेडिसिन राजस्थान को स्वास्थ्य हब बना देगा।

राजस्थान सरकार की नीतियां एआई को बढ़ावा देने वाली हैं। राजस्थान एआई मिशन के तहत 1000 करोड़ का फंड आवंटित हुआ है। आईआईटी जोधपुर और आईआईएम उदयपुर जैसे संस्थान एआई रिसर्च कर रहे हैं। डेटा सेंटरों का निर्माण अलवर और भिवाड़ी में हो रहा है, जो क्लाउड कंप्यूटिंग को मजबूत करेगा। हालांकि चुनौतियां हैं जैसे डिजिटल डिवाइड और साइबर सिक्योरिटी, लेकिन राज्य प्रशिक्षण कार्यक्रमों से इन्हें दूर कर रहा है। 10 लाख युवाओं को एआई स्किलिंग का लक्ष्य रखा गया है।

एआई से डरने की बजाय राजस्थान इसे अपनाकर समृद्धि की ओर अग्रसर है। यह राज्य की सांस्कृतिक गौरवशाली परंपरा को आधुनिक तकनीक से जोड़ रहा है। कल्पना कीजिए, एक ऐसा राजस्थान जहां रेगिस्तान में स्मार्ट फार्मिंग हो, किले डिजिटल गाइड्स से जीवंत हों, और युवा वैश्विक इनोवेटर्स बनें। यह सपना साकार हो रहा है। राजस्थानवासी गर्व से कह सकते हैं–एआई से डर नहीं, समृद्धि और भविष्य हम देखते हैं। आइए, हम सभी इस यात्रा का हिस्सा बनें।

–अतिथि संपादक,
अविनाश जोशी,
वरिष्ठ पत्रकार एवं कॉरपोरेट सलाहकार

राशिफल गुरूवार 26 फरवरी, 2026

पंडित अनिल शर्मा

फाल्गुन मास, शुक्ल पक्ष, दशमी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2082, मृगशिरा नक्षत्र दिन 12:11 तक, प्रीति योग रात्रि 10:33 तक, तैतिल करण दिन 1:37 तक, चन्द्रमा आज मिथुन राशि में संचार करेगा।

गृह स्थितिः सूर्य–कुम्भ, चन्द्रमा–मिथुन, मंगल–कुम्भ, बुध–कुम्भ, गुरू–मिथुन, शुक्र–कुम्भ, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह

आज रवियोग सम्पूर्ण दिन–रात रहेगा। आज बुध वक्री दिन 12:17 पर होगा। आज नन्दगाँव होली, फागु दशमी है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः शुभ सूर्योदय से 8:24 तक, चर 11:15 से 12:40 तक, लाभ–अमृत 12:40 से 3:31 तक, शुभ 4:56 से सूर्यास्त तक।

राहूकालः 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 6:58, सूर्यास्त 6:22

मेष

परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। व्यक्तिगत प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

वृष

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक सफलता से मनोबल बढ़ेगा।

मिथुन

व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव–प्रभुत्व बढ़ेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

कर्क

घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा।

सिंह

आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

कन्या

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। चलते कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

तुला

व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

वृश्चिक

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। घर–परिवार में वाद–विवाद टालना ठीक रहेगा।

धनु

परिवार में आपसी सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

मकर

व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है।

कुंभ

परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में उचित सोच–विचार हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन

घर–परिवार में सुख–शांति बनी रहेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा

राजस्थान : अकादमिक हाराकीरी का प्रयास

डॉ. हेतु भारद्वाज

इन दिनों एक दुर्भाग्यपूर्ण समाचार चर्चा में है कि प्रदेश की अग्रणी शिक्षण संस्थाओं महाराजा कॉलेज तथा महारानी कॉलेज, जयपुर का स्वामित्व जयपुर विकास प्राधिकरण और नगर निगम को सौंप दिया जाए क्योंकि जिस जमीन पर ये दोनों संस्थाएँ स्थित हैं वह जमीन जेडीए और नगर निगम की है। यदि यह हास्यास्पद निर्णय लिया जाता है तो उन सभी सुधी जनों को गहरी पीडा होगी जिन्होंने राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर के गौरवपूर्ण इतिहास का आस्वाद लिया है। कभी पूरे राजस्थान के कॉलेज इसी विश्वविद्याय से सम्बद्ध थे तथा महाराजा कॉलेज तथा महारानी कॉलेज उत्तर भारत की अग्रणी संस्थाओं में गिने जाते थे। अकादमिक दृष्टि से इन दोनों संस्थाओं का स्थान बहुत ऊँचा माना जाता था। दोनों संस्थाओं में स्नातकोत्तर कक्षाओं का शिक्षण होता था तथा शोध कार्य करने की उत्तम व्यवस्था थी। इन दोनों संस्थाओं के प्राचार्य तथा शिक्षक अपने–अपने क्षेत्र के निष्णात पंडित माने जाते थे। इन्हीं संस्थाओं से राजस्थान कॉलेज शिक्षा के निदेशक तथा विश्वविद्यालय के कुलपति निकलते थे। वर्तमान में राजस्थान विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ. अल्पना कटेजा महारानी कॉलेज में शिक्षक रही है। इन संस्थाओं का प्रबंधन राजस्थान सरकार के हाथों में था।

महाराजा कॉलेज, महारानी कॉलेज, राजस्थान कॉलेज तथा कामर्स कॉलेज 1961 तक सरकारी कॉलेज थे। यह तथ्य आज की पीढ़ी को ज्ञात नहीं होगा कि कभी राजस्थान कॉलेज, जयपुर का रूतबा अलग ही था। इस कॉलेज की स्थापना सरकार ने विशेष प्रकार की शिक्षा देने के लिए की थी। इस कॉलेज में अध्यापकों की नियुक्ति राजस्थान लोकसेवा आयोग द्वारा अलग से की जाती थी तथा इस कॉलेज के अध्यापकों का वेतनमान भी कुछ ऊँचा और अलग होता था।

जुलाई, 1961 में राजस्थान विश्वविद्यालय ने निर्णय लिया कि स्नातकोत्तर कक्षाओं तथा शोध के विभाग अलग से विश्वविद्यालय परिसर में खुलें और शेष महाविद्यालय स्नातक स्तर तक की शिक्षा दे। नतीजा यह हुआ कि महाराजा कॉलेज, महारानी कॉलेज, कॉमर्स कॉलेज तथा राजस्थान कॉलेज डिग्री कॉलेज हो गये किन्तु इससे उनकी अकादमिक क्षमता में कोई फर्क नहीं आया क्योंकि उनमें पढ़ाने वाले शिक्षक वही होते थे जो स्नातकोत्तर कक्षाओं को पढ़ाते थे और शोध कराते थे। इतना ही नहीं काफी अध्यापकों का पदस्थापन इन कॉलेजों में होता था, और वे स्नातकोत्तर कक्षाएँ लेते थे और शोध भी कराते थे।

इस प्रकार यह व्यवस्था ऐसी थी जिससे महाविद्यालयों की अकादमिक गरिमा कम नहीं हुई। कुल मिलाकर कॉलेज तथा स्नातकोत्तर विभाग विश्वविद्यालय को पूर्ण इकाई बनाते थे। अकादमिक दृष्टि से यह व्यवस्था विश्वविद्यालय का उच्च स्तर बनाने में सफल रही। कभी यह आलम था कि राजस्थान विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों में देश के जाने–माने विद्वान शोभित थे। यहाँ से अनेक अध्यापक जे.एन.यू. में गये, दूसरे विश्वविद्यालयों के कुलपति बने तथा राष्ट्रीय शैक्षिक संस्थानों के मुखिया बने। इसी गरिमा का नतीजा है कि सारी जर्जरता के बावजूद राजस्थान विश्वविद्यालय की छवि आज भी गौरवमय बनी हुई है।

यदि केवल इस आधार पर कि जमीन का स्वामित्व जेडीए तथा नगर निगम का है। महाराजा कॉलेज तथा महारानी कॉलेज का स्वामित्व जेडीए और नगर निगम को दे दिया जाता है तो यह विश्वविद्यालय का अंग भंग कर इन संस्थाओं को लिपिकों के हाथ में देना होगा, जिनका अकादमिक गुणवत्ता से कोई लेना देना नहीं है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि आज भी प्रदेश की युवतियों की उच्च शिक्षा के लिए पहली पसंद महारानी कॉलेज है तथा विज्ञान के युवक महाराजा कॉलेज में प्रवेश पाकर कृतकृत्य होते हैं। इसलिए कम से कम एक सदी से चल रहे इन संस्थानों की मिल्कियत बदलना इन संस्थानों को नष्ट करने का उपक्रम होगा। यह प्रकारान्तर से राजस्थान विश्वविद्यालय को पंगु बनाना होगा और उसकी अकादमिक गरिमा को नष्ट करना होगा। बेहतर है, इस विश्वविद्यालय को बिखरने से पूर्व बंद कर दिया जाए। भले यह अकादमिक हाराकीरी का एक विचित्र उदाहरण होगा।

–डॉ. हेतु भारद्वाज,
प्रख्यात साहित्यकार

ऑरोविल – उषानगरी

सूर्य प्रताप सिंह राजावत

हाल ही में 26 जनवरी को दिल्ली में रिपब्लिक डे परेड में मातृ मंदिर को दिखाया गया। मातृ मंदिर ऑरोविल के बीच में है। मीरा अल्फासा, जिन्हें श्रीमां के नाम से जाना जाता है, श्री अरविंद की आध्यात्मिक सहयोगी का ड्रीम प्रोजेक्ट ऑरोविल–उषा नगरी के नाम से जाना जाता है। ऑरोविल को 50,000 लोगों के शहर के तौर पर देखा जा रहा है। ऑरोविल एक उभरता हुआ टाउनशिप है। अभी ऑरोविल में भारत और दुनिया भर के करीब 60 देशों से 3,300 मानद वॉलंटरी वर्कर हैं। यह दक्षिण भारत के तमिलनाडु के एक ग्रामीण इलाके में है। यह 13 गांवों से घिरा हुआ है, जिनकी आबादी लगभग 40,000 है।

ऑरोविल के लोग सुपरमेंटल योग करते हैं। सुपरमेंटल योग शारीरिक बदलाव से जुड़ा है। अरविंद के अनुसार, इंसान विकास की प्रक्रिया में बदलाव के दौर से गुज़र रहे हैं। मनुष्य अंतिम रचना नहीं है, मनुष्य के बाद अतिमानसिक शक्ति का आविर्भाव होगा। श्रीअरविंद कहते हैं कि समानता, आज़ादी और भाईचारे की त्रिमूर्ति सिर्फ़ भाईचारे की बुनियाद पर ही मुमकिन है। यह सिर्फ़ ट्रांसफ़ॉर्मेशन के प्रोसेस से ही हासिल किया जा सकता है। अरविंद सुपरमाइंड को नीचे लाने के लिए तीन तरह के ट्रांसफ़ॉर्मेशन बताते हैं, यानी साइकिक ट्रांसफ़ॉर्मेशन, स्पिरिचुअल ट्रांसफ़ॉर्मेशन और सुपरमेंटल ट्रांसफ़ॉर्मेशन।

अरविंद सुपरमैन के बारे में बात करते हैं। यही शब्द वेस्टर्न फ़िलॉसफ़र फ्रेडरिक नीत्शे ने भी इस्तेमाल किया है। लेकिन श्रीअरविंद और फ्रेडरिक नीत्शे द्वारा इस्तेमाल किए गए मतलब में एक बुनियादी फ़र्क है। वेस्टर्न फ़िलॉसफ़र का सुपरमैन, आज के इंसान केमहिमामंडन का प्रतीक है जो कि असुर से कम नहीं है। दूसरी ओर, श्रीअरविंद सुपरमैन शब्द का इस्तेमाल उच्च और बदली हुई चेतना के लिए करते हैं जिसमे नया इवोल्यूशनरी मानव होगा। श्रीअरविन्द सुपरमैन के सन्दर्भ में लिखते हैं कि अगर तुम (सुपरमैन) सारी इंसानियत के गुलाम नहीं हो सकते, तुम उनके मालिक बनने के लायक नहीं हो और अगर तुम वशिष्ठ की गाय की तरह अपने स्वभाव को नहीं बना सकते जो सारी इंसानियत की इच्छा पूरी करे, तो तुम्हारे शेर जैसे सुपरमैन होने का क्या फायदा?

ऑरोविल कई एक्टिविटीज़ में शामिल है, लेकिन ऑरोविल की एक खास एक्टिविटी यूथ इंटरनेशनल एक्सचेंज प्रोग्राम है, जहाँ दुनिया भर से स्टूडेंट्स आते हैं और श्रीअरविन्द और श्रीमाँ के विज़न के हिसाब से इंसानियत के भविष्य के बारे में जानने के लिए बातचीत करते हैं। यह कोई बढ़ा–चढ़ाकर कहना नहीं होगा कि श्री अरविन्द की लाइफ डिवाइन मैग्नम ओपस इंसान के आध्यात्मिक भविष्य के विज़न को समझाती है जो वैदिक फिलॉसफी पर आधारित है।

श्रीमाँ के ये शब्द ऑरोविल के मकसद और उद्देश्य को बेहतर ढंग से समझने में मदद करते हैं – हम किसी पंथ, किसी धर्म के खिलाफ नहीं लड़ते हैं। हम किसी भी तरह की सरकार के खिलाफ नहीं लड़ते हैं। हम किसी भी सामाजिक वर्ग के खिलाफ नहीं लड़ते हैं। हम किसी भी देश या सभ्यता के खिलाफ नहीं लड़ते हैं। हम बंटवारे, बेहोशी, अज्ञानता, जड़ता और झूठ से लड़ रहे हैं। हम धरती पर एकता, ज्ञान, चेतना, सत्य स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं, और हम उन सभी से लड़ते हैं जो प्रकाश, शांति, सत्य और प्रेम की इस नई रचना के आने का विरोध करते हैं।

ऑरोविल अपनी एक खास बात के लिए भी जाना जाता है कि यहाँ लोगों के बीच पैसे का कोई लेन–देन नहीं होता है। 28 फरवरी, 1968 को, ऑरोविल की नींव श्री माँ ने दुनिया भर के सभी उपमहाद्वीपों और बड़े महासागरों और समुद्रों से इकट्ठा किए गए पानी और मिट्टी से रखी थी। झुंझुनू, राजस्थान के केशव देव पोद्दार ने इस प्रोजेक्ट में अहम भूमिका निभाई। श्री माँ ने उन्हें नया नाम नवजात दिया। ऑरोविल में आकर्षण के केंद्रों में से एक मातृमंदिर है। श्री माँ मातृमंदिर को "इंसान की परफ़ेक्शन की चाहत के लिए भगवान के जवाब का प्रतीक" बताती हैं।

ऑरोविल, श्रीअरविन्द सोसाइटी का प्रोजेक्ट था, जिसकी श्रीमाँ हमेशा प्रेसिडेंट हैं। 1980 से पहले, श्री अरविन्द सोसाइटी के पास ओरोविल पर मालिकाना हक था। 1980 में, भारत सरकार ने ऑरोविल इमरजेंसी प्रोविज़न एक्ट 1980 पास किया, जिसके तहत उसने ऑरोविल का मैनेजमेंट अपने हाथ में ले लिया। आज यह पार्लियामेंट से पास हुए ऑरोविल फ़ाउंडेशन एक्ट 1988 के तहत चलता है। एम्बलम्स एंड नेम्स (प्रिवेंशन ऑफ़ इम्प्रॉपर यूज़) एक्ट, 1950, ऑरोविल के सिंबल के गलत इस्तेमाल को रेगुलेट करता है, जिसका ज़िक्र एक्ट 1950 के शेड्यूल की एंट्री नंबर 23 में है। ऑरोविल के प्रतीक को बिना इजाज़त इस्तेमाल पर सज़ा का प्रोविज़न है। भारत में ऑरोविल का महत्त्व और गंभीरता इसी बात से देखी जा सकती है कि इसी कानून के तहत की एंट्री नंबर 3 पर राष्ट्रध्वज के अनाधिकृत उपयोग पर सजा का प्रावधान है।

यह बहुत दुःख की बात है कि भारत में ज़्यादातर लोगों को ऑरोविल के बारे में पता नहीं है। हालाँकि इसे इंटरनेशनल लेवल पर सही माना गया है। ऑरोविल को 1966, 1968, 1970, 1983, 2007 में यूनेस्को के जनरल कॉन्फ्रेंस का समर्थन प्राप्त हुआ है। ऑरोविल का मुख्य विषय यह है कि पृथ्वी पर भाईचारे और समरसता की प्राप्ति के बिना सामुदायिक सद्भाव स्थापित नहीं किया जा सकता है यह केवल आध्यात्मिक परिवर्तन के माध्यम से ही प्राप्त किया जा सकता है। श्रीअरविन्द और श्री माँ सिखाते हैं कि आध्यात्मिकता कोई दूसरी दुनिया का मामला नहीं है। कोई भी भागवतचेतना के काम में सहयोग दे सकता है। कोई भी भागवतचेतना के अभिव्यक्त होने का निमित्त बन सकता है। इस दुनिया का एक मकसद है। वह मकसद अनजाना नहीं है। दुनिया विकास के संकट का सामना कर रही है। उच्च चेतना के अगले लेवल पर पहुँचना ही धरती की समस्याओं का हल है।

–सूर्य प्रताप सिंह राजावत,
सचिव, श्रीअरविन्द
सोसाइटी राजस्थान

नीमकाथाना : अरावली संरक्षण यात्रा में चिड़ीमार पहाड़ बचाने की आवाज उठी

- **गुजरात से दिल्ली जा रही अरावली संरक्षण यात्रा सीकर जिले के हरियाणा सीमा से सटे अंतिम गांव स्यालोदड़ा ग्राम पंचायत पहुंची**
- **यात्रा दल ने अवैध खनन, अवैध क्रेशरों तथा कृषि व श्वसन, खाद्यान्न में फैल रहे भारी धूल प्रदूषण और धूलजनित बीमारियों की वास्तविक स्थिति जानी**
- **अरावली संरक्षण यात्रा टीम ने क्षेत्र में लगातार बढ़ रही धूलजनित बीमारियों पर गहरी चिंता जताई और स्थिति पर अफसोस भी व्यक्त किया**

नीमकाथाना, (निसं)। बुधवार को गुजरात से दिल्ली जा रही अरावली संरक्षण यात्रा सीकर जिले के हरियाणा सीमा से सटे अंतिम गांव स्यालोदड़ा ग्राम पंचायत पहुंची। इस यात्रा का नेतृत्व पीपुल्स फॉर अरावली की संस्थापक नीलम आहुलवालिया कर रही है। यात्रा दल के स्यालोदड़ा पहुंचने पर ग्रामवासियों एवं सामाजिक संगठनों ने माला पहनाकर स्वागत किया। इस अवसर पर यात्रा दल ने आसपास के क्षेत्र के लोगों से संवाद कर चिड़ीमार पहाड़ में चल रहे अवैध खनन, अवैध क्रेशरों तथा कृषि व श्वसन, खाद्यान्न में फैल रहे भारी धूल प्रदूषण और उससे हो रही धूलजनित बीमारियों की वास्तविक स्थिति जानी।

यात्रा टीम ने क्षेत्र में लगातार बढ़ रही धूलजनित बीमारियों पर गहरी चिंता जताई और स्थिति पर अफसोस भी व्यक्त किया। लोगों ने बताया कि चिड़ीमार पहाड़ राजस्थान–हरियाणा की सीमा पर स्थित है, एक ओर यह क्षेत्र राजस्थान के वन क्षेत्र (फॉरेस्ट पार्ट) में आता है, जबकि दूसरी ओर हरियाणा में इसे ग्राम पंचायत के राजस्व रिकॉर्ड में दर्शाया गया है। इसी कानूनी विसंगति का लाभ उठाकर हरियाणा सरकार के अधीन क्षेत्र में बड़े पैमाने पर वैध एवं अवैध खनन किया जा रहा है। वक्ताओं ने कहा कि चिड़ीमार पहाड़ की वास्तविक ऊंचाई लगभग 500 से 600 मीटर होने तथा एनसीआर क्षेत्र में स्थित होने के बावजूद, कम ऊंचाई दर्शाकर पर्यावरणीय नियमों की अनदेखी करते हुए खनन पट्टा जारी है, जिससे एनसीआर के फेफड़े कहे जाने वाले अरावली पर्वतमाला को हरियाणा सरकार गंभीर नुकसान पहुंच रहा है।

स्यालोदडा गांव के ग्रामीणों एवं कांग्रेस के पदाधिकारियों आरोप लगाया कि स्यालोदड़ा राजस्थान क्षेत्र में अवैध रवन्ना की आड़ में चिड़ीमार पहाड़ से अवैध खनन कर अवैध क्रशरों के माध्यम से इतना भयंकर धूल प्रदूषण फैलाया जा रहा है कि आमजन का जीवन और जन स्वास्थ्य व्यवस्था खतरे में पड़ गई है। इस अवसर पर सर्वोच्च न्यायालय एवं केंद्र सरकार से मांग की गई कि एनसीआर क्षेत्र में वैध एवं अवैध दोनों प्रकार के खनन पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाए, चिड़ीमार पहाड़ को बचाया जाए, सभी राज्यों में अरावली की एक समान परिभाषा लागू की जाए, अवैध रवन्ना, अवैध क्रशर और अवैध खनन पर सख्त कार्रवाई की जाए।

कार्यक्रम को आदिवासी एकता परिषद के अध्यक्ष अशोक चौधरी, पर्यावरण मित्र कैलाश मीणा (भराला) सहित अन्य सामाजिक कार्यकर्ताओं ने संबोधित किया। स्वागत संबोधन जयभगवान शर्मा एवं बिशेश्वर सैनी ने दिया। यात्रा दल के समक्ष ग्रामीणों ने भी अपनी समस्याएं और अनुभव साझा किए।

इस अवसर पर ग्रामवासियों में राजू सैनी, रामेश्वर सैनी, शिंभू डाबला, रमेश छावड़ी, सहमाल चंदेला, बाबूलाल, जयराम सैनी, अमरसिंह डाबला, मलखान सिंह बांयल, रामनिवास सैनी, डालूराम होल्दार, राजेश किरोड़ीवाल, शंकर लाल सैनी, कमलेश सैनी, महावीर वैद्य, जयराम हलवाई, गिरवर सैनी, रोहिताश सैनी, लाल सिंह, बद्री सैनी, निहाल चंद सैनी, राजेश चंदेला, लीला राम सैनी, उमराव ठाकुर, अशोक कुमावत, कालूराम सैनी, बिहारीलाल सैनी, अशोक शर्मा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। तत्पश्चात यात्रा हरियाणा के बांयल गांव में प्रवेश करते हुए दिल्ली प्रस्थान कर गई।

झालावाड़ : पिचकारी वाली सॉफ्ट ड्रिंक गिरने से बच्चे की एक आंख की रोशनी गई

दस दिन पहले नौ साल के बच्चे की आंख में सॉफ्ट ड्रिंक गिरने से कॉर्नियल अल्सर हो गया था, जिसे परिजनों ने कई अस्पतालों में दिखाया था

- **बच्चे को परिजन कोटा के मेडिकल कॉलेज के एमबीएस अस्पताल लेकर पहुंचे, उपचार जारी**
- **चिकित्सकों के अनुसार आंख में सुधार होता है तो ठीक है, अन्यथा कॉर्निया ट्रांसप्लांट (केराटोप्लास्टी) करना होगा**
- **'संभवतया : इस प्रोडक्ट में केमिकल होगा, इससे बच्चे की आंख को नुकसान पहुंचा'**

कोटा, (निसं)। बाजार में मिल रही पिचकारी वाली सॉफ्ट ड्रिंक का घातक असर सामने आया है। इस सॉफ्ट ड्रिंक से झालावाड़ जिले के सारोला कला निवासी 9 वर्षीय बच्चे मनीष धाकड़ की आंख चली गई। उसके बाद आंख में कॉर्नियल अल्सर हो गया। यहां तक कि उसे एक आंख से दिखना बंद हो गया। उसे कॉर्निया ट्रांसप्लांट की नौबत आ गई। बच्चा बुधवार को मेडिकल कॉलेज के एमबीएस अस्पताल के नेत्र रोग विभाग में पहुंचा था, जहां सीनियर प्रोफेसर डॉ. जयश्री सिंह ने मनीष को देखा।

पिता हुकुमचंद धाकड़ ने बताया कि बच्चों ने पास की दुकान से पिचकारी वाली सॉफ्ट ड्रिंक ली थी। मनीष इससे खेल रहा था कि अचानक पिचकारी चलाते समय आंख में सॉफ्ट ड्रिंक चली गई। उसे काफी जलन हुई। उसने आंख मसली तो दिखाना बंद हो गया। परिजनों ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सारोला कलां, फिर झालावाड़ अस्पताल में दिखाया, लेकिन सुधार नहीं होने पर कोटा लाए। सीनियर प्रोफेसर डॉ. जयश्री सिंह ने बताया कि बच्चे को अभी आई ड्रॉप्स प्रेसक्राइब की है। कुछ दवा भी दी है। आंख में कॉर्नियल अल्सर हो गया है। इससे धीरे–धीरे कॉर्नियल वैस्कुलराइजेशन हो गया। यह कॉर्निया को ऑक्सीजन नहीं मिलने पर होता है। इसके बाद ब्लड वेसल्स ने काम करना बंद कर दिया। कॉर्निया की पारदर्शिता खराब होने लगती है। यह मनीष के साथ भी हुआ। आंख में सुधार होता है तो ठीक है अन्यथा कॉर्निया ट्रांसप्लांट (केराटोप्लास्टी) करना होगा। संभवतयाः इस प्रोडक्ट में केमिकल होगा। इससे बच्चे की आंख को नुकसान पहुंचा। उन्होंने ऐसे प्रोडक्ट पर बैन लगाने और स्कूलों के बाहर बिक्री नहीं होने की बात भी कही है।

डॉ. जयश्री सिंह का कहना है कि मनीष की आंख में यह सॉफ्ट ड्रिंक करीब 10 दिन पहले गई थी। परिजन आयुर्वेदिक दवा आंख में डाल रहे थे। इससे आंख सही नहीं हुई। यह दवा नहीं डालनी चाहिए थी। इसके दुष्परिणाम हो सकते हैं क्योंकि एक तरफ केमिकल चला गया और दूसरी तरफ आपकी दवा डाल रहे हैं। परिजनों को उम्मीद थी कि आंख सही हो जाएगी लेकिन ऐसा नहीं हुआ। बच्चे को एक आंख से दिखना बंद हो गया। उसकी पढ़ाई डिस्टर्ब हो गई। इसके बाद परिजन बालक को कोटा लाए। उन्होंने ओपीडी में दिखाया। इसके बाद आंख की जांच की गई है।

सफाई कर्मियों का प्रदर्शन

रामगंजमंडी, (निसं)। नगर पालिका रामगंजमंडी में कार्यरत सफाई कर्मचारियों ने जनवरी माह का वेतन अब तक नहीं मिलने पर आक्रोशित होकर बुधवार को पालिका परिसर में प्रदर्शन किया। कर्मचारियों ने हाथों में काली पट्टी बांधकर विरोध जताया और प्रशासन के खिलाफ नाराजगी व्यक्त की। प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों का कहना है कि जनवरी माह का भुगतान अब तक नहीं किया गया है, जिससे उन्हें आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कई कर्मचारियों ने बताया कि वेतन में देरी के कारण घर खर्च चलाना मुश्किल हो रहा है।। कर्मचारियों ने चेतावनी दी कि यदि दो दिन के भीतर भुगतान नहीं किया गया तो वे कार्य का बहिष्कार करेंगे।

राशन डीलर का प्राधिकृत पत्र निलम्बित

रामगंजमंडी, (निसं)। नगर पालिका क्षेत्र रामगंजमंडी के राशन डीलर के खिलाफ जांच में लापरवाही व वितरित होने वाले गेहूं का वितरण नहीं करके गबन करने के मामले में रसद विभाग प्रवर्तन अधिकारी अदिति जगरवाल ने बुधवार को पुलिस में प्रकरण दर्ज करवाया है। प्रवर्तन अधिकारी अदिति जगरवाल ने बताया कि एफपीएस चेतन नामा की राशन की दुकान का निरीक्षण किए जाने पर भौतिक सत्यापन में 200.76 क्विंटल गेहूं कम पाया गया।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि दीपक कुमार जिन्दानी पुत्र रिषभचन्द जैन की खरीदशुदा सम्पत्ति फ्लेट नं. ए-601, ओम ग्रीन मिडोज, सुभाष नगर, कोटा में स्थित है। दीपक कुमार जिन्दानी के द्वारा एचडीएफसी लि. से ऋण लिया हुआ था तथा उक्त सम्पत्ति के समस्त असल दस्तावेजात एचडीएफसी बैंक लि. में रहन कर रखे है। दीपक कुमार जिन्दानी का दिनांक 10.01.2026 को देहान्त हो चुका है। दीपक कुमार जिन्दानी की पत्नी श्रीमती अभिलाषा जिन्दानी के द्वारा यह जाहिर किया है कि उनके अतिरिक्त स्व. दीपक कुमार जिन्दानी के पुत्र चिराग जिन्दानी व पुत्री भव्या जिन्दानी ही विधिक वारिसान हैं, उनके अतिरिक्त अन्य कोई वारिसान नहीं है। उक्त सम्पत्ति के पेटे लिए हुए ऋण की पूर्ण अदायगी एचडीएफसी बैंक लि. को की जा चुकी है, स्व. दीपक कुमार जिन्दानी की पत्नी अभिलाषा जिन्दानी उक्त सम्पत्ति के समस्त असल दस्तावेजों को प्राप्त करना चाहती है। यदि इस सम्बन्ध में किसी भी दीगर व्यक्ति/संस्था/कम्पनी को किसी प्रकार की आपत्ति हो तो मय दस्तावेज सूचना प्रकाशन की तिथि से 7 दिवस की अवधि में अद्योहस्ताक्षरकर्ता या एचडीएफसी बैंक लि. शाखा विज्ञान नगर, कोटा के समक्ष लिखित आपत्ति मय दस्तावेज प्रस्तुत करे। बाद गुजरने मियाद सूचना कोई भी आपत्ति मान्य एवं प्रभावी नहीं होगी।

संदीप जैन
एडवोकेट 9829180432

कार्यालय नगर पालिका रावतभाटा, जिला–चित्तौड़गढ़ (राज.)

क्रमांक/नपरा/श.स.स.शि.-2025/2025-26/718 **आपत्ति सूचना** दिनांक-19.2.2026

सर्व सम्बन्धित को सूचित किया जाता है कि शहरी सेवा शिविर-2025 के अन्तर्गत श्री अशोक कुमार सैन पिता श्री जगन्नाथ द्वारा अपने हक अधिकार प्राप्त उपविभाजित भूखण्ड संख्या 158ए, नया बाजार आवासीय योजना क्षेत्र, सेन्ट्रल पार्क के पास, रावतभाटा का धारा 69ए के तहत पट्टा हेतु प्रस्तुत आवेदन अन्तर्गत बाद निर्णय अनुमोदित ले-आउट प्लान नं. 03 के भवन क्रमांक 522 का आवेदक के नाम पट्टा विलेख क्रमांक LD/RWTB/2025-26/296278/33 दिनांक 20.11.2025 से क्षेत्रफल 1000 वर्गफीट का जारी किया गया। जिसके पंजीयन से पूर्व ही आवेदक की मृत्यु दिनांक 19.12.2025 को हो जाने के कारण आवेदक के वैध वारिसान / उत्तराधिकारी श्रीमती मंजू सैन पत्नी स्व. श्री अशोक कुमार सैन के द्वारा अन्य वारिसान श्री हेमन्त कुमार व जितेन्द्र कुमार सैन पुत्रान स्व. श्री अशोक कुमार सैन के अपंजीकृत नोट्री प्रमाणित हकत्याग पत्र के साथ उक्त पट्टा विलेख को अपने नाम हस्तान्तरित कराकर नवीन पट्टा जारी किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है।

अतः उक्त आवेदित प्रकरण में किसी व्यक्ति/संस्था/विभाग को कोई आपत्ति अथवा उजरदारी हो तो वह अपनी आपत्ति व उजरदारी इस सूचना के प्रकाशन के 7 दिवस के अन्दर लिखित में मय साक्ष्य दस्तावेज के साथ अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है अन्यथा बाद मियाद कोई आपत्ति व उजरदारी मान्य नहीं होगी।

अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका रावतभाटा

कार्यालय नगर निगम, कोटा, राजस्थान

क्रमांक-ननिकोटा/उपा.रा./2026/188-89 दिनांक- 24.02.26

सार्वजनिक आपत्ति सूचना

सर्व साधारण को जर्ये आम सूचना सूचित किया जाता है कि श्री कमल कुमार हिस्सारिया पुत्र स्व. शिव कुमार हिस्सारिया, निवासी ए-49, आरकेपुरम, कोटा नगर निगम कोटा की होटल/रेस्टोरेन्ट/मैस उपविधि 2016 के अनुसार "HOTEL MADHUSHREE" ऑक्सीजन सीटी पार्क के पास मेन रोड, झालावाड रोड, कोटा में होटल संचालन करने की अनुमति चाही गई है।

इस संबंध में यदि किसी व्यक्ति/संस्था को किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना के प्रकाशन दिनांक से 07 दिवस की अवधि में राजीव गांधी भवन नगर निगम कोटा के ब्लॉक ''ए'' के प्रथम तल के कमरा नं. 238 में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। समयावधि पश्चात् कोई आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी तथा उपविधि 2016 के अनुसार कार्यवाही प्रस्तावित कर दी जावेगी।

उपायुक्त राजस्व नगर निगम, कोटा

कार्यालय नगर परिषद बारां

क्रमांक : नपबा/तामीर शाखा/2026/11841 दिनांक : 25.02.2026

सार्वजनिक विज्ञप्ति

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमति स्वतंत्र सैनी पत्नी श्री चन्द्रप्रकाश सैनी निवासी बारां का आवेदन नाम हस्तान्तरण चाहने वास्ते प्राप्त हुआ है। जिसमें पट्टा विलेख दिनांक 22.09.1977 भूखण्ड संख्या निल माप 1665 वर्गफीट का श्रीमति सुशीला देवी पत्नी श्री मांगीलाल के नाम जारी किया। तत्पश्चात पट्टाधारक द्वारा जर्ये रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 25.03.1996 से उक्त माप में से 900 वर्गफीट श्रीमति सुनिता अग्रवाल पत्नी श्री विरेन्द्र को बेचान कर दिया। जिसमें कार्यालय नगर परिषद बारां द्वारा कमांक नपबा/तामीर शाखा/2025/8431 दिनांक 15.12.2025 से भूखण्ड माप 900 वर्गफीट का उपविभाजन प्रमाण पत्र श्रीमति सुनिता अग्रवाल पत्नी श्री विरेन्द्र के नाम जारी किया गया। तत्पश्चात श्रीमति सुनिता अग्रवाल पत्नी श्री विरेन्द्र द्वारा जर्ये रजिस्टर्ड बयनामा दिनांक 27.01.2026 से उक्त भूखण्ड माप 900 वर्गफीट को श्रीमति स्वतंत्र सैनी पत्नी श्री चन्द्रप्रकाश सैनी को बेचान कर दिया। आवेदिका ने इसी आधार पर उक्त भूखण्ड का नाम हस्तान्तरण अपने नाम चाहता है। उक्त सम्पत्ति के संबंध में अन्य किसी को आपत्ति हो तो अन्तर 7 दिवस में आपत्ति मय दस्तावेजो के साथ कार्यालय हजा में प्रस्तुत करे। बाद अवधि गुजर जाने पश्चात आपत्ति मान्य नही होगी।

राजस्थान आवासन मण्डल कोटा वृत्त कोटा

क्रमांक-3307 **जाहिर आम सूचना** दिनांक-20.02.26

आवास संख्या 1-घ-34 दादाबाडी, कोटा का आवंटन मण्डल द्वारा श्री पदमचंद पाटनी पुत्र श्री प्रेमराज पाटनी को किया गया था। इस आवास का पंजीयन श्री पदमचंद पाटनी पुत्र श्री प्रेमराज पाटनी के नाम दिनांक 17.01.1978 को अपने पक्ष में करवाया गया। मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार पर श्री पदमचंद पाटनी पुत्र श्री प्रेमराज पाटनी की मृत्यु दिनांक 04.01.2023 को एवं इनकी पत्नी श्रीमती कमला देवी पाटनी की मृत्यु दिनांक 29.04.2021 हो चुकी है। इनकी मृत्यु उपरांत इनके वारिसानों में श्रीमती रितु जैन पत्नी श्री तरूण कुमार जैन द्वारा उक्त आवास में निहित अपने अविभाजित हिस्सों का त्याग जरिये रिलीज डीड आलेखित कर दिनांक 18.06.2024 को श्रीमती उषा जैन पत्नी श्री देवेन्द्र कुमार जैन के पक्ष में किया गया। श्रीमती उषा जैन पत्नी श्री देवेन्द्र कुमार जैन का नाम उक्त आवास के मण्डल अभिलेख में दिनांक 01.10.2024 को दर्ज किया जा चुका है। तत्पश्चात श्रीमती उषा जैन पत्नी श्री देवेन्द्र कुमार जैन द्वारा उक्त आवास का बेचान जरिये विक्रय-पत्र आलेखित कर दिनांक 30.01.2026 को श्री विवेक चौधरी पुत्र श्री सुरेश चन्द्र चौधरी एवं श्रीमती नीतू जैन पत्नी श्री विवेक चौधरी को संयुक्त रूप से किया गया। श्री विवेक चौधरी पुत्र श्री सुरेश चन्द्र चौधरी एवं श्रीमती नीतू जैन पत्नी श्री विवेक चौधरी द्वारा इस कार्यालय में प्रतिवेदन प्रस्तुत कर आवास संख्या 1-घ-34 दादाबाडी, कोटा को विक्रय-पत्र के आधार पर अपना नाम आवास के मण्डल अभिलेख मे संयुक्त रूप से दर्ज करने हेतु आवेदन किया गया है। अतः इस आवास के मण्डल अभिलेख में श्री विवेक चौधरी पुत्र श्री सुरेश चन्द्र चौधरी एवं श्रीमती नीतू जैन पत्नी श्री विवेक चौधरी का नाम विक्रय पत्र के आधार पर संयुक्त रूप से दर्ज करने में किसी भी पक्षकार / व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो 15 दिवस के अन्दर इस कार्यालय को सूचित करें। अन्यथा यह मानते हुए कि इस आवास के मण्डल अभिलेख में श्री विवेक चौधरी पुत्र श्री सुरेश चन्द्र चौधरी एवं श्रीमती नीतू जैन पत्नी श्री विवेक चौधरी का नाम विक्रय पत्र के आधार पर संयुक्त रूप से दर्ज किये जाने में किसी भी व्यक्ति / पक्षकार को कोई आपत्ति नहीं है। उक्त आवास के मण्डल अभिलेख में श्री विवेक चौधरी पुत्र श्री सुरेश चन्द्र चौधरी एवं श्रीमती नीतू जैन पत्नी श्री विवेक चौधरी का नाम विक्रय पत्र के आधार पर संयुक्त रूप से दर्ज कर दिया जायेगा।

उप आवासन आयुक्त राजस्थान आवासन मण्डल कोटा वृत्त कोटा

कार्यालय कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

क्रमांक :- एफ-15/कृ.भू.रू./2026/2152 **विज्ञप्ति** दिनांक : 25.2.2026

सर्व साधारण को जर्ये विज्ञप्ति सूचित किया जाता है कि ग्राम रामपुरा योजना ''आर.के. नगर'' खसरा नं. 598 में स्थित भूखण्ड संख्या 132 के नाम हस्तान्तरण करने हेतु न्यास कार्यालय में श्रीमती रुकसाना पत्नि श्री मोहम्मद साबिर निवासी-मकान नं. 1325, धोबी मोहल्ला, खानपुर, झालावाड़ राजस्थान द्वारा ऑनलाईन आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। उक्त भूखण्ड का पट्टा क्रमांक 3432 दिनांक 27.12.2004 को श्री अब्दुल सलीम पुत्र श्री अब्दुल गनी निवासी 132, आर.के. नगर, कोटा राज. के पक्ष में जारी किया गया था। पट्टेधारी द्वारा उक्त भूखण्ड का बेचान जर्ये अपंजीकृत मुख्तार आम श्री साबिर पुत्र श्री मोहम्मद ईश्हाक द्वारा जर्ये रजि. विक्रय पत्र दिनांक 16.06.2009 से श्रीमती रुकसाना पत्नि श्री मोहम्मद साबिर को कर दिया गया हैं।

अतः श्रीमती रूकसाना पत्नि श्री मोहम्मद साबिर के नाम हस्तान्तरण जारी किये जाने में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो अन्दर 7 योम कार्यालय में उपस्थित होकर अथवा लिखित में अद्योहस्ताक्षरकर्ता को प्रस्तुत करें। मियाद गुजर जाने के बाद आपत्ति मान्य नही होगी।

उपायुक्त कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

क्रमांक :- एफ 11/ विक्रय/2026/810 दिनांक : 10.2.26

नाम हस्तातंरण बाबत आम सूचना

कार्यालय कोटा विकास प्राधिकरण कोटा द्वारा आवास/भूखण्ड संख्या-320-A आर.के.पुरम योजना का आवंटन न्यास के पत्र क्रमांक 1438 दिनांक 13.10.2000 द्वारा श्री तिलकराज पुत्र श्री प्यारेलाल को आंवटित किया गया था। श्री तिलकराज के द्वारा श्रीमती आशा जैन पत्नि श्री अमित जैन को उक्त भूखण्ड कि कार्यवाही के सम्बंध में मुख्तारआम नियुक्त किया गया। मुख्तारआम के आधार पर उक्त भूखण्ड का बैचान जर्ये विक्रय पत्र दिनांक 06.11.2025 को श्रीमती रंजीता जैन पत्नि श्री लोकेश जैन को कर दिया गया। क्रेता श्रीमती रंजीता जैन पत्नि श्री लोकेश जैन अपने नाम उक्त भूखण्ड का नाम हस्तांतरण हेतु आवेदन किया गया है।

अतः जरिये आम सूचित किया जाता है यदि इस नाम हस्तांतरण की स्वीकृती देने में किसी को भी कोई ऐतराज हो तो विज्ञप्ति जारी होने के 7 दिन के अन्दर-अन्दर अपनी आपत्ति दर्ज करावे अन्यथा मियाद गुजरने के पश्चात् उक्त आवास/भूखण्ड संख्या 320-A आर.के.पुरम् योजना का नाम हस्तातरण श्रीमती रंजीता जैन पत्नि श्री लोकेश जैन के नाम कर दिया जावेगा।

उपायुक्त कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

क्रमांक :- 1663 **नाम हस्तातंरण चाहने बाबत आम सूचना** दिनांक : 25.2.2026

कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा की मोहन लाल सुखाडिया आवासीय योजना के भूखण्ड/आवास/दुकान संख्या ई-217 का आवंटन/हस्तान्तरण/रजि. प्राधिकरण के क्रमांक 481 दिनांक 14.09.2011 को श्री मुकेश शर्मा पुत्र श्री शिवलाल शर्मा को किया गया था। आवंटी द्वारा उक्त भूखण्ड/आवास/दुकान का जर्ये रजिस्ट्रर्ड मुख्तारआम श्री महेश कुमार मेघानी पुत्र श्री कन्हैयालाल द्वारा जर्ये रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 09.04.2025 को श्री त्रिलोक कुमार सेन पुत्र श्री शम्भु लाल को कर दिया गया है क्रेता द्वारा उक्त भूखण्ड/आवास/दुकान का अपने नामहस्तान्तरण करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतः जरिये आम सूचित किया जाता है कि यदि इस नाम हस्तान्तरण की स्वीकृति देने में किसी को भी कोई ऐतराज हो तो विज्ञप्ति जारी होने के 7 दिवस के अन्दर-अन्दर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर दें, अन्यथा मियाद गुजरने के पश्चात् उक्त भूखण्ड/आवास/दुकान संख्या ई-217 योजना मोहन लाल सुखाडिया आवासीय का नाम हस्तान्तरण श्री त्रिलोक कुमार सेन पुत्र श्री शम्भु लाल के नाम स्वीकृति जारी कर दी जावेगी।

उपायुक्त कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

कोटा संभाग के महत्वपूर्ण पर्यटन स्थलों का हो विकास : संभागीय आयुक्त

■ **मुकुंदरा हिल्स टाईगर रिजर्व में सफारी के लिए खुलेंगे नए मार्ग**

कोटा, (निसं)। संभागीय आयुक्त अनिल कुमार अग्रवाल ने कहा कि कोटा संभाग पर्यटन की दृष्टि से काफी समृद्ध है। यहां पर्यटन को बढ़ावा देने की अपार संभावनाएं हैं। चम्बल नदी के साथ मुकुंदरा अभयारण्य यहां की खूबसूरती को काफी बढ़ाते हैं। उन्होंने जिले में पर्यटन की संभावनाओं को विकसित करने और यहां के पर्यटन स्थलों की देश-विदेश में मार्केटिंग करने के निर्देश दिए। अग्रवाल बुधवार को सीएडी सभागार में आयोजित संभागीय पर्यटन विकास समिति की बैठक में महत्वपूर्ण पर्यटन स्थलों को विकसित करने के संबंध में चर्चा कर रहे थे। बैठक में कोटा जिले में पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण चम्बल सफारी के लिए नावों की संख्या बढ़ाने और सफारी को सोशल मीडिया के माध्यम से प्रमोट करने पर चर्चा हुई। संभागीय आयुक्त ने चम्बल सफारी के लिए चम्बल गार्डन के पीछे बनी जेट्टी के पास वेटिंग एरिया बनाकर सुविधाएं विकसित करने के निर्देश दिए ताकि पर्यटकों को परेशानी नहीं हो। उन्होंने जवाहर सागर डैम तक सफारी की संभावनाएं तलाशने के भी निर्देश दिए। साथ ही, प्रमुख पर्यटन स्थलों की मार्केटिंग करने की आवश्यकता जताई। गरड़िया महादेव क्षेत्र में जाने वाले पर्यटकों के लिए बेसिक सुविधाएं उपलब्ध कराने पर चर्चा हुई। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि गरड़िया महादेव के एंट्री पॉईन्ट के रिनोवेशन एवं वहां आने वाले पर्यटकों के लिए सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में प्रस्ताव तैयार करवाए जाएंगे।

बैठक में मुकुंदरा हिल्स टाईगर रिजर्व में सफारी के लिए नए मार्ग खोलने पर चर्चा हुई। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि बफर जोन में अभी पांच रूट ओपन हैं। कोर एरिया में तीन रूट और स्वीकृत हो गए हैं। इससे वहां सफारी के लिए मार्ग बढ़ जाएंगे। इसके अलावा मुकुंदरा हिल्स टाईगर रिजर्व में वर्तमान में एक सफारी गाड़ी चल रही है। चार और सफारी गाड़ियां रजिस्टर होने के बाद इनकी संख्या पांच हो जाएगी। सुविधाएं बढ़ने से मुकुंदरा हिल्स टाईगर रिजर्व में और अधिक संख्या में पर्यटक सफारी कर पाएंगे। सीसीएफ वाईल्ड लाईफ कोटा एसआर जाट ने बताया कि बजट में चम्बल क्षेत्र में पर्यटकों की सुविधाओं के विस्तार के लिए 25 करोड़ रुपए की घोषणा की गई है। इसके संबंध में शीघ्र ही प्रस्ताव बनाकर भेजे जाएंगे ताकि कोटा संभाग में पर्यटन को बढ़ावा मिल सके। होटल फेडरेशन के कोटा संभाग अध्यक्ष अशोक माहेश्वरी ने बताया कि अगस्त से शुरू होने वाला अगला पर्यटन सीजन कोटा के लिए अच्छा साबित होगा। दिसम्बर माह में आयोजित ट्रैवल मार्ट में आए ट्यूर एवं ट्रैवल ऑपरेटरों द्वारा 100 से अधिक ट्यूर पैकेज तैयार किए गए हैं। उन्होंने बताया कि चम्बल सफारी, मुकुंदरा अभारण्य, गरड़िया महादेव, अभेड़ा महल, चम्बल रिवर फ्रंट, सेवन वंडर्स आदि पर्यटकों की पसंद बन गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि अभेड़ा तालाब, उम्मेदगंज पक्षी विहार एवं कनवास वेटलेंड में बर्ड वॉचिंग बढ़ रही है और युवा इसमें काफी रूचि ले रहे हैं जो पर्यटन को बढ़ावा देने में सकारात्मक कदम होगा।

संभागीय आयुक्त ने कहा कि कोटा में पर्यटन को बढ़ाने के लिए इससे जुड़े सभी लोगों को अपने व्यवहार में परिवर्तन लाते हुए अतिथि देवो भव की भावना को अपनाना होगा। टेक्सी चालक, टूरिस्ट गाईड, होटल एवं रेस्टोरेंट से जुड़े कर्मचारियों आदि को प्रशिक्षण देना होगा।

फागोत्सव की धूम

कोटा, (निसं)। जवाहरलाल नेहरू टीचर ट्रेनिंग कॉलेज, लखावा, कोटा में बुधवार को सहायक आचार्य संगीता कुमारी एवं डॉ.रंजीता सिंह के निर्देशन में फागोत्सव धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य प्रो.सुषमा सिंह एवं स्टॉफ द्वारा खाटूश्यामजी की आरती करके किया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि शिक्षाविद् संजय चतुर्वेदी, डॉ.महावीर राठौर द्वारा होली खेले रघुवीरा, बरसाने की छोरी राधा गोरी–गोरी इत्यादि भजनों के साथ प्रशिक्षणार्थियों फूलों की होली खेलते हुए धूम मचाई। इसी क्रम में बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों एवं शिक्षकगण ने मीठे रस से भरोरी राधा रानी, राधिका गोरी से, श्याम चूड़ी बेचने आया, आज बिरज में होरी रे रसिया, होलिया में उड़े रे गुलाल, रंग बरसे, मधुर भजनों व नृत्य कर फागोत्सव का आनंद लिया।

'ऑर्थोडॉन्टिक चिकित्सा जगत में ऐतिहासिक उपलब्धि'

■ **बिना सर्जरी के मोबियस सिंड्रोम का सफल उपचार, दुनिया का पहला ऐसा मामला**

कोटा, (निसं)। चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में एक क्रांतिकारी सफलता हासिल करते हुए डॉ.अभिषेक क्षेत्रपाल ने मोबियस सिंड्रोम से पीड़ित एक मरीज का केवल ऑर्थोडॉटिक उपचार के जरिए सफल इलाज किया हैं। यह दुनिया का ऐसा पहला मामला है जहाँ बिना किसी सर्जरी के मरीज में लिप कॉम्पिटेंस (होंठों को सहजता से बंद करने की क्षमता) विकसित की गई है। डॉ अभिषेक क्षेत्रपाल ने बताया कि मोबियस सिंड्रोम एक अत्यंत दुर्लभ जन्मजात तंत्रिका संबंधी विकार है जो मुख्य रूप से चेहरे के भावों और आंखों की गति को नियंत्रित करने वाली नसों को प्रभावित करता है। इस स्थिति में मरीज के चेहरे की मांसपेशियां लकवाग्रस्त रहती हैं जिससे वे न तो मुस्कुरा पाते हैं और न ही अपने होंठ पूरी तरह बंद कर पाते हैं। अब तक इस समस्या के समाधान के लिए बहु–विषयक इलाज जिस्मे प्लास्टिक सर्जन, मैक्सिलोफेशियल सर्जन, न्यूरोलॉजिस्ट, ऑर्थोडॉन्टिस्ट, दंत चिकित्सक आदि की टीम शामिल होती है और कई जटिल ऑपरेशनों को ही एकमात्र विकल्प माना जाता था। उन्होंने बताया कि आमतौर पर ऐसे मामलों में कई चरणों वाली सर्जरी की आवश्यकता होती है लेकिन इस केस में विशेषज्ञ ऑर्थोडॉटिक तकनीकों का उपयोग कर सफलता प्राप्त की गई। इसमें मरीज अब अपने होठों को पूरी तरह बंद करने में सक्षम है जो न केवल चेहरे की सुंदरता बल्कि बोलने और खाने–पीने की कार्यक्षमता के लिए भी अनिवार्य है। डॉ अभिषेक क्षेत्रपाल ने बताया कि वैज्ञानिक साहित्य और रिपोर्टों के अनुसार, केवल दांतों और जबड़ों के उपचार के माध्यम से इस स्तर का सुधार पहले कभी दर्ज नहीं किया गया है। यह कैस रिपोर्ट इंडियन जर्नल ऑफ ऑर्थोडॉन्टिक्स एंड डेटोफेशियल रिसर्च में प्रकाशित हुई है।

बाल विवाह की रोकथाम के लिये शिविर आयोजित

■ **बाल अधिकारिता विभाग के संयुक्त सहयोग से शिविर का आयोजन किया गया**

कोटा, (निसं)। बाल विवाह की रोकथाम तथा जन सहभागिता योजनाओं से जुड़ाव को लेकर लाड़पुरा तहसील रंगपुर ग्राम पंचायत में सृष्टि सेवा समिति द्वारा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बाल अधिकारिता विभाग के संयुक्त सहयोग से शिविर का आयोजन किया गया। जिला समन्वयक भूपेंद्र सिंह ने बताया कि कार्यक्रम में पंचायत स्तर पर लोगों ने शिविर में भागीदारी ली तथा बाल विवाह पर जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम के दौरान स्थानीय विद्यालय के बच्चों ने भी बाल विवाह की रोकथाम पर आयोजित कार्यशाला में भाग लिया तथा वक्ताओं द्वारा दी गई जानकारी को समझा। इस दौरान सृष्टि सेवा समिति के सलाहकार यज्ञदत्त हाड़ा ने प्रतिभागियों को सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। पूर्व वार्ड पार्षद व समाजसेवी युधिष्ठिर ने बाल विवाह की रोकथाम को लेकर कविता प्रस्तुत की और बच्चों को तथा उपस्थित आमजन को बाल विवाह के प्रति जागरूक किया। बाल अधिकारिता विभाग के आउटेज कर्मी संजय मेहरा व चाईल्ड हेल्पलाईन के कॉ–ऑर्डिनेटर नरेश मीणा ने बच्चों को चाईल्डलाईन के बारे में विस्तार से बताया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अधिवक्ता नरेंद्र डाबी ने बच्चों को बाल विवाह की रोकथाम हेतु किया प्रयास किया जा सकते हैं इस बारे में बताया।

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार मिर्जा अनवर बैग पुत्र मिर्जा जब्बार बैग उम्र 53 वर्ष निवासी 135, आदित्य आवास बजरंग नगर कोटा का है, जिसका मकान 25x55 वर्गफुट, दो मंजिला आदित्य आवास में है जिसमें परिवार सहित निवास कर रहा है। मेरे पक्षकार ने दोनों पुत्रों मिर्जा राशिद बैग उम्र 30 वर्ष, मिर्जा शाकिर बैग उम्र 33 वर्ष की शादियां कर दी, स्वयं का आर. सी.सी. का ठेकेदारी का काम सिखाया, आर.सी.सी. का समस्त सामान देकर दोनों पुत्रों को काम धन्धा के लिये प्रोत्साहित किया लेकिन दोनों पुत्र मेरे पक्षकार व उसकी पत्नी से लड़ाई-झगड़ा करते है, कोई काम काज नहीं करते है जिसका भी काम ठेके पर लेते है उनका काम पूरा करके नहीं देते है, दोनों के क्रूरतापूर्ण, आचरण, नकारापन के कारण मेरा पक्षकार उनके उक्त कृत्य से काफी आहत है, मेरा पक्षकार अपने दोनों पुत्र मिर्जा राशिद बैग, मिर्जा शाकिर बैग को अपनी समस्त चल एवं अचल सम्पत्ति से आज दिनांक 25.02.2026 को बैदखल करता है आज के बाद से दोनों पुत्रों से मेरे पक्षकार का किसी भी प्रकार का संबंध रिश्ता नाता नहीं रहा है। कोई भी व्यक्ति उक्त दोनों पुत्रों से किसी भी प्रकार का सौदा रूपयो, पैसो का लेन देन आदि नहीं करे, यदि कोई व्यक्ति दोनों पुत्रों से लेने देन करते है तो उसकी समस्त जिम्मेदारी उनकी होगी।

कोटा दिनांक-25.2.26

भवदीय
असगर अंसारी, एडवोकेट

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती नितेश धाकड़ पत्नी श्री रेखराज धाकड़, निवासी ग्राम याकुबपुरा, तह. नगरफोर्ट, जिला टोंक (राज.) हाल मुकाम मकान नं. 230, सुभाष नगर द्वितीय, कोटा द्वारा प्लॉट न. 167, सुभाष नगर योजना, कोटा (राज.) को खरीदने बाबत् करार श्रीमती सुधेश कुमारी निझावन पत्नी श्री जगदीश चन्द्र निझवानी, निवासी मकान नं. 1-पी-14, तलवण्डी, कोटा (राज.) से किया हुआ है। श्रीमती सुधेश कुमारी निझावन द्वारा उक्त प्लॉट को श्री नवीन कुमार निझावन जरिये मुख्तार आम श्री रवि प्रकाश गुप्ता से जरिये विक्रय पत्र दिनांक 27.06.2006 क्रय किया था, जिसका पंजीयन उप पंजीयक कार्यालय, कोटा में दिनांक 27.06.2006 को हो रहा है। उक्त प्लॉट से संबंधित असल आवंटन पत्र दिनांक 18.04.1991, जो कि नगर विकास न्यास, कोटा द्वारा श्री रवि प्रकाश गुप्ता के पक्ष में जारी किया गया था, असल उपलब्ध नहीं है एवं गुम होना बताया गया है, जिसकी संबंधित थाने में इन्फोर्मेशन रिपोर्ट दर्ज करवा दी गई है। अगर किसी व्यक्ति अथवा वित्तीय संस्था को उपरोक्त वर्णित असल आवंटन पत्र के संदर्भ में किसी प्रकार की आपत्ति या एतराज हो तो वह सूचना प्रकाशन के 07 दिवस की अवधि में मुझे अपनी आपत्ति लिखित में प्रस्तुत कर दें, बाद गुजरने मियाद किसी प्रकार की आपत्ति मान्य नहीं होगी।

दिनांक :25.02.2026

राजेन्द्र मंगल एडवोकेट
मकान नंबर 322 महावीर नगर द्वितीय
कोटा राज.
मो. 94148-02953

विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन

छबड़ा(निसं)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बारां के निर्देशानुसार चतुर्थ राष्ट्रीय लोक अदालत हेतु मेगा विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन तालुका विधिक सेवा समिति अध्यक्ष अविनाश चौधरी के निर्देशन में पंचायत समिति के सभागार में किया गया। उक्त शिविर का उद्देश्य उपखंड संबंधित विभागों की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का वंचितों को लाभ पहुंचाना है। उक्त शिविर में राजेंद्र प्रसाद मीणा अबीडीओ, अब्दुल हसीब आलम अध्यक्ष अभिभाषक परिषद, महेश भूटानी ब्लॉक मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जगदीश प्रसाद नागर एसीबीआ एवं अन्य विभागों के अधिकारी कर्मचारीगण मौजूद रहे। उक्त शिविर में पेंशन, पालनहार, जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र, चिकित्सा विभाग की योजना, शिक्षा विभाग की योजना, समाज कल्याण विभाग की योजना, पशुपालन विभाग आदि के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई एवं मौके पर उपस्थित लोगों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का जवाब दिया दिया।

विद्युत आपूर्ति चार घण्टे बन्द रहेगी

रामगंजमंडी (निसं)। क्षेत्र में 220 केवी जीएसएस मोड़क पर 33 केवी मेन बस पर कार्य करने हेतु 26 फरवरी गुरुवार को सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक शट डाउन रहेगा। राजेश कुमार अरोड़ा अधिशाषी अभियंता 220 केवी ग्रिड सब स्टेशन, प्रसारण निगम मोड़क ने बताया कि 220 केवी जीएसएस मोड़क से जुड़े समस्त 33केवी फीडर रामगंजमंडी, चेचट, असकली, मदनपुरा व रीको गुन्दी की विद्युत आपूर्ति बंद रहेगी।

सीएम की 'पाती' से जुड़ा राजस्थान, एक क्लिक पर मिली योजनाओं की जानकारी

कोटा, (निसं)। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने किसानों, युवाओं और महिलाओं के नाम विशेष रूप से लिखी गई पाती के माध्यम से सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी सीधे लाभार्थियों तक पहुंचाने की पहल की है। जिले में इस पाती का वितरण शुरू हो गया है।

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा महिलाओं के नाम मुख्यमंत्री की पाती का वितरण किया जा रहा है, वहीं जिला रोजगार अधिकारी के माध्यम से युवाओं को पाती सौंपी जा रही है। कृषि विभाग के अधिकारी किसानों तक किसान पाती पहुंचा रहे हैं। इस पहल का उद्देश्य अलग–अलग वर्गों को उनकी जरूरत से जुड़ी योजनाओं की सटीक और प्रामाणिक जानकारी उपलब्ध कराना हैं। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा प्रकाशित इस पाती में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की हेल्पलाइन, पीएम कुसुम योजना का आधिकारिक पोर्टल, राज किसान साथी, राज सहकार पोर्टल, राज किसान गिरदावरी ऐप, अटल जल योजना तथा प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना से संबंधित अहम जानकारियां शामिल की गई हैं।

एनटीपीसी अंता का नि:शुल्क नेत्र शिविर संपन्न

एनटीपीसी अन्ता में नि:शुल्क नेत्र शिविर संपन्न हुआ।

■ **कार्यक्रम एनटीपीसी अंता के परियोजना प्रमुख अनिल बवेजा की उपस्थिति में आयोजित हुआ**

अंता, (निसं)। नैगमिक सामाजिक उत्तरदायित्व नीति के अंतर्गत एनटीपीसी अंता चिकित्सालय द्वारा प्रेरणा महिला मंडल एवं विशाल आई हॉस्पिटल, कोटा के सहयोग से आयोजित नि:शुल्क नेत्र शिविर एवं चश्मा वितरण समारोह बुधवार को संपन्न हुआ। कार्यक्रम एनटीपीसी अंता के परियोजना प्रमुख अनिल बवेजा की उपस्थिति में आयोजित हुआ। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि एनटीपीसी अपने आसपास के ग्रामीण एवं स्थानीय समुदायों के स्वास्थ्य और समग्र कल्याण के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि दृष्टि स्वास्थ्य जीवन की गुणवत्ता से सीधे जुड़ा हुआ है और ऐसे शिविर वंचित एवं जरूरतमंद वर्गों के लिए आशा की नई किरण बनते हैं।

इस शिविर के अंतर्गत विशेषज्ञ नेत्र चिकित्सकों द्वारा आंखों की जांच की गई तथा कुल 194 लाभार्थियों को नि:शुल्क चश्मों का वितरण किया गया। समय पर परामर्श, समुचित जांच और आवश्यक सहायता से लाभार्थियों के चेहरों पर खुशी, संतोष और नई उम्मीद साफ झलकती रही। कई लाभार्थियों ने बेहतर दृष्टि मिलने पर इसे अपने दैनिक जीवन में सकारात्मक बदलाव की शुरुआत बताया। इस अवसर पर ओएंडएम प्रमुख विपिन कुमार देशमुख, मानव संसाधन प्रमुख डी.एस. कुहाड़, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अम्बुज कुमार, डॉ. ऋषभ शर्मा, एनटीपीसी अंता चिकित्सालय की चिकित्सकीय टीम, विशाल आई हॉस्पिटल, कोटा से डॉ. विशाल स्नेही तथा प्रेरणा महिला मंडल के सदस्य उपस्थित रहे।

लाभार्थियों ने शिविर की सुव्यवस्थित व्यवस्था, चिकित्सकीय टीम की संवेदनशील सेवाओं और नि:शुल्क चश्मा वितरण की भूरि–भूरि प्रशंसा करते हुए भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों के आयोजन की अपेक्षा व्यक्त की। एनटीपीसी अंता द्वारा स्वास्थ्य, शिक्षा एवं सामुदायिक विकास से जुड़े कार्यक्रम सतत रूप से संचालित किए जा रहे हैं, ताकि समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक आवश्यक सुविधाएं प्रभावी और सम्मानजनक ढंग से पहुंचाई जा सकें।

सीएमएचओ ने किया सीएचसी डाबी का औचक निरीक्षण

बूँदी(निसं)। जिले में आमजन को बेहतर एवं समयबद्ध स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बुधवार को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ ओ पी सामर ने सीएचसी डाबी का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की व्यापक समीक्षा की।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल में संचालित विभिन्न सेवाओं, उपचार व्यवस्था, स्वच्छता प्रबंधन तथा मरीजों को दी जा रही सुविधाओं का गहनता से अवलोकन किया। निरीक्षण के क्रम में सीएमएचओ ने निशुल्क दवा वितरण प्रणाली की उपलब्धता और रिकॉर्ड का परीक्षण किया। उन्होंने प्रयोगशाला में संचालित जाँच सेवाओं की गुणवत्ता, समयबद्धता एवं रिपोर्टिंग व्यवस्था की जानकारी ली। साथ ही ऑनलाइन पर्ची व्यवस्था की कार्यप्रणाली की समीक्षा करते हुए मरीजों को शीघ्र पंजीयन एवं उपचार सुविधा उपलब्ध कराने पर जोर दिया। डॉ सामर ने बायोमेडिकल वेस्ट प्रबंधन प्रणाली का निरीक्षण कर निर्धारित मानकों के अनुरूप अपशिष्ट निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने लेबर रूम की तैयारियों, उपकरणों की उपलब्धता, प्रसूता देखभाल व्यवस्था तथा आपातकालीन सेवाओं की स्थिति की भी विस्तृत समीक्षा की। वार्डों में भर्ती मरीजों की देखभाल, बेड व्यवस्था, साफ–सफाई तथा शौचालयों की स्थिति का निरीक्षण कर स्वच्छता बनाए रखने और नियमित मॉनिटरिंग के निर्देश दिए।

कार्यालय नगर निगम कोटा (राज0)

राजीव गांधी भवन, दशहरा मैदान, सी0ए0डी0 सर्किल, कोटा
Website : www.kotamc.org, Email :

क्रमांकः– ननिकोटा / रा.नीलामी / राजस्व / 2025 / 7202–203 दिनांकः– 24.02.2026

ई–ऑक्शन के माध्यम से सीएडी चौराहा से पुलिस कन्ट्रोल रूम के पास स्थित व्यवसायिक भूखण्ड खरीदने का सुनहरा अवसर

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर निगम कोटा द्वारा रावतभाटा रोड स्थित पुलिस कन्ट्रोल रूम के पास व्यवसायिक भूखण्डों की ई–ऑक्शन के माध्यम से नीलामी आयोजित की जा रही है। ई–ऑक्शन निम्नांकित सारणी अनुसार तिथिवार किया जावेगा। (अन्तिम 5 मिनट में स्वतः बोली विस्तार नही होने की स्थिति में) समस्त जानकारी ई–नीलामी की वेबसाईट https://lsgeauction.rajasthan.gov.in के माध्यम से ही सम्पादित होगी। जो एस.एस.ओ. आई.डी. (SSO ID) द्वारा देखी जा सकती है। ई–नीलामी से विक्रय किये भूखण्डों की 15 प्रतिशत राशि नीलामी तिथि को सम्मलित करते हुए 03 कार्य दिवस में जमा होने व नही होने की समस्त जिम्मेदारी स्वयं क्रेता की होगी।

दैनिक नीलामी कार्यक्रम का विवरण

क्र. सं.	भूखण्ड सं.	कॉलोनी का नाम	क्षेत्रफल / साईज	आवासीय व्यवसायिक	निर्धारित न्यूनतम नीलामी दर प्रति वर्गफुट	धरोहर राशि	रजिस्ट्रेशन प्रारम्भ दिनांक	ई ऑक्शन की तिथि एवं समय: प्रारम्भ तिथि समय	ई ऑक्शन की तिथि एवं समय: समाप्ति तिथि समय	सम्बन्धित कनि. अभियन्ता का मो. नं.
1	1	पुलिस कन्ट्रोल रूम के पास मुख्य मार्ग	3740 Sq. Mtr. 40242.40 Sq. Ft. मानचित्र अनुसार	व्यवसायिक (सामान्य)	12000	9658180	28.03.26 को प्रातः 10 बजे से 30.03.26 सायं 6.00 बजे तक	31.03.26 को प्रातः 10.00 बजे से	02.04.26 को प्रातः 11.00 बजे तक	श्री महेन्द्र प्रजापति, मो.नं. 93512–95632
2	2	पुलिस कन्ट्रोल रूम के पास मुख्य मार्ग	4990 Sq. Mtr. 53692.40 Sq. Ft. मानचित्र अनुसार	व्यवसायिक (सामान्य)	12000	12886180	02.04.26 को प्रातः 10 बजे से 04.04.26 सायं 6.00 बजे तक	05.04.26 को प्रातः 10.00 बजे से	07.04.26 को प्रातः 11.00 बजे तक	श्री महेन्द्र प्रजापति, मो.नं. 93512–95632

नोटः– नीलामी के संदर्भ में अन्य जानकारी / अन्य शर्तें राजीव गांधी भवन के ब्लॉक ''ए'' के प्रथम तल के कमरा नं. 238, राजस्व अनुभाग नगर निगम कोटा में सम्बन्धित लिपिक श्री फिरोज खान, मो. नं. 98297–07419 (कार्यालय समय में) से सम्पर्क किया जा सकता है।

1. नगर निगम कोटा में SSO ID के माध्यम से व्यवसायिक भूखण्डों का ई–ऑक्शन प्रारम्भ किया जा रहा है ई–ऑक्षन में भाग लेने के लिए SSO ID के माध्यम से स्वहपद करना होगा। ई–ऑक्शन में भाग लेने हेतु पंजीयन शुल्क / ईएमडी ऑनलाईन जमा करवानी होगी। नीलामी की विस्तृत शर्तें नगर निगम कोटा की वेबसाईट https://lsgeauction.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है। सभी नीलामी कार्यक्रम प्रारम्भ होने का समय प्रातः 10.00 बजे एवं समाप्ति दिवस के प्रातः 11.00 बजे तक रहेगा।
2. नीलामी से पूर्व निविदादाता को अपनी प्रोफाइल बनानी होगी जिसके Approved होने के पश्चात् ही नीलामी में भाग लिया जा सकेगा।
3. नीलामी के संदर्भ में अन्य जानकारी / अन्य शर्तें एस.एस.ओ.आई.डी. माध्यम से वेबसाईट पर जाकर एवं राजीव गांधी भवन के ब्लॉक ''ए'' के प्रथम तल के कमरा नं. 238, राजस्व अनुभाग नगर निगम कोटा में (कार्यालय दिवस व कार्यालय समय) में सम्पर्क कर देखी जा सकती है।
4. लीज की गणना 40 फीट रोड पर भूखण्ड होने पर वर्तमान डीएलसी का 70 प्रतिशत एवं 30 फीट रोड पर भूखण्ड होने पर 60 प्रतिशत से लीज की गणना की जावेगी।
5. Nagar Nigam Kota is not responsible for any kind of network problem.
6. ई–नीलामी से विक्रय किये भूखण्डों की 15 प्रतिशत राशि नीलामी तिथि को सम्मलित करते हुए 03 कार्य दिवस में जमा होने व नही होने की समस्त जिम्मेदारी स्वयं क्रेता की होगी।
7. भूखण्ड 99 वर्षीय लीज पद्धति के अनुसार ही नीलाम किया जावेगा।
8. एकल बोली स्वीकार / अस्वीकार करने का पूर्ण अधिकार नगर निगम कोटा का होगा।
9. बोलीदाताओं द्वारा प्रत्येक भूखण्ड के लिए पृथक–पृथक रजिस्ट्रेशन फीस रू. 2000 / – तथा उपरोक्तानुसार धरोहर राशि (EMD) ऑनलाईन जमा करा कर ई–ऑक्शन में भाग ले सकेंगे।
10. क्रम सं. 1 से 02 तक की नीलामी 50 / – के गुणांक में बढाई जाने पर ही मान्य होगी।
11. मौके पर सम्पत्ति ''जहां है जैसी है'' के आधार पर साईज के अनुसार ही ई–नीलामी की जावेगी जो भौतिक कब्जे के समय साईज से कम या ज्यादा हो सकती है। अधिक साईज होने पर अतिरिक्त राशि जमा करानी होगी तथा कम साईज होने पर राशि लौटा दी जावेगी। लीज राशि अलग से देय होगी एवं रजिस्ट्री का व्यय भूखण्डक्रेता को वहन करना होगा।
12. राज्य सरकार या नगर निगम कोटा द्वारा जो भी नियमानुसार शर्तें निर्धारित है वह मान्य होगी।
13. किसी भी विवाद के लिए न्याय क्षेत्र कोटा होगा।

राज.संवाद / सी / 25 / 21286

उपायुक्त राजस्व

धौलपुर में पचास हजार रुपये की रिश्वत लेते पटवारी गिरफ्तार

कृषि भूमि के म्यूटेशन की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के बदले पटवारी ने 50 हजार रुपये की रिश्वत मांगी थी

धौलपुर, (निसं)। जिले में भ्रष्टाचार के खिलाफ एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने एक और सख्त कार्रवाई को अंजाम दिया है। कृषि भूमि के म्यूटेशन की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के बदले 50 हजार रुपये की अवैध राशि मांगने वाले एक पटवारी को टीम ने रंगे हाथों दबोच लिया। गिरफ्तारी के साथ ही उसके कब्जे से पूरी रिश्वत राशि बरामद कर ली गई।

जानकारी के अनुसार मामला उस समय सामने आया जब एक परिवादी ने एसीबी धौलपुर चौकी में शिकायत दर्ज कराई कि संबंधित पटवारी वीरेंद्र शर्मा जमीन के म्यूटेशन का रिकॉर्ड खोलने के लिए 50 हजार रुपये की मांग कर रहा है। परिवादी का आरोप था कि बिना रकम दिए फाइल आगे बढ़ाने से साफ मना कर दिया गया। शिकायत मिलने के बाद एसीबी के डीएसपी ज्ञानचंद मीणा के नेतृत्व में टीम ने प्राथमिक जांच और सत्यापन किया। शिकायत सही पाए जाने पर अधिकारियों ने ट्रैप की रणनीति तैयार की। तय योजना के तहत परिवादी को आरोपी के पास भेजा गया। जैसे ही आरोपी ने रिश्वत की रकम अपने हाथ में ली, पहले से सतर्क एसीबी टीम ने मौके पर कार्रवाई करते हुए उसे पकड़ लिया। तलाशी के दौरान आरोपी के पास से 50 हजार रुपये नकद बरामद हुए। कार्रवाई के दौरान एसीबी टीम ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की और साक्ष्य एकत्र किए।

आरोपी पटवारी वीरेंद्र शर्मा।

- **वीरेंद्र शर्मा बसई सांमता क्षेत्र में पटवारी के पद पर कार्यरत है, वह धौलपुर शहर में किराए के मकान में निवास कर रहा था**

जानकारी के अनुसार वीरेंद्र शर्मा बसई सांमता क्षेत्र में पटवारी के पद पर कार्यरत था। वह धौलपुर शहर के कायस्थपाड़ा मोहल्ले में किराए के मकान में निवास कर रहा था। एसीबी टीम ने उसी स्थान पर दबिश देकर गिरफ्तारी की, जिससे इलाके में हलचल मच गई।

एसीबी अधिकारियों ने बताया कि आरोपी से पूछताछ जारी है और यह भी जांच की जा रही है कि कहीं उसने अन्य मामलों में भी इसी तरह की अवैध वसूली तो नहीं की। आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर विधिक कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई है।

एसीबी ने आमजन से अपील की है कि यदि किसी सरकारी कर्मचारी द्वारा कार्य के बदले रिश्वत की मांग की जाती है, तो तुरंत इसकी सूचना विभाग को दें, ताकि पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित की जा सके।

हादसे में पांच महिलायें घायल

डूंगरपुर, (निसं)। सदर थाना क्षेत्र के देवल गांव में एक बाइक ऑटो से जा टकराई, जिसके बाद ऑटो पलट गया। हादसे में ऑटो सवार एक ही परिवार की पांच महिलाएं घायल हो गई। घायलों को डूंगरपुर जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। सभी महिलाएं शोक कार्यक्रम में भाग लेने जा रही थी।

सदर थाने के एएसआई ने बताया कि थाना क्षेत्र के छैला खेरवाड़ा निवासी एक ही परिवार के लोग ऑटो में सवार होकर देवल एक कार्यक्रम में भाग लेने के लिए निकले थे। इस दौरान डूंगरपुर-खेरवाड़ा मार्ग पर देवल गांव के पास ऑटो से एक बाइक आकर टकरा गई, टक्कर के बाद ऑटो पलट गया। घायलों को डूंगरपुर जिला अस्पताल में भर्ती करवाया। हादसे में ऑटो सवार छैला खेरवाड़ा निवासी मणि देवी पत्नी मणिलाल,नैना पत्नी जीवा, लसु पत्नी जीवा, बदी पत्नी देवा और जय शांता पत्नी राजेश घायल हो गए।

रेलवे सुरक्षा बल ने अवैध ई-टिकट कारोबार का पर्दाफाश किया

- **एक आरोपी गिरफ्तार, 84 उपयोग किए गए ई-टिकटों का खुलासा हुआ**
- **एक आरक्षक को बोगस ग्राहक बनाकर ई-मित्र की दुकान पर भेजकर कार्रवाई की**

कोटा, (निसं)। रेलवे सुरक्षा बल टीम ने अवैध ई-टिकट कारोबार का पर्दाफाश करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। उक्त कार्रवाई मंडल में रेलवे सुरक्षा बल द्वारा चलाए जा रहे ''ऑपरेशन उपलब्ध'' के अंतर्गत की गई है।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन ने बताया कि देवली मांझी, कोटा स्थित पवन ई-मित्र की दुकान पर अवैध रूप से ई-टिकटों का व्यापार किये जाने की सूचना मिली, सूचना के सत्यापन हेतु उप निरीक्षक सुमित रघुवंशी एवं उप निरीक्षक सूरजसिंह परमार द्वारा एक आरक्षक को बोगस ग्राहक बनाकर उक्त दुकान पर भेजा गया। जांच के दौरान दुकान पर कार्यरत कर्मचारी द्वारा अपनी निजी यूजर आईडी के माध्यम से दो रेल आरक्षित ई-टिकट तैयार किए गए तथा प्रति टिकट 50 रुपये अतिरिक्त कमीशन लिया गया। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक ने बताया कि सत्यापन उपरांत टीम द्वारा दुकान पर पहुंचकर संबंधित व्यक्ति से पूछताछ की गई।

पूछताछ में उसने स्वीकार किया कि वह अपनी निजी यूजर आईडी से टिकट तैयार कर अतिरिक्त राशि वसूलता था तथा उसके पास कोई वैध अधिकृत एजेंट आईडी नहीं थी। मामले को रेल अधिनियम की धारा 143 का उल्लंघन पाए जाने पर शुभम धाकड़ (22) निवासी कोटा के विरुद्ध कार्रवाई की गई। उसके कब्जे से 375 रुपये मूल्य के दो आरक्षित ई-टिकट तथा टिकट बनाने में प्रयुक्त कंप्यूटर सिस्टम जब्त किया गया। सायबर सेल भोपाल से प्राप्त डाटा के अनुसार उक्त यूजर आईडी से 84 उपयोग किए गए ई-टिकट बनाए गए, जिनकी अनुमानित कीमत 20,061 रुपये पाई गई। इस संबंध में मामला दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी गई है।

प्रधानमंत्री की जनसभा की तैयारियों को लेकर मदन राठौड़ अजमेर पहुंचे

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं के साथ कार्यक्रम की व्यवस्थाओं की समीक्षा की

अजमेर, (कासं)। अजमेर में 28 फरवरी को प्रस्तावित प्रधानमंत्री की विशाल जनसभा को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। इसी क्रम में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ बुधवार को अजमेर पहुंचे। यहां उन्होंने पार्टी पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं के साथ अलग-अलग बैठकों में भाग लेकर कार्यक्रम की व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की।

बैठकों के दौरान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने जनसभा स्थल, भीड़ प्रबंधन, परिवहन व्यवस्था, पार्किंग, मंच संचालन और कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारियों को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने सभी पदाधिकारियों से आपसी समन्वय के साथ कार्य करने और

- **प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस जनसभा के दौरान प्रदेश को कई विकास कार्यों की सौगात देंगे**

कार्यक्रम को सफल बनाने का आव्हान किया। पत्रकारों से वार्ता करते हुए मदन राठौड़ ने कहा कि यह जनसभा ऐतिहासिक होगी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ बताया कि सभा में करीब दो लाख से अधिक लोगों के पहुंचने की संभावना है। प्रदेश अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में लोगों को जनसभा से जोड़ें और प्रत्येक बूथ स्तर तक संपर्क कर कार्यक्रम को भव्य बनाएं। उन्होंने विश्वास जताया कि यह जनसभा अब तक की सबसे बड़ी सभाओं में से एक साबित होगी।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस जनसभा के दौरान प्रदेश को कई विकास कार्यों की सौगात देंगे। उन्होंने कहा कि विभिन्न योजनाओं से जुड़े लाभार्थियों को नियुक्ति पत्र भी वितरित किए जाएंगे। इसके अलावा प्रधानमंत्री द्वारा कई नई परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास भी किया जाएगा।

इन परियोजनाओं से प्रदेश में रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे और आधारभूत ढांचे को मजबूती मिलेगी। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं और आमजन में प्रधानमंत्री की जनसभा को लेकर भारी उत्साह है। सभी कार्यकर्ता अपने-अपने स्तर पर कार्यक्रम को सफल बनाने में जुटे हुए हैं। उन्होंने कहा कि यह आयोजन राजस्थान के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा और प्रदेश को नई ऊंचाइयों पर ले जाने में सहायक बनेगा।

पत्रकारों द्वारा यूजीसी से जुड़े मामले में पूछे गए सवाल पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि यह मामला वर्तमान में न्यायालय में विचाराधीन है, इसलिए इस पर टिप्पणी करना उचित नहीं है। हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार किसी भी व्यक्ति के साथ अन्याय नहीं होने देगी और न्याय सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

जोधपुर-बेंगलुरु एक्सप्रेस आज से नए नंबरों से चलेगी

जोधपुर, (कासं)। सुपरफास्ट श्रेणी में क्रमोन्नत किए जाने के बाद जोधपुर-बेंगलुरु द्विसाप्ताहिक एक्सप्रेस अब नए नंबरों के साथ संचालित होगी। गुरुवार 26 फरवरी से यह ट्रेन जोधपुर से नए सुपरफास्ट नंबर के साथ रवाना होगी, जबकि सोमवार को बेंगलुरु से प्रस्थान करने वाली ट्रेन भी परिवर्तित नंबर के साथ बुधवार को जोधपुर पहुंच चुकी है।

उत्तर-पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल के सीनियर डीसीएम हितेश यादव ने बताया कि रेल प्रशासन द्वारा ट्रेन संख्या 16507/ 16508 जोधपुर-बेंगलुरु द्विसाप्ताहिक एक्सप्रेस के नंबरों में बदलाव किया गया है। इसके तहत ट्रेन संख्या 16507 जोधपुर-बेंगलुरु एक्सप्रेस अब 26 फरवरी गुरुवार से नए सुपरफास्ट नंबर 20693 के साथ संचालित की जाएगी। इसी प्रकार ट्रेन संख्या 16508 बेंगलुरु-जोधपुर एक्सप्रेस का नंबर भी बदलकर 20694 कर दिया गया है। यह महत्वपूर्ण लंबी दूरी की रेल सेवा जोधपुर से सप्ताह में दो दिन गुरुवार और शनिवार को तथा बेंगलुरु से सोमवार और बुधवार को संचालित होती है। यह ट्रेन राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र और कर्नाटक जैसे राज्यों से होकर गुजरती है, जिससे बड़ी संख्या में यात्रियों को आवागमन की सुविधा मिलती है।

उदयपुर में युवक ने आत्महत्या की

उदयपुर, (कासं)। शहर के अम्बामाता थाना क्षेत्र में युवक ने फांसी लगा आत्महत्या कर ली।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार वैशाली बिहार हॉल एकलव्य कॉलोनी अम्बामाता निवासी अच्छेलाल पुत्र रामधार ने अपने कमरे में फांसी लगा ली। इसका पता चलने पर हैड कांस्टेबल सज्जनसिंह, विनोद ने मौके पर पहुंचकर उसे फंदे से उतार चिकित्सालय पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

बूंदी में नाबालिग का विवाह रुकवाया

बूंदी, (निसं)। जिला प्रशासन द्वारा बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत बाल विवाह की रोकथाम एवं बालिकाओं के संरक्षण हेतु निरंतर प्रभावी कार्रवाई जारी है। बाल कल्याण समिति द्वारा करवर मे एक नाबालिग बालिका का विवाह रूकवाकर उसके माता -पिता को पाबंद करवाया गया है।

बाल कल्याण समिति अध्यक्ष सीमा पोद्दार ने बताया कि 13 फरवरी को एक 16 वर्षीय बालिका कोटा ग्रामीण क्षेत्र से एक युवक के साथ पलायन कर गई थी। बालिका विभिन्न स्थानों पर, विशेषकर जयपुर में युवक के रिश्तेदारों के यहां रही, जहां रिश्तेदारों द्वारा बालिका के पिता को गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज नहीं कराने हेतु प्रेरित किया गया। इसी दौरान युवक के परिजनों द्वारा 24 फरवरी को करवर थाना क्षेत्र में बालिका का बाल विवाह तय कर लिया गया था। दोनों ने 14 फरवरी को कोटा में तथाकथित लिव-इन रिलेशनशिप के नाम पर स्टांप पेपर तैयार करवाया और मंदिर में माला पहनाकर विवाह संपन्न होना दर्शाया। साथ ही बालिका के आधार कार्ड में जन्मतिथि में भी अनियमित रूप से परिवर्तन करवाकर उसे बालिग कर लिया। प्रकरण की सूचना मिलने पर बाल कल्याण समिति, चाइल्डलाइन 1098, उपखंड अधिकारी द्वारा त्वरित संज्ञान लिया। संयुक्त टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर बैंड-बाजा, डीजे, मंदिर परिसर, हलवाई/कैटरिंग आदि से संबंधित महत्वपूर्ण साक्ष्य एकत्रित किए गए।

सीमा पोद्दार ने बताया कि 24 फरवरी को जिला बाल संरक्षण इकाई, बाल कल्याण समिति एवं चाइल्डलाइन की टीम द्वारा पूरे दिन निगरानी, रेकी करने के बाद शाम पांच बजे बालिका को एक मकान से सुरक्षित रेस्क्यू किया गया। बाल कल्याण समिति के आदेशानुसार बालिका को राजकीय बालिका गृह में सुरक्षित प्रवेश कराया गया। कुछ लोगो को बाल विवाह की जानकारी होने के बावजूद भी विवाह रूकवाने में किसी भी प्रकार का सहयोग नहीं किया गया। ऐसे लोगों के खिलाफ भी कार्रवाई अमल में लानी चाहिए। बाल कल्याण समिति ने डीजे मालिक, हलवाई, टेन्ट वाले और बालिका के परिजन के खिलाफ कार्रवाई करने की बात कही है।

अजमेर में मोबाइल टावरों से लाखों का सामान चोरी

अजमेर, (कासं)। जिले में मोबाइल टावरों से चोरी की बड़ी वारदात सामने आई है। जिलेभर में लगे इण्डस कंपनी के टावरों को निशाना बनाते हुए अज्ञात चोरों ने आईआरआरयू सहित केबल और अन्य महत्वपूर्ण उपकरण चोरी कर लिए। चोरी गए सामान की कीमत लाखों रुपए बताई जा रही है। इस घटना के बाद कंपनी प्रबंधन में हड़कंप मच गया है।

इण्डस कंपनी के एरिया सुपरवाइजर वीरेंद्र सिंह ने इस संबंध में पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई है। शिकायत में बताया गया है कि रामगंज क्षेत्र के दौराई सहित कृष्ण गंज थाना क्षेत्र के वैशाली नगर सहित अलवरगेट के नाका मदार में लगे कंपनी के कई मोबाइल टावरों से अज्ञात चोर आईआरआरयू और केबल सहित अन्य तकनीकी सामान चोरी कर ले गए। चोरों ने सुनियोजित तरीके से वारदात को अंजाम दिया, जिससे कंपनी को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। सुपरवाइजर के अनुसार टावरों में लगी आईआरआरयू व केबलें काफी महंगी होती हैं और इनके चोरी होने से नेटवर्क संचालन पर भी असर पड़ सकता है।

अवैध कैसिनो का भंडाफोड़, 2.88 करोड़ का हिसाब बरामद

मौके से अवैध रूप से संचालित 12 कैसिनो मशीनें और अन्य सट्टा सामग्री जब्त की

बालोतरा, (निसं)। जिले में अवैध गतिविधियों के विरुद्ध पुलिस का अभियान लगातार जारी है। इसी क्रम में जिला पुलिस अधीक्षक रमेश कुमार के निर्देशन में बालोतरा पुलिस ने न्यू रोडवेज बस स्टैंड के पास चल रहे एक हाई प्रोफाइल जुआ सट्टे के ठिकाने पर छापेमारी की है। पुलिस ने मौके से 12 कैसिनो मशीनें और करोड़ों रुपयों के लेन-देन का हिसाब-किताब बरामद किया है।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि इस कार्रवाई में पुलिस ने मौके से एक डायरी बरामद की है, जिसमें जुआरियों द्वारा लगाई गई 2,88,22,250 रुपये (करीब 2.88 करोड़) की राशि का विवरण मिला है। इसके साथ ही जुआ आश्याय (मुनाफा) के रूप में 76,56,250 रुपये के हिसाब-किताब का भी खुलासा हुआ है। जानकारी के अनुसार वृत्ताधिकारी बालोतरा अनिल पुरोहित को मुखबिर से पुख्ता सूचना मिली थी कि न्यू रोडवेज बस स्टैंड के पास स्थित माईलुक हेयर सैलून के बेसमेंट में अवैध कैसिनो संचालित किया जा रहा है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरफुल सिंह के सुपरविजन में टीम ने जब पालिका बाजार के उक्त बेसमेंट में दबिश दी, तो वहाँ का नजारा देख पुलिस भी दंग रह गई। कमरे के भीतर से अवैध रूप से संचालित 12 कैसिनो मशीनें और अन्य सट्टा सामग्री जब्त की गई। इस अवैध कारोबार को गोविन्दसिंह, हड़मतसिंह और हीरालाल द्वारा संचालित किया जा रहा था।

मोबाइल चुराने वाला गिरफ्तार : -उदयपुर में दुकान से मोबाइल चोरी करने वाले को पुलिस ने गिरफ्तार उसके कब्जे से चोरी किया मोबाइल बरामद किया है।

प्रकरण के अनुसार पीड़ित जितेन्द्र सचदेवा पुत्र रतनलाल निवासी एकलिंगपुरा मंगलमूर्ति अपार्टमेंट हिरणमगरी ने प्रतापनगर पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया। उसने बताया कि मेरी नवरतन होजरी ओल्ड आरटीओ रोड़ कोर्नर पर दुकान है। 21 फरवरी को आरोपी दुकान पर रूमाल खरीदने आया तथा इस दौरान कांउटर पर रखा मोबाइल चुरा ले गया। इस मामले में प्रकरण दर्ज होने पर प्रतापनगर थानाधिकारी पूरणसिंह के नेतृत्व में अनुसंधान अधिकारी हेडकांस्टेबल मोहनसिंह ने मौके से मिले साक्ष्यों के आधार पर आईटीआई के पिछे मोरमगरी सिटी कोतवाली चित्तौड़गढ़ निवासी गौरव पुत्र सत्यनारायण कुमावत को गिरफ्तार कर इसके कब्जे से चोरी किया मोबाइल बरामद किया।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PHED PROJ. DIVISION KARAULI HQ TODABHIM
(email: eecsnpkaroli@gmail.com)
Sr. 7207-15 Date: 16/02/2026
NOTICE ENVITING BID
Bid for various work in Proj Division Karauli is invited from interested bidder up to 25.02.2026 other particulars of the bid may be visited on the procurement portal sppp.raj.nic.in of the state.
NIB CODE: PHE 2526A6606
1. NIT NO.: 145/2025-26 - UBN- PHE2526WSOB14270
Executive Engineer
Public Health Engineering Department
DIPR/C/3651/2026 proj. Division Karauli HQ Todabhim

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PWD DIV. BARAN
क्रमांक- 2129 दिनांक 16.02.2026
Notice Inviting Bid No. 23/2025-26
Bid for "Building Repair work" NIT No. 23/2025-26 are invited from interested bidders up to 6.00 PM on 05.03.2026 Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in., http://sppp.raj.nic.in) of the state departmental website. The approximate value of the procurement is Rs. 121.05 Lac
UBN NO. 1. PWD2526WSOB23388, 2. PWD2526WSOB23389, 3. PWD2526WSOB23390
(B.L. Mahawar)
Executive Engineer
DIPR/C/3668/2026 PWD Division Baran

OFFICE OF EXECUTIVE ENGINEER, WATERSHED DEVELOPMENT & SOIL CONSERVATION, PANCHAYAT SAMITI, BARI (DISTT.DHOLPUR)
File No. 935 Date: 17.02.2026
NOTICE INVITING BID
NIT NO. 11/2025-26
NIB NO. WSC2526A1723 YEAR 2025-26
Bids for Construction of NRM works-Construction of Talai & PT Works of total estimated value INR 32.50 lacs under MJSA-2.2 Block Sarmathura Distt. Dholpur are invited from interested bidders up to Date 27.02.2026 time at 06.00 PM Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https://eproc.rajasthan.gov.in or https://sppp.rajasthan.gov.in/)
UBN- WSC2526WSOB02972
(Prem Prakash Marmit)
EXECUTIVE ENGINEER
WATERSHED DEVELOMENT & SOIL CONSERVATION
DIPR/C/3878/2026 P.S. BARI (DISTT DHOLPUR)

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PWD DIVISION BASERI
File No. 1980-87 Date: 20.02.2026
Notice Inviting Bid
NIB CODE PWD2526A5817, UBN CODE PWD2526WSOB23942
Bids For NIT No 26/2025-26 patch repaid Work of PWD Division Baseri of subject matter(s) of Procurement are Invited from interested bidders date 21.02.2026 09.00 AM to Date 27.02.2026 upto 12.00 Noon. Other particulars of the id may be visited on the procurement portel (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppps.raj.nic.in) of the state; and PWD departmental website. The approximate value of the procuremant is Rs. 20.00 Lacs
(Deepu Singh)
Executive Engineer
DIPR/C/4168/2026 PWD Division Baseri

कार्यालय अधीक्षक केन्द्रीय कारागृह, बीकानेर
क्रमांक-कारा/राशन/2026/789 दिनांक-13.02.2023
ई-निविदा आमंत्रण सूचना
वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए केन्द्रीय कारागृह बीकानेर मण्डल के अधीन समस्त केन्द्रीय/जिला कारागृह एवं अधीनस्थ उपकारागृह, महिला बंदी सुधार गृह बीकानेर में निरूद्ध बंदियों की भोजन व्यवस्था हेतु ऋतु वर्गीकरण अनुसार हरी सब्जियां एवं अन्य सामग्री आपर्ति अनुमानित राशि 93.80 लाख हेतु ई-निविदा क्रमांक 773-781 दिनांक 06.03.2026 समय 06.00 पी.एम. बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित समस्त विवरण http://www.eproc.rajasthan.gov.in अथवा विभागीय वेबसाईट http://www.rajprisons.nic.in अथवा राजस्थान सरकार के राज्य लोक उपापन पोर्टल वेबसाईट www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।
NIB- JLD2526A0185, UBN- JLD2526GLRC00201
अधीक्षक
DIPR/C/3747/2026 केन्द्रीय कारागृह बीकानेर

राजस्थान सरकार
कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, कोटा (राज.)
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, दादाबाडी परिसर, सरकारी आवास ए-1, कोटा (राज.)
फोन-0744-2461550 Email: eemhkota@ymail.com, ee-mh-kota@gov.in
क्रमांक- 896 दिनांक-16.02.2026
निविदा सूचना संख्या- 19/2025-26
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अन्तर्गत राज्य विभिन्न चिकित्सालयों पर रू. 259.154 लाख के 11 सिविल कार्य हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों जो राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट निविदाएँ आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विवरण DIPR की वेबसाईट पर www.dipronline.org, http://eproc.rajasthan.gov.in व विभागीय वेबसाईट http://rajswasthya.nic.in पर देखा जा सकता है।
UBN NO. 1. (NRH2526WSOB02423) 2. (NRH2526WSOB02424) 3.(NRH2526WSOB02425)
4. (NRH2526WSOB02426) 5. (NRH2526WSOB02427) 6. (NRH2526WSOB02428)
7. (NRH2526WSOB02429) 8. (NRH2526WSOB02430) 9. (NRH2526WSOB02431)
10. (NRH2526WSOB02432) 11. (NRH2526WSOB02433)
अधिशाषी अभियंता
DIPR/C/3677/2026 चिकित्सा एवं स्वास्थ्य कोटा

''वायु शक्ति-2026'' की फुल ड्रेस रिहर्सल हुई

जैसलमेर, (निसं)। पाकिस्तान बॉर्डर के पास जैसलमेर के पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज में भारतीय वायुसेना के युद्ध अभ्यास ''वायु शक्ति- 2026'' की फुल ड्रेस रिहर्सल हुई।

- **सुखोई ने दुश्मन के ठिकानों को टारगेट करते हुए 44 बम बरसाए**

सबसे पहले सुखोई-30 ने दुश्मन के रनवे और ठिकानों को तबाह किया। सुखोई ने दुश्मन के ठिकानों को टारगेट करते हुए 44 बम बरसाए। मिग-29 फाइटर जेट ने टैंकों का काफिला ध्वस्त किया। जैसे ही बम दुश्मनों के टारगेट पर गिरे, धूल का गुबार बन गया। वॉर जोन में आकाश मिसाइल ने टारगेट को हवा में ही उड़ा दिया। इसके साथ ही पहली बार सी-130 विमान रात में रनवे पर उतरा। गरुड़ कमांडो को लेकर वापस आया। इसके साथ ही ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट-295 एयरक्राफ्ट एसॉल्ट लैंडिंग की। वॉर जोन में प्रचंड हेलिकॉप्टर भी उतरे। आसमान में दो जगुआर ने सुदर्शन फॉर्मेशन दिखाकर टारगेट एरिया को अप्रोच किया। इस दौरान पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज में ऑपरेशन सिंदूर की सर्जिकल स्ट्राइक को समझाया गया।

भीलवाड़ा में खाद्य सुरक्षा टीम ने 45 किलो अवधिपार सामग्री नष्ट करवाई

भीलवाड़ा, (निसं)। जिला कलैक्टर जसमीत सिंह संधू के निर्देशन में होली के त्योहारी सीजन को देखते हुए आमजन को शुद्ध एवं सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने मंगलवार को जिले के तीन अलग-अलग स्थानों पर सघन जांच अभियान चलाया। अभियान के दौरान जिले में तीन स्थानों पर विभिन्न खाद्य सामग्री के नमूने लेकर प्रयोगशाला जांच के लिए अजमेर भिजवाए गए तथा मौके पर 45 किलोग्राम अवधिपार खाद्य सामग्री नष्ट करवाई गई।

टीम ने मैसर्स भवानी, जोधपुर स्वीट, त्रिवेणी चौराहा, माण्डलगढ़ से बर्फी का नमूना लेकर जांच हेतु प्रयोगशाला, अजमेर भेजा गया। मैसर्स भगवान ट्रेडर्स, बस स्टैण्ड रोड, माण्डलगढ़ से कच्ची घानी सरसों तेल (ट्रेन मार्का) का सैम्पल लिया गया। साथ ही 40 किलोग्राम विविध अवधिपार खाद्य सामग्री को मौके पर नष्ट करवाया गया। नमोकार ट्रेडर्स, पुराना हॉस्पीटल रोड, बीगोद से लाल मिर्च का नमूना जांच हेतु भेजा गया तथा 5 किलोग्राम अवधिपार चॉकलेट मौके पर नष्ट करवाई गई।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजीव कुमार शर्मा ने बताया कि त्योहारी सीजन में आमजन के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ विभाग की सख्त निगरानी जारी है। सभी नमूनों को प्रयोगशाला जांच के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद नियमानुसार संबंधित प्रतिष्ठानों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारी अशोक यादव, प्रशिक्षु खाद्य सुरक्षा अधिकारी राजवीर सिंह चारण, अंकित शर्मा, फहद खान एवं डॉ. गोवर्धन लाल कुम्हार, पवन कुमार उपस्थित रहे। सीएमएचओ डॉ. शर्मा ने आमजन से अपील की है कि खाद्य सामग्री खरीदते समय उसकी गुणवत्ता, पैकेजिंग एवं निर्माण/समाप्ति तिथि की जांच अवश्य करें।

खाद्य सुरक्षा टीम दुकानों से सैम्पल लिये।

अनियमिता बरतने पर नौ दवा विक्रेता फर्म के विरूद्ध कार्रवाई : अलवर में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण कार्यालय द्वारा दवा विक्रेताओं की फर्म के निरीक्षण के दौरान पाई गई अनियमितताओं एवं फर्म द्वारा प्रस्तुत जवाब के आधार पर नौ दवा विक्रेताओं पर निलम्बन की कार्रवाई की गई है।

सहायक औषधि नियंत्रक महेन्द्र जूनवाल ने बताया कि अलवर में मैनगेट 200 फुट रोड बायपास वार्ड नं. 40 स्थित मैसर्स मेवात जिंदल टाउनशिप के विरूद्ध सात दिवस के निलंबन की कार्रवाई की गई है। इसी प्रकार गोविन्दगढ़ तहसील में बस स्टैण्ड सैनी मोहल्ला न्याना स्थित मैसर्स उत्कर्ष मेडिकल स्टोर के विरूद्ध आठ दिवस, कुण्ड बाजार ईदगाह मार्केट गोविन्दगढ़ स्थित मैसर्स इजा मेडिकल स्टोर के विरूद्ध सात दिवस, थानागाजी में नियर बाय बगीची स्थित मैसर्स महेश मेडिकल्स के विरूद्ध छह दिवस, बानसूर तहसील में गांव दातली पहाडी स्थित मैसर्स आर.जी मेडिकल के विरूद्ध दस दिवस, बायपास रोड बानसूर स्थित मैसर्स श्री कृष्णा मेडिकोज के विरूद्ध पांच दिवस, बानसूर के बिलाली स्थित मैसर्स श्याम मेडिकोज के विरूद्ध छह दिवस, बानसूर तहसील में बस स्टैण्ड गिरूडी स्थित मैसर्स बालाजी मेडिकल एण्ड जनरल स्टोर के विरूद्ध दस दिवस, कोटकासिम तहसील के गांव हरसोली स्थित मैसर्स अनामिका मेडिकल स्टोर के विरूद्ध साठ दिवस के निलंबन की कार्रवाई की गई है।

करंट से एक भाई की मौत, दूसरा बेहोश

गंगापुर सिटी, (निसं)। उमरी गांव में कुएं से मोटर निकालते समय अचानक करंट प्रवाहित होने से दो सगे भाई संतुलन खो बैठे और कुएं में गिर गए। इस घटना में बड़े भाई ओमप्रकाश बंजारा की मौत हो गई, जबकि छोटा भाई मानसिंह बंजारा गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद जयपुर रेफर किया गया है।

जानकारी के अनुसार उमरी निवासी मानसिंह बंजारा और उनके भाई ओमप्रकाश बंजारा पुत्र सूरज बंजारा अपने खेत पर लगे कुएं से मोटर निकाल रहे थे। इसी दौरान मोटर से अचानक करंट दौड़ गया। तेज झटके से दोनों भाइयों का संतुलन बिगड़ गया और वे सीधे कुएं में जा गिरे। घटना होते ही खेत पर मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों ने तुरंत बचाव कार्य शुरू किया और काफी मशक्कत के बाद दोनों भाइयों को कुएं से बाहर निकाला। गंभीर हालत में उन्हें 108 एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल गंगापुर सिटी पहुंचाया गया। अस्पताल में जांच के बाद चिकित्सकों ने ओमप्रकाश बंजारा को मृत घोषित कर दिया। मानसिंह बंजारा की हालत गंभीर बताई गई और उन्हें बेहतर इलाज के लिए जयपुर रेफर किया गया। सूचना मिलने पर सदर थाना पुलिस जिला अस्पताल पहुंची। पुलिस ने मृतक ओमप्रकाश बंजारा के शव को मॉर्चुयरी में रखवाकर पोस्टमॉर्टम कराया। आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी करने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया।

आदिवासियों को अपनी जमीन के लिए हथियार उठाना पड़ेगा : गणेश घोघरा

डूंगरपुर का नाम डूंगरिया भील और माला कटारा के नाम करने की मांग उठाई

जयपुर (विसं)। विधानसभा में बुधवार को नगरीय विकास विभाग की अनुदान अनुदान मांगों पर बहस के दौरान कांग्रेस विधायक गणेश घोघरा ने कहा कि आदिवासी कभी शहर की तरफ नहीं आया है, बल्कि शहर ही गांव की तरफ गया है और फिर कहते हो कि "ये नक्सली है," अगर जरूरत पड़ी तो अपने अधिकार के लिए यह हथियार भी उठाएगा। अपनी जमीन के लिए आदिवासियों को हथियार उठाना पड़ेगा।

घोघरा ने कहा कि आदिवासी क्षेत्रों में रोजगार का कोई मुख्य स्त्रोत नहीं है। आदिवासियों के पास एक और दो बीघा जमीन है। अपना जीवन यापन भी वे लोग मजदूरी करते हैं। घोघरा के इतना कहते ही बीजेपी विधायकों ने आपत्ति जताई, जिस पर कुछ देर तक सदन में शोरगुल का माहौल बन गया।घोघरा ने कहा कि आदिवासी की छोटी जमीन भी कुछ लोग छीनना चाहते हैं। गेपसागर झील को नगर परिषद के आयुक्त और सभापति छीनना चाहते हैं। उन लोगों ने झील की जमीन पर प्लॉट काटकर भूमाफियाओं को बेच दिए। नाले का जो पानी आ रहा था, वह भी बंद कर दिया और प्लॉट काट कर बेच दिए। नगर परिषद डूंगरपुर में यह भ्रष्टाचार हुआ है। इसकी जांच होनी चाहिए।

घोघरा ने कहा कि डूंगरपुर का इतिहास डूंगरिया भील और माला कटारा के नाम से है। रात को माला कटारा का बोर्ड हटा दिया और वहां जय श्रीराम लिख दिया।

ऐसे में वहां कभी भी लोगों में आपस में संघर्ष हो सकता है। ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें जो व्यवस्था बिगाड़ रहे हैं। माला कटारा का बोर्ड वापस लगवाना चाहिए।

महिला विधायक को फटकार

जयपुर (विसं)। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने बुधवार को शून्यकाल में सदन में बात कर रहीं विधायक कल्पना देवी को फटकार लगा दी। बीजेपी विधायक को पहले तो स्पीकर ने धीरे से टोका, लेकिन उन्होंने अनसुना कर दिया। इस पर स्पीकर ने कल्पना देवी का नाम लेकर फटकार लगाई। दरअसल शून्यकाल में सदन की कार्यवाही के दौरान आपस में बात करने पर लाडपुरा विधायक कल्पना देवी को स्पीकर ने डांट दिया। इस पर संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल, विधायक के पास जाकर समझाने लगे तो नेता प्रतिपक्ष ने फिर बातचीत को लेकर आपत्ति जताई। इस पर स्पीकर ने कहा कि वे तो उन्हें समझाने गए हैं।

सदन में सवाल पूछने की जगह लंबा ब्यौरा देने लगे निर्दलीय विधायक

स्पीकर ने टोकते हुए कहा, "भाषण मत दीजिए, सवाल पूछिए"

जयपुर (विसं)। विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान बुधवार को पूरक सवाल पूछने की जगह लंबा ब्यौरा देने पर निर्दलीय विधायक जीवाराम चौधरी को टोकते हुए स्पीकर वासुदेव देवनानी ने कहा कि, आप भाषण मत दीजिए, सवाल पूछिए।

निर्दलीय विधायक जीवाराम चौधरी पूरक सवाल के दौरान कहा कि जबसे सरकार आई है, हमारे किसानों को पानी मिल रहा है। कांग्रेस राज में तो 5 साल पानी नहीं मिला। हमारे यहां नहरी तंत्र में बारिश का ओवरफ्लो पानी बेकार जाता है। स्पीकर ने टोकते हुए कहा कि सवाल पूछिए। यह भाषण हो रहा है। सवाल आप पूछ नहीं रहे। इस पर जीवाराम ने कहा कि आप इसे ही पूरक समझ लीजिए।

इस पर जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने कहा कि यह बात सही है कि जब से भजनलाल शर्मा मुख्यमंत्री बने हैं, तब से पिछले दो साल में अच्छी बारिश हुई है। उनका पगफेरा राजस्थान के लिए शुभ है। इस पर नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने तंज कसा तो रावत ने कहा कि मैं सवाल का ही जवाब दे रहा हूं आपको समझ नहीं आ रहा। रावत ने निर्दलीय विधायक जीपराम चौधरी के सवाल के जवाब में कहा कि नर्मदा नहर परियोजना पर टेल के किसानों तक पानी नहीं पहुंचने की समस्या के समाधान के लिए डीपीआर बनाई जा रही है। जब 1.96 करोड़ की डीपीआर बन जाएगी तो बरसात के वक्त ओवरफ्लो होने वाले पानी का रिजर्वेयर बनाया जाएगा।

पैंशन को लेकर हरिमोहन शर्मा ने मंत्री अविनाश गहलोत पर कसा तंज

जयपुर (विसं)। विधानसभा में शून्यकाल के दौरान बकाया सामाजिक सुरक्षा पेंशन के मामले को लेकर बूंदी से कांग्रेस विधायक हरिमोहन शर्मा ने सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत पर तंज कसा। हरिमोहन शर्मा ने कहा कि सरकार ने 4 महीने तक सामाजिक सुरक्षा पेंशन नहीं दी, विधानसभा का सत्र चला तब बकाया पेंशन दी। खुशी की बात है, जिनके पास महकमे का चार्ज है, वह भी गहलोत है। एक गहलोत का तो सोच यह था कि किस प्रकार गरीबों का भला हो, दूसरे गहलोत का यह सोच कि चार महीने तक पेंशन भी नहीं दे। इसके अलावा जो नियमित रूप से पेंशन बढ़ानी चाहिए थी, उस हिसाब से सामाजिक सुरक्षा पेंशन नहीं बढ़ाई।

इस पर सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने कहा कि हमने पहले ही साल सामाजिक सुरक्षा एक हजार से बढ़ाकर 1150 किया, फिर 1200 किया, अब 1300 रुपए किया है।

वॉकआउट

जयपुर। सामाजिक संस्थाओं के जमीन आवंटन में देरी को लेकर शून्यकाल में कांग्रेस ने सदन से वॉकआउट किया। इससे पहले कांग्रेस विधायक मोतीराम ने रेवदर में तीन समाजों को छात्रावास के लिए जमीन आवंटन में देरी का मुद्दा उठाया। मंत्री हेमंत मीणा ने कहा कि रेवदर में जमीन आवंटन के तीनों मामले पिछली सरकार के अंतिम 6 माह के फैसले हैं। आज ये कह रहे हैं कि कमियां है अलॉटमेंट नहीं हुआ। कांग्रेस ने सिर्फ राजनैतिक फायदे के लिए निर्णय किया।

सिरोही में छात्रावासों के लिए भूमि होगी आवंटित : राजस्व मंत्री

जयपुर (विसं)। राजस्व मंत्री ने विधानसभा में कहा कि जिले में विभिन्न समाजों के छात्रावास निर्माण के लिए नियमानुसार भूमि आवंटित की जाएगी। उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्ववर्ती सरकार ने अपने कार्यकाल के अंतिम वर्ष में नियमों की पूर्ण जांच-पड़ताल किए बिना ही भूमि आवंटन के निर्णय लिए थे, जिनमें लीज डीड सहित अन्य प्रशासनिक कमियां पाई गईं। इन कमियों के चलते प्रस्तावित आवंटन निरस्त कर दिए गए थे। राजस्व मंत्री ने आश्वस्त किया कि वर्तमान राज्य सरकार सभी प्रक्रियाओं की विधिवत जांच कर शीघ्र ही जमीन आवंटन की कार्रवाई शुरू करेगी। वे शून्यकाल के दौरान विधायक के ध्यानाकर्षण प्रस्ताव का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार पूरी नियम प्रक्रिया के तहत सामाजिक छात्रावासों के लिए भूमि उपलब्ध कराएगी। सामाजिक संस्थाओं को जमीन आवंटन में देरी के मुद्दे पर कांग्रेस ने शून्यकाल के दौरान सदन से वॉकआउट किया। इससे पहले विधायक ने रेवदर क्षेत्र में तीन समाजों को छात्रावास हेतु भूमि आवंटन में हो रही देरी का मुद्दा उठाया था।इस पर मंत्री हेमन्त मीणा ने कहा कि रेवदर के तीनों मामले पिछली सरकार के अंतिम छह महीनों में लिए गए निर्णयों से जुड़े हैं।

राजस्थान हाईकोर्ट में फिर बम ब्लास्ट की धमकी मिली

इससे पूर्व भी 10 बार मिल चुकी है हाईकोर्ट को बम से उडाने की धमकी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट में एक बार फिर बम ब्लास्ट की धमकी दी गई है। ई-मेल के जरिए दी गई इस धमकी में हाईकोर्ट परिसर को बम से उड़ाने की की धमकी दी गई है। इससे पूर्व दस बार पहले भी यहां बम ब्लास्ट को लेकर धमकी भरे ई-मेल भेजे जा चुके हैं। मेल में धमकी दी गई कि 11 बजे तक हाईकोर्ट खाली कर दो, दोपहर डेढ़ बजे हाईकोर्ट में 18 बम धमाके होंगे। हालांकि अदालती समय आरंभ होने से पहले धमकी मिलने के चलते न्यायिक कामकाज प्रभावित नहीं हुआ और मुकदमों की सुनवाई शुरू होने के समय से पहले ही परिसर की जांच कर ली गई। मेल मिलने के बाद हाईकोर्ट प्रशासन की ओर से पुलिस उच्चाधिकारियों को इसकी सूचना दी गई।

इस पर दौरान जांच एजेंसियों ने मौके पर पहुंचकर हाईकोर्ट की मुख्य बिल्डिंग की गहनता से जांच की। जांच में कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिलने पर प्रशासन से राहत की सांस ली। आए दिन धमकी भरा मेल मिलने के बाद भी अब तक इसे भेजने वालों की जानकारी नहीं मिल पाई है। जिसके चलते वकीलों में खासी नाराजगी है। वकीलों का कहना है कि कभी यह धमकी वास्तविक घटना में बदल गई तो जान-माल का नुकसान हो सकता है। हाल ही में साइबर सुरक्षा को लेकर आयोजित कार्यशाला में भी हाईकोर्ट को दी जा रही बम ब्लास्ट का मुद्दा उठ चुका है।

सीजेआई सूर्यकांत की उपस्थिति में हाईकोर्ट के न्यायाधीश पुष्पेंद्र सिंह भाटी ने कहा था कि जिस तरह स्कूल में रोजाना घंटी बजती है, उस तक हाईकोर्ट में बम ब्लास्ट की धमकियां दी जाने लगी है। ऐसे में न्यायिक काम प्रभावित होता है, लेकिन यह ई-मेल कौन और कहां से कर रहा है, इसकी जानकारी नहीं मिल पा रही है। गौरतलब है कि हाईकोर्ट प्रशासन को सबसे पहले गत वर्ष 31 अक्टूबर को बम विस्फोट की पहली धमकी मिली थी। इसके बाद 5 दिसंबर को दूसरी धमकी दी गई। वहीं 8 दिसंबर से लगातार चार दिनों तक बम ब्लास्ट को लेकर हाईकोर्ट प्रशासन को ईमेल भेजे गए। इसके बाद गत छह फरवरी, 17 फरवरी, 19 फरवरी और 20 फरवरी को ब्लास्ट की धमकी दी गई थी।

नए जिलों व तहसील के सवाल पर सदन में नोंकझोंक

जयपुर (विसं)। राजस्थान में नए जिलों और तहसील बनाने से जुड़े सवाल पर विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान राजस्व मंत्री हेमंत मीणा और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली के बीच जमकर नोकझोंक हुई। कुछ देर के लिए सदन में हंगामे के हालात बन गए।

दरअसल कांग्रेस विधायक गीता बरवड़ के आसोप उप तहसील को तहसील में क्रमोन्नत करने के मूल सवाल के जवाब में राजस्व मंत्री हेमंत मीणा ने कहा कि नई प्रशासनिक इकाइयों के गठन और पुनर्गठन के लिए ललित के पवार कमेटी बनी हुई है, कमेटी की रिपोर्ट के बाद नई तहसीलों पर फैसला होगा। इस पर नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि नए जिले को खालेंगे क्या? इस पर राजस्व मंत्री ने कहा कि "पिछली सरकार ने राजनैतिक लाभ के लिए नए जिले बनाए गए थे। जिले ले जाओ, तहसील ले जाओ और कोई प्रक्रिया का पालन नहीं किया। हमने लोगों की भलाई के लिए जिले-तहसील बनाए। आपने राजनीति करने के लिए बनाए।" राजस्व मंत्री की इस बात पर नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने पलटवार करते हुए कहा कि आप बना नहीं सकते। आप तो तोड़ सकते हो। इसी बीच स्पीकर ने अगला सवाल पुकार लिया तो हंगामा शांत हुआ।

महाराजा गजसिंह द्वितीय से मिला एफ.एच.टी.आर. प्रतिनिधिमंडल

जयपुर। फैडरेशन ऑफ होस्पेटिलिटी एंड टूरिज्म ऑफ राजस्थान (एफएचटीआर) के नव-निर्वाचित अध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह शाहपुरा के नेतृत्व में वरिष्ठ प्रतिनिधिमंडल ने संघ के मुख्य संरक्षक एवं जोधपुर के महाराजा गज सिंह द्वितीय से शिष्टाचार भेंट की।

प्रतिनिधिमंडल में एफएचटीआर से प्रेसिडेंट ऑनर भीम सिंह, पूर्व अध्यक्ष कुलदीप सिंह चंदेला, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेन्द्र सिंह पचार, उपाध्यक्ष महेन्द्र सिंह राठौड़, महासचिव मधुवंती सिंह व तरूण बंसल, कार्यकारी संस्थापक सदस्य सीए वीरेन्द्र सिंह शेखावत एवं कार्यकारी सदस्य दीपेन्द्र राणा उपस्थित रहे। बैठक में राजस्थान में पर्यटन के समग्र विकास एवं भविष्य की रणनीतियों पर सकारात्मक एवं रचनात्मक चर्चा हुई।

बैठक का प्रमुख विषय राजस्थान डोमेस्टिक ट्रैवल मार्ट 2026 की रूपरेखा एवं रणनीतिक योजना रहा। प्रतिनिधिमंडल ने आरडीटीएम को भारत के अग्रणी घरेलू पर्यटन मंच के रूप में और अधिक सशक्त एवं प्रभावशाली बनाने की अपनी दृष्टि साझा की। प्रतिनिधिमंडल ने वर्ष 2026 में में एक विशेष ट्रैवल इवेंट आयोजित करने का प्रस्ताव भी प्रस्तुत किया। इस पहल का उद्देश्य ब्लू सिटी को विरासत पर्यटन, डेस्टिनेशन वेडिंग्स एवं सांस्कृतिक अनुभव आधारित पर्यटन के प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करना है। प्रतिनिधिमंडल ने इस आयोजन को मारवाड़ की शाही विरासत, सांस्कृतिक संरक्षण एवं उत्कृष्ट आतिथ्य परंपरा के अनुरूप सुनिश्चित करने के लिए महाराजा गजसिंह द्वितीय से मार्गदर्शन का अनुरोध किया। अध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह शाहपुरा ने कहा कि महाराजा गज सिंह द्वितीय ने राजस्थान की अमूल्य विरासत के संरक्षण के साथ-साथ आधुनिक वैश्विक पर्यटन प्रवृत्तियों के अनुरूप आगे बढ़ने के महत्व पर अपने बहुमूल्य विचार साझा किए।

जयपुर में निजी बस ऑपरेटर्स के दो गुटों में टकराव, यात्रियों को जबरन नीचे उतारा

हड़ताल के कारण प्रदेश में दूसरे दिन भी थमे रहे प्राइवेट बसों के पहिए, 15 लाख यात्री प्रभावित

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान में निजी बस ऑपरेटर्स की अनिश्चितकालीन हड़ताल के दूसरे दिन प्रदेश की परिवहन व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। हड़ताल का सीधा असर करीब 15 लाख से ज्यादा यात्रियों पर पड़ रहा है।

जयपुर,भीलवाड़ा, नागौर और उदयपुर सहित प्रदेशभर में निजी बस संचालकों ने न केवल अपनी बसें बंद रखीं, बल्कि लोक परिवहन की बसों को भी जबरन रोक दिया। राजधानी जयपुर में सुबह बसें चलाने को लेकर दो गुट आपस में भिड़ गए। हड़ताल समर्थकों ने चल रही बसों से सवारियों को जबरन नीचे उतार दिया। वहीं उदयपुर में यात्रियों से भरी एक बस को रोककर उसके टायरों की हवा निकाल दी गई। भीलवाड़ा और नागौर में ऑपरेटर्स ने रैली निकालकर प्रदर्शन किया और परिवहन विभाग के अधिकारियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।हड़ताल का सबसे ज्यादा असर खाटूश्यामजी जाने वाले श्रद्धालुओं पर पड़ रहा है। इस मजबूरी का फायदा उठाकर टैक्सी संचालकों ने लूट मचा रखी है। यात्रियों का आरोप है कि जयपुर से खाटूश्याम (100 किमी) के लिए टैक्सियां 6 हजार रुपए तक की मांग कर रही हैं। एडवांस बुकिंग के बावजूद यात्रियों से अतिरिक्त पैसों की वसूली की जा रही है। परिवहन आयुक्त पुरुषोत्तम शर्मा ने जयपुर पुलिस कमिश्नर सहित सीकर और जयपुर ग्रामीण के अधिकारियों को पत्र लिखकर सुरक्षा की मांग की है। विभाग का दावा है कि लोक परिवहन के ऑपरेटर्स हड़ताल में शामिल नहीं हैं और वे बसें चलाना चाहते हैं। आयुक्त ने निर्देश दिए हैं कि बस ड्राइवरों और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए ताकि यातायात सुचारू हो सके। निजी बस संचालकों का आरोप है कि परिवहन विभाग द्वारा मनमाने तरीके से चालान काटे जा रहे हैं, जिससे उन्हें भारी आर्थिक नुकसान हो रहा है। ऑपरेटर्स का साफ कहना है कि जब तक उनकी मांगें नहीं मानी जाएंगी, तब तक अनिश्चितकालीन हड़ताल जारी रहेगी और वे किसी भी सूरत में बसें नहीं चलने देंगे।

निजी बस ऑपरेटर्स की हड़ताल के कारण जयपुर में बुधवार को लगातार दूसरे दिन प्राइवेट बसों का संचालन नहीं हो सका।

- **जयपुर, भीलवाड़ा, नागौर और उदयपुर सहित प्रदेशभर में निजी बस संचालकों ने न केवल अपनी बसें बंद रखीं, बल्कि लोक परिवहन की बसों को भी जबरन रोक दिया।**

पुलिस से सहमति के बाद वकीलों ने रास्ता खोला

राजस्थान हाईकोर्ट जयपुर के बाहर गत 16 फरवरी से रास्ता रोककर बैठे वकीलों ने बुधवार शाम को पुलिस से समझौता होने के बाद धरना समाप्त कर दिया।

जयपुर (कासं)। शहर के निजी अस्पताल के संचालक के खिलाफ इलाज के दौरान लापरवाही करने को लेकर दर्ज एफआईआर में कार्रवाई की मांग के साथ गत 16 फरवरी से हाईकोर्ट के बाहर रास्ता रोककर बैठे वकीलों ने बुधवार शाम को पुलिस से समझौता होने के बाद अपना धरना समाप्त कर दिया।

हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राजीव सोगरवाल और डीसीपी दक्षिण राजर्षि राज की ओर से संयुक्त जानकारी दी गई कि दोनों पक्षों के बीच सात बिंदुओं पर सहमति बनी है। इसके तहत आरजीएचएस में अनियमिता के बारे में निविक अस्पताल से संबंधित जांच चिकित्सा विभाग की ओर से 20 दिन में पूरी कराने के संबंध में विभाग को पत्र लिखा जाएगा। वहीं जांच के बाद अपराध प्रमाणित होता है तो विभाग एफआईआर दर्ज कराएगा। वहीं इलाज में लापरवाही को लेकर मानसरोवर थाने में दर्ज एफआईआर को लेकर परिवादी की इच्छा पर मेडिकल कॉलेज को मेडिकल बोर्ड गठित करने के लिए लिखा जाएगा। जांच एवं कार्रवाई पूरी होने तक अस्पताल को अस्थाई रूप से पैनल से बाहर करने के लिए आरजीएचएस को लिखा जाएगा। वहीं हाईकोर्ट में लंबित याचिका में तथ्यात्मक रिपोर्ट पेश की जाएगी। वकीलों का समझौता हुआ है कि मामले की निष्पक्ष जांच के लिए डीसीपी दक्षिण की अध्यक्षता में एसआईटी गठित की जाएगी और जांच एक माह में पूरी की जाएगी। वहीं केस की प्रगति के बारे में परिवादी को बताया जाएगा। इसके साथ ही प्रत्येक जांच में परिवादी शामिल रहेगा और हर सात दिन में बार एसोसिएशन को प्रगति के बारे में बताया जाएगा। वहीं समस्त दस्तावेजों व सीसीटीवी फुटेज की जांच एफएसएल से एक माह में कराई जाएगी।

डबल इंजन ने राजस्थान को विकास की पटरी से उतारा : टीकाराम जूली

नेता प्रतिपक्ष ने ईआरसीपी पर वादाखिलाफी और रिफाइनरी की अनदेखी पर सरकार को घेरा

जयपुर (विसं)। विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ के हालिया बयानों पर कड़ा प्रहार करते हुए इसे प्रदेश की जनता के साथ क्रूर मजाक करार दिया है। जूली ने कहा कि भाजपा नेता जिन ऐतिहासिक दौरों का ढिंढोरा पीट रहे हैं, उनकी असलियत जनता जानती है।

जूली ने कहा, "मदन राठौड आज उन वादों पर चर्चा करने से भाग रहे हैं, जो स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अजमेर की धरती से ईआरसीपी को लेकर किए थे। राजस्थान की जनता भूली नहीं है कि प्रधानमंत्री ने इसे राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा देने का आश्वासन दिया था। आज अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए रामजल सेतु जैसे नए नाम गढ़े जा रहे हैं, लेकिन धरातल पर प्यासे कंठों को पानी मिलना अब भी दूर की कौड़ी है।"

पचपदरा रिफाइनरी के मुद्दे पर नेता प्रतिपक्ष ने सीधे सवाल दागते हुए पूछा कि आखिर राज्य सरकार इसके उद्घाटन से क्यों कतरा रही है? मदन राठौड़ विकास की बातें तो बहुत करते हैं, लेकिन क्या वे बताएंगे कि पचपदरा रिफाइनरी का काम पूरा होने के बावजूद उद्घाटन क्यों अटका हुआ है? क्या राज्य की भाजपा सरकार को प्रधानमंत्री कार्यालय से तारीख तक नहीं मिल पा रही है? रिफाइनरी जैसे महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट पर चुप्पी और प्रधानमंत्री की बेरुखी यह साबित करती है कि भाजपा के पास विकास का कोई विजन नहीं है, वे सिर्फ श्रेय लेने की राजनीति में माहिर हैं। प्रदेश की बिगड़ती सुरक्षा स्थिति पर गहरा आक्रोश व्यक्त करते हुए नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि राजस्थान में अपराध का ग्राफ रसातल में पहुँच गया है। लूट, हत्या और गैंगवार की बढ़ती घटनाओं ने साबित कर दिया है कि पुलिस का इकबाल खत्म हो चुका है। अपराधी बेखौफ हैं और आम नागरिक असुरक्षित महसूस कर रहा है। जूली ने तंज कसते हुए कहा कि "यह दुर्भाग्यपूर्ण है।

छह बदमाशों ने दो युवकों को घेरकर किया तलवार से हमला

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । भट्टा बस्ती इलाके में छह बदमाशों ने दो युवकों पर तलवारों और डंडों से हमला कर दहशत फैला दी। जान बचाने के लिए युवकों को नजदीकी घर में शरण लेनी पड़ी। इस दौरान एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना का वीडियो बुधवार को सामने आने के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई।

पुलिस के अनुसार वारदात 23 फरवरी की है। वायरल वीडियो में बदमाश दो बाइकों पर सवार होकर युवकों का पीछा करते दिखाई दे रहे हैं। मौका मिलते ही वे उन पर तलवार और डंडों से हमला कर देते है। आसपास के लोग जमा होते इससे पहले ही आरोपी फरार हो गए। भट्टा बस्ती थाना के थानाधिकारी दीपक त्यागी ने बताया कि अब तक किसी पक्ष की ओर से औपचारिक मुकदमा दर्ज नहीं कराया गया है। हालांकि पुलिस ने स्वत: संज्ञान लेते हुए दो आरोपियों को दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 107 के तहत शांति भंग करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि दोनों पक्ष एक ही समुदाय से जुड़े हैं और मामला आपसी रंजिश व पुरानी कहासुनी से संबंधित है। अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पहचान की जा रही है और संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है।

- **भट्टा बस्ती इलाके का मामला, जान बचाने के लिए युवकों को नजदीकी घर में शरण ली। इस दौरान 1 युवक गंभीर घायल हुआ**

'बढ़ी हुई जनसंख्या के आधार पर मिलेगा अनुदान'

जयपुर । यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने बुधवार को विधानसभा में कहा कि प्रदेश के जिन नगरीय निकायों की सीमा और जनसंख्या में वृद्धि हुई है, उन्हें राज्य सरकार द्वारा बढी हुई जनसंख्या के आधार पर ही अनुदान दिया जाएगा। प्रश्नकाल में विधायक कुलदीप द्वारा पूछे गए पूरक प्रश्नों के उत्तर में मंत्री खर्रा ने बताया कि नगर पालिका पावटा-प्रागपुरा को 'बी' श्रेणी में क्रमोन्नत करने के लिए परीक्षण कराया जाएगा और यदि निर्धारित मापदंडों के अनुरूप पाया गया तो क्रमोन्नयन पर विचार किया जाएगा। इससे पहले विधायक कुलदीप के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में मंत्री ने स्पष्ट किया कि नगर पालिका पावटा-प्रागपुरा को नगर परिषद में क्रमोन्नत करने का फिलहाल कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

रिश्वत के आरोपियों को जमानत नहीं

जयपुर । हाईकोर्ट ने आयकर अपीलीय अधिकरण में रिश्वत से जुडे मामले में आरोपी सीता लक्ष्मी, मुजम्मिल, राजेन्द्र सिसोदिया, विजय गोयल और कैलाश चन्द्र मीणा को जमानत पर रिहा करने से इनकार कर दिया है।

इसके साथ ही अदालत ने इन सभी आरोपियों की जमानत याचिकाओं को खारिज कर दिया है। जस्टिस चंद्र प्रकाश श्रीमाली की एकलपीठ ने यह यह आदेश दिए। अदालत ने सभी पक्षों की बहस सुनने के बाद गत 4 फरवरी को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। आरोपी सीता लक्ष्मी की ओर से कहा गया कि वह अधिकरण में न्यायिक अधिकारी थी। ऐसे में जजेज प्रोटेक्शन एक्ट के तहत उस पर कार्रवाई नहीं की जा सकती। वहीं अन्य आरोपी की ओर से कहा गया कि प्रकरण में न तो उन्होंने रिश्वत राशि की मांग की है और ना ही उनके कोई बरामदगी हुई है। इसके अलावा प्रकरण में आरोप पत्र पेश हो चुका है। जिसकी सुनवाई लंबे समय तक चलेगी। ऐसे में उन्हें जमानत का लाभ दिया जाए।

जिसका विरोध करते हुए सीबीआई की ओर से अधिवक्ता प्रदीप कुमार ने कहा कि आरोपी पर रुपए लेकर फैसले देने का आरोप है। सीबीआई को गोपनीय सूचना मिली थी कि आईटीएटी जयपुर बेंच में लंबे समय से अपीलों को तय करने में धांधली चल रही है।

गंगापुर सिटी नई मंडी में सरसों के कम दाम मिलने पर किसानों ने हंगामा किया

नई अनाज मंडी में पुलिस की समझाइश पर फिर शुरू हो सकी नीलामी

गंगापुर सिटी, (निसं)। नई अनाज मंडी में बुधवार को सरसों के कम दाम मिलने पर किसानों ने हंगामा किया। नाराज किसानों ने मंडी का मुख्य गेट बंद कर दिया, जिससे करीब आधे घंटे तक कामकाज ठप रहा। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और समझाइश के बाद गेट खुलवाया गया, जिसके बाद नीलामी प्रक्रिया फिर से शुरू हो सकी।

जानकारी के अनुसार बुधवार दोपहर करीब 12 बजे मंडी में कृषि जिंसों की सामान्य नीलामी चल रही थी। इसी दौरान कुछ किसानों ने सरसों के दाम कम होने का आरोप लगाते हुए हंगामा शुरू कर दिया। व्यापारियों ने किसानों से कहा कि यदि वे दामों से संतुष्ट नहीं हैं, तो अपनी उपज न बेचें। हालांकि, किसान अपनी मांग पर अड़े रहे, जिसके कारण नीलामी प्रक्रिया कुछ समय के लिए रोकनी पड़ी। व्यापारियों ने कुछ किसानों पर अभद्रता और अपशब्द कहने का भी आरोप लगाया। हंगामे के बाद व्यापारियों ने

गंगापुर सिटी में सरसों के कम दाम मिलने का आरोप लगा किसानों ने मंडी गेट बंद कर दिया।

मंडी समिति सचिव से शिकायत की और कहा कि ऐसे व्यवहार के कारण वे नीलामी में भाग नहीं लेंगे। इसके बाद दोपहर करीब डेढ़ बजे कुछ किसान मंडी के मुख्य गेट पर पहुंचे और उसे बंद कर दिया। आरोप है कि इस दौरान एक व्यक्ति नशे की हालत में था। गेट बंद होने से मंडी में अफरा-तफरी मच गई और बाहर खड़े किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ा। सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने किसानों से बातचीत की और करीब आधे घंटे बाद गेट खुलवाया। मंडी समिति सचिव के हस्तक्षेप के बाद नीलामी प्रक्रिया दोबारा शुरू की गई। इस दौरान नीलामी रुकने से कई किसानों को नुकसान उठाना पड़ा, जो शांतिपूर्ण ढंग से अपनी उपज बेचने के लिए मंडी पहुंचे थे।

गौरतलब है कि इससे पहले 14 फरवरी को भी सरसों के कम दाम को लेकर किसानों ने मंडी गेट पर ताला लगा दिया था। उस समय नई सरसों में अधिक नमी के कारण किसानों की मांग पर मोश्चर मीटर से नीलामी कराने पर सहमति बनी थी। वर्तमान में भी नई सरसों में 15 से 20 प्रतिशत तक नमी बताई जा रही है। क्षेत्र में सरसों की अच्छी पैदावार के चलते इन दिनों मंडी में बंपर आवक हो रही है। रोजाना 15 हजार से अधिक कट्टे सरसों मंडी में पहुंच रहे हैं। मंडी समिति सचिव का कहना है कि नीलामी किसानों की सहमति से ही कराई जा रही है, लेकिन कुछ लोगों के हंगामे से अन्य किसानों को भी परेशानी झेलनी पड़ रही है।

जोधपुर जेल में बंद सोनम वांगचुक की रिहाई की मांग को लेकर प्रदर्शन : जोधपुर की सेंट्रल जेल में बंद सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुंग की रिहाई की मांग को लेकर बुधवार को विभिन्न संगठनों ने रैली निकालकर जेल के बाहर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान शामिल हुए सामाजिक कार्यकर्ताओं ने वांगचुंग की रिहाई की मांग को लेकर नारेबाजी भी की। उनका कहना था कि सोनम वांगचुंग को सरकार के दबाव में जेल में रखा गया है, जिन्हें जल्द रिहा करना चाहिए।

समर्थकों का कहना था कि सोनम वांगचुक को पिछले साल 26 सितंबर को लद्दाख से गिरफ्तार किया था और उन्हें जोधपुर केन्द्रीय कारागार में रखा गया है। आज यहां हिरासत के 153 दिन पूरे हो गए हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) का खुला दुरुपयोग करते हुए उन्हें अलोकतांत्रिक एवं गैर कानूनी रूप से नजऱबंद किया गया है जो बेहद शर्मनाक है। प्रदर्शन को देखते हुए पुलिस अलर्ट नजर आई और मोहनपुरा पुलिया के पास से ही सेंट्रल जेल की तरफ जाने वाले रास्ते पर बैरिकेडिंग कर रोक दिया। पुलिस ने डिस्कॉम, सीएमएचओ ऑफिस के रास्ते को भी बंद कर दिया।

मुफ्त में आइसक्रीम नहीं देने पर युवक का अपहरण

भीलवाड़ा, (निसं)। वस्त्र नगरी में बेखौफ बदमाशों के हौसले बुलंद हैं। शहर के व्यस्ततम इलाके में एक सरस पार्लरकर्मी का दिनदहाड़े अपहरण कर उसके साथ जानलेवा हमला करने और नकदी लूटने का मामला सामने आया है। पुरानी रंजिश के चलते हुई इस वारदात से क्षेत्र में दहशत का माहौल है।

- कुछ युवकों ने सरस पार्लरकर्मी का अपहरण कर लिया और मारपीट कर फरार हो गये
- सरस पार्लरकर्मी को जान से मारने का प्रयास किया, बदमाशों ने नकदी भी लूट ली

मिली जानकारी के अनुसार सत्यम कॉम्प्लेक्स स्थित सरस पार्लर पर कार्यरत हरिराम गुर्जर जब बैंक के पास से गुजर रहा था, तभी घात लगाकर आए कुछ युवकों ने उसे जबरन अपनी स्कूटी आरोपियों ने मंदिर के पास सुनसान जगह पाकर हरिराम पर हमला बोल

घायल हरिराम को महात्मा गांधी चिकित्सालय पहुंचाया गया, जहां उसका उपचार किया।

दिया। लाठी-डंडों से बेरहमी से मारपीट करते हुए उसे जान से मारने का प्रयास किया गया। बदमाशों ने हरी राम के पास रखे 23,500 रुपये की नकदी भी लूट ली। चीख-पुकार सुनकर जब आसपास के लोग मौके पर जमा होने लगे, तो आरोपी पकड़े जाने के डर से पीड़ित को लहूलुहान हालत में छोड़कर मौके से फरार हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से घायल हरिराम को तुरंत महात्मा गांधी चिकित्सालय पहुंचाया गया, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है और ट्रॉमा वार्ड में उपचार जारी है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने अस्पताल पहुंचकर पीड़ित के बयान दर्ज किए हैं। पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है, ताकि बदमाशों की पहचान कर उन्हें जल्द गिरफ्तार किया जा सके।

बताया जा रहा है कि इस पूरी वारदात की जड़ महज एक आइसक्रीम है। कुछ दिनों पूर्व आरोपियों ने सरस पार्लर पर हरिराम से मुफ्त में या असमय आइसक्रीम मांगी थी। हरिराम द्वारा मना करने पर आरोपियों ने उसे देख लेने की धमकी दी थी। इसी रंजिश के चलते सुनियोजित तरीके से इस वारदात को अंजाम दिया गया।

एमडी ड्रग की खरीद करने वाले आरोपी के घर में जाली नोट मिले

जोधपुर, (कासं)। शहर की मंडोर पुलिस ने आंगणवा स्थित एक घर में दबिश देकर एमडी ड्रग बेचने वाले शख्स को पकड़ा है। घर से 4.20 ग्राम एमडी ड्रग बरामद हुई। बाद जांच पुलिस के हाथ जाली नोट लगे। 19 नोट 500-500 के बरामद किए गए हैं। यह नोट किसी एमडी ड्रग खरीदने वाले ने ही आरोपी को दिए थे। दस हजार थे, एक नोट बाजार में चलना बता दिया। नकली नोट सप्लायर की पहचान की गई है, पुलिस अब इसकी तलाश में जुटी है।

मंडोर थानाधिकारी किशनलाल ने बताया कि आंगणवा, नंदपुरी में रहने वाले प्रेमसिंह के यहां पर अवैध मादक पदार्थ की सूचना मिली थी। जिस पर पुलिस ने मय जाब्ते के वहां

- 4 .20 ग्राम एमडी भी बरामद, 19 नोट 500-500 के जाली मिले

पर रेड दी। आरोपी प्रेमसिंह के पास में 4.20 ग्राम एमडी ड्रग बरामद हुई। उसके पास में 19 नोट पांच-पांच सौ के भी मिले जोकि जाली है। किसी को एमडी बेचकर यह राशि जुटाई गई, मगर शातिर ने उसे नकली नोट थमा दिया। एमडी की खरीद-फरोख्त रात में की गई, ऐसे में उसे नकली नोट का पता नहीं चल पाया। थानाधिकारी किशनलाल ने बताया कि एमडी ड्रग के लिए जिस शख्स ने उसे नकली नोट थमाए, उसकी पहचान के साथ तलाश की जा रही है। आरोपी के घर में किसी प्रकार की नकली नोट छापने जैसे सामग्री नहीं मिली है। आरोपी प्रेम सिंह मूल रूप से रामड़ावास कलां का रहने वाला है। उससे प्रकरण में अब थानाधिकारी माता का थान शफीक मोहम्मद तफ्तीश कर रहे हैं।

मवेशी चोरी करने वाले चार आरोपी गिरफ्तार :- उदयपुर में मकान से मवेशी चोरी करने वाले चार आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर चोरी किए मवेशी मय वाहन जब्त किए।

प्रकरण के अनुसार पीड़ित गोविनदसिंह पुत्र उदयसिंह निवासी मोर्यों की कडिया गोगुन्दा ने पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया। उसने बताया कि मेरे बाड़े से 23 फरवरी रात में अज्ञात चोर मवेशी चुरा ले गए। इस मामले में प्रकरण दर्ज होने पर जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गोपाल स्वरूप मेवाड़ा, पुलिस उप अधीक्षक गोपाल चंदेल के सुपरविजन में गोगुन्दा थानाधिकारी श्यामसिंह के नेतृत्व में अनुसंधान अधिकारी एएसआई भरमतसिंह ने मामले में मिले साक्ष्यों के आधार पर मनोहरसिंह पुत्र भागसिंह निवासी कडिया, राकेश सिंह पुत्र मनोहरसिंह, जगदीश मेघवाल पुत्र प्रतापजी, अक्षय प्रजापत पुत्र मांगीलाल निवासी कडिया को गिरफ्तार कर इनके कब्जे से चोरी की गई तीन भैंसें मय पिकअप वाहन जब्त किया। जिनसे पूछताछ की जा रही है।

महाजन फायरिंग रेंज में भारतीय सेना के 20 टन हैवी ड्रॉप सिस्टम का सफल परीक्षण

बीकानेर, (निसं)। भारतीय सेना के लिए अब ऊंचे पहाड़ों और दुर्गम इलाकों में भारी-भरकम हथियार पहुंचाना आसान हो गया है। महाजन फायरिंग रेंज में 20 टन तक भारी आर्मर्ड वाहनों को एयर ड्रॉप करने का सफल परीक्षण पिछले दिनों किया गया है। महाजन फायरिंग रेंज में इन दिनों सेना की पश्चिम कमान की स्ट्राइक कोर सहित कई यूनिट्स युद्धाभ्यास कर रही हैं।

सैन्य सूत्रों ने बताया कि इसी दौरान सैन्य एयरबोर्न ट्रेनिंग स्कूल ने स्वदेशी 28-फीट हैवी ड्रॉप एडवांस सिस्टम 20टी (टाइप-वी) का परीक्षण किया। इस दौरान एक बख्तरबंद वाहन को ग्लोबमास्टर मालवाहक विमान से रेंज में सुरक्षित एयर ड्रॉप किया गया। यह सिस्टम

- ऊंचे पहाड़ों और दुर्गम इलाकों में भारी हथियार पहुंचाना आसान हुआ

एयरबोर्निक्स डिफेंस एंड स्पेस ने रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) की इकाई एरियल डिलीवरी रिसर्च एंड डेवलपमेंट एस्टेब्लिशमेंट के साथ मिलकर तैयार किया है। यह परियोजना 'मेक इन इंडिया' के तहत देश में रक्षा उपकरणों को स्वदेशी रूप से बनाने की दिशा में एक अहम कदम मानी जा रही है। स्वदेशी 28-फीट हैवी ड्रॉप एडवांस सिस्टम 20टी (टाइप-वी) के सफल परीक्षण से भारतीय सेना की ताकत बढ़ गई है। खासकर दुश्मन को उसी के एरिया में घुसकर मात देने वाली पश्चिमी कमान की खड़गा कोर को इससे और मजबूती मिली है। इस परीक्षण के बाद काउंटर यूएएस ग्रिड से सीमाएं और सुरक्षित होंगी। स्वदेशी 28-फीट हैवी ड्रॉप एडवांस सिस्टम का परीक्षण महाजन फायरिंग रेंज में चल रहे युद्धाभ्यास का हिस्सा बना।

जानकारी के अनुसार पहले करीब 15 टन वजनी बख्तरबंद वाहन को हवा से गिराकर परीक्षण किया गया। इसके लिए बीएमपी (बख्तरबंद कार्मिक वाहन) का इस्तेमाल किया गया। यह टेस्ट लगभग असली सैन्य हालात जैसे माहौल में किया गया। ट्विन एक्स-ट्रैक्टर सिस्टम की मदद से भारी वाहन को संतुलित और सुरक्षित तरीके से जमीन पर उतारा गया। हैवी ड्रॉप सिस्टम बड़े ट्रांसपोर्ट विमानों से भारी सैन्य वाहन और उपकरणों को सुरक्षित तरीके से जमीन पर उतारने के लिए बनाया गया है। यह एक बार में 20 टन तक का वजन संभाल सकता है। इसमें 28 फुट का खास प्लेटफॉर्म और पैराशूट सिस्टम लगाया गया है।

दो बड़े एक्स-ट्रैक्टर पैराशूट और चार-पॉइंट लिंक सिस्टम की मदद से भारी सामान को पहले विमान से बाहर निकाला जाता है। इसके बाद धीरे-धीरे और संतुलित तरीके से जमीन पर उतारा जाता है। यह तकनीक भारी सैन्य उपकरणों को सुरक्षित और नियंत्रित तरीके से हवा से जमीन तक पहुंचाने में मदद करती है।

नकबजनी की वारदात का खुलासा, मुख्य आरोपी गिरफ्तार

45.30 लाख की नगदी बरामद, कोटा के जवाहर नगर क्षेत्र के सूने मकान में हुई थी चोरी

कोटा, (निसं)। जवाहर नगर थाना इलाके के तलवंडी क्षेत्र में एक सूने मकान से लाखों रूपये की नकबजनी की वारदात का खुलासा करते हुए जवाहर नगर पुलिस टीम ने मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया है, जिसके पास से पुलिस टीम ने करीब 45.30 लाख रूपये नकद बरामद किये हैं।

शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि जवाहर नगर इलाके के तलवंडी के बी सेक्टर में एक सूने मकान से लाखों रूपये नकद व सोने-चांदी के आभूषण चोरी होने का मामला सामने आया था। मामले को गंभीरता से लेते हुए नकबजनी का खुलासा करने के लिये शहर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दिलीप सैनी के निर्देशन में जवाहर नगर थानाधिकारी रामलक्ष्मण गुर्जर व उद्योग नगर थानाधिकारी जितेन्द्र सिंह के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। गठित टीम ने घटनास्थल से तकनीकी साक्ष्य एकत्रित किये और सभी पहलुओं पर अनुसंधान एवं मुखबीर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए सूने मकान में चोरी की घटना को अंजाम देने के मामले में थाना उद्योग नगर के प्रेमनगर द्वितीय निवासी विशाल उर्फ घोड़ी को गिरफ्तार किया। पुलिस टीम ने आरोपी के पास से 45 लाख 30 हजार 800 रूपये नकद बरामद किये हैं। पकड़े गये आरोपी से चोरी की वारदात में शामिल अन्य आरोपियों व अन्य माल बरामदगी के लिये अनुसंधान किया जा रहा हैं।

शहर एसपी तेजस्वनी गौतम ने बताया कि 23 फरवरी को फरियादी ने जवाहर नगर थाने में रिपोर्ट दी। फरियादी ने रिपोर्ट में कहा कि 22 फरवरी को अहमदाबाद से कोटा अपने घर पहुंचे तो घर में मकान के ड्रॉईंग रूम के प्रवेश द्वार का ताला टूटा हुआ मिला। अंदर जाकर देखा तो अलमारी के ताले टूटे हुए मिले और सामान अस्त-व्यस्त था, घर में रखे करीब 45-50 लाख रूपये नकद एवं सोने-चांदी के आभूषण चोरी हो गये। शहर एसपी ने कहा कि फरियादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया एवं नकबजनी की वारदात का खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर नकदी बरामद की।

उपभोक्ता आयोगों में रिक्त पदों को लेकर हाईकोर्ट में सुनवाई

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान उच्च न्यायालय की खंडपीठ के वरिष्ठ न्यायाधीश विनीत कुमार माथुर और न्यायाधीश चंद्र शेखर शर्मा के समक्ष राज्य उपभोक्ता आयोग एवं जिला उपभोक्ता आयोग में अध्यक्ष और सदस्यों के कार्यकाल विस्तार के मुद्दे पर सुनवाई हुई। राज्य सरकार की ओर से सकारात्मक कार्रवाई उच्च स्तर पर विचाराधीन होने और शीघ्र निर्णय लिए जाने की बात कही गई, जिस पर न्यायालय ने अगली सुनवाई 9 मार्च निर्धारित की है।

सुनवाई के दौरान राजस्थान हाईकोर्ट एडवोकेट्स एसोसिएशन की ओर से अधिवक्ता अनिल भंडारी ने पक्ष रखते हुए कहा कि केंद्र सरकार द्वारा उपभोक्ता आयोग में भर्ती के लिए नए नियम बनाए जाने प्रस्तावित हैं। इन नियमों के अनुरूप भर्ती प्रक्रिया पूरी होने में पर्याप्त समय लग सकता है। ऐसे में यदि वर्तमान अध्यक्ष एवं सदस्य सेवानिवृत्त हो जाते हैं तो न्यायिक कार्यवाही बाधित होने की आशंका है।

- राज्य सरकार की ओर से सकारात्मक कार्रवाई उच्च स्तर पर विचाराधीन होने और शीघ्र निर्णय लिए जाने की बात कही गई, जिस पर न्यायालय ने अगली सुनवाई 9 मार्च निर्धारित की है

वहीं राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता राजेश पंवार ने अवगत कराया कि गत 27 जनवरी को खंडपीठ द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुपालन में राज्य सरकार गहन विचार-विमर्श कर रही है। मामला सकारात्मक रूप से उच्च स्तर पर लंबित है और निर्णय के लिए कुछ और समय अपेक्षित है। राजस्थान हाइकोर्ट ने इस पर राज्य सरकार के जल्द ही निर्णय लिए जाने को देखते हुए आगामी सुनवाई 9 मार्च मुकर्रर की।

15 जोड़ी ट्रेनों में 36 अतिरिक्त डिब्बों की अस्थाई बढ़ोतरी

जोधपुर, (कासं)। होली पर्व के दौरान यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए रेल प्रशासन ने यात्रियों की यात्रा को सुगम बनाने के उद्देश्य से उत्तर पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल से संचालित तथा यहां से गुजरने वाली 15 जोड़ी ट्रेनों में विभिन्न श्रेणियों के 36 अतिरिक्त कोच अस्थाई रूप से लगाने का निर्णय लिया है।

जोधपुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक अनुराग त्रिपाठी ने बताया कि होली के अवसर पर ट्रेनों में अतिरिक्त यात्री यातायात को ध्यान में रखते हुए 1 मार्च से 3 अप्रैल तक चयनित ट्रेनों में कोचों की अस्थाई बढ़ोतरी की जा रही है जिससे यात्रियों को यात्रा के दौरान बेहतर सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। इस व्यवस्था के तहत ट्रेन संख्या 22977/22971 जयपुर-जोधपुर-जयपुर इंटरसिटी सुपरफास्ट में 1फर्स्ट मय सेकंड एसी श्रेणी तथा 1 थर्ड एसी कोच, ट्रेन संख्या 14801/14802 जोधपुर-इंदौर-जोधपुर एक्सप्रेस में 1 स्लीपर व 4 जनरल कोच तथा ट्रेन संख्या 12465/12466 इंदौर--भगत की कोठी-इंदौर सुपरफास्ट में 1 स्लीपर व 4 जनरल कोच अस्थाई रूप से जोड़े जाएंगे।

इसी प्रकार ट्रेन संख्या 14854/ 14864, 14866/ 14853, 14863/ 14865 जोधपुर-वाराणसी सिटी-जोधपुर मरुधर एक्सप्रेस में 1 थर्ड एसी कोच,ट्रेन संख्या 14807/14808 जोधपुर-दादर-जोधपुर त्रि साप्ताहिक एक्सप्रेस में 1 थर्ड एसी व 2 स्लीपर कोच तथा ट्रेन संख्या 04827/ 04828 भगत की कोठी-बांद्रा टर्मिनस-भगत की कोठी साप्ताहिक स्पेशल में 1 थर्ड एसी व 2 स्लीपर कोच लगाए जाएंगे। इसके अतिरिक्त ट्रेन संख्या 20483/20484 भगत की कोठी-दादर-भगत की कोठी द्विसाप्ताहिक सुपरफास्ट में 1 थर्ड एसी व 2 स्लीपर, ट्रेन संख्या 20485/ 20486 जोधपुर-साबरमती-जोधपुर सुपरफास्ट में 1 थर्ड एसी व 2 स्लीपर तथा ट्रेन संख्या 20492/ 20491 साबरमती-जैसलमेर-साबरमती सुपरफास्ट में 1 थर्ड एसी व 2 स्लीपर कोच अस्थाई रूप से बढ़ाए जाएंगे।

रेलवे के अनुसार ट्रेन संख्या 22497/22498 श्रीगंगानगर-तिरुचिरापल्ली-श्रीगंगानगर साप्ताहिक एक्सप्रेस में 1 थर्ड एसी, ट्रेन संख्या 20481/ 20482 भगत की कोठी-तिरुचिरापल्ली-भगत की कोठी हमसफर साप्ताहिक एक्सप्रेस में 1 स्लीपर, ट्रेन संख्या 12495/12496 बीकानेर-कोलकाता-बीकानेर प्रताप एक्सप्रेस साप्ताहिक में 1 थर्ड एसी व 1 स्लीपर तथा ट्रेन संख्या 22473/ 22474 बीकानेर-बांद्रा टर्मिनस-बीकानेर साप्ताहिक सुपरफास्ट एक्सप्रेस में 1 थर्ड एसी व 1 स्लीपर कोच की अस्थाई बढ़ोतरी की जा रही है।

कोटा स्टेशन पर चेकिंग में बिना टिकट 123 यात्री पकड़े

कोटा, (निसं)। त्यौहार की नजदीकता के चलते ट्रेनों में भीड़ चल रही है। ट्रेनों में यात्रा के दौरान बिना टिकिट यात्रा करने वाले अनियमित्र यात्रियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिये रेलवे टिकट चैकिंग स्टॉफ ने किलाबंदी कर टिकट चैकिंग अभियान चलाया, जिसके तहत 123 यात्रियों को बिना टिकट यात्रा करते हुए पकड़ा, जिनसे 49 हजार से अधिक का जुर्माना वसूला गया। यह अभियान मंडल रेल प्रबंधक अनिल कालरा के मार्गदर्शन में चलाया गया।

- रेलवे टिकट चैकिंग स्टॉफ ने 49 हजार से अधिक का जुर्माना वसूला
- विशेष अभियान के अंतर्गत 14 ट्रेनों के यात्रियों के टिकटों की जांच की गई

कोटा रेलवे स्टेशन पर टिकट चैकिंग स्टाफ व रेल सुरक्षा बल ने टिकटों की जांच की।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन ने बताया कि कोटा स्टेशन पर 12 घंटे का किलाबंदी टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया है। अभियान के दौरान स्टेशन परिसर से बाहर निकलने वाले मार्गों की सघन घेराबंदी की गई, जिससे बिना जांच के कोई भी यात्री बाहर न जा सके। इस विशेष अभियान के अंतर्गत 14 ट्रेनों के यात्रियों के टिकटों की जांच की गई। जांच के दौरान 123 यात्री बिना टिकट यात्रा करते हुए पाए गऐं, जिनसे 49,875 रूपये की राशि बतौर किराया एवं जुर्माना वसूला गया। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन ने बताया कि अभियान मुख्य टिकट निरीक्षक दीपक शर्मा के नेतृत्व में 18 टिकिट चैकिंग स्टॉफ तथा 6 रेल सुरक्षा बल कर्मियों के सहयोग से चलाया गया। उन्होंने कहा कि समय-समय पर लगातार ऐसे चैकिंग अभियान चलाया जायेंगे। इस प्रकार के अभियान यात्रियों में नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा रेल राजस्व की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से संचालित किये जाते हैं।

अलवर : अंतिम संस्कार के पांच दिन बाद अस्पताल में शव लेने पहुंचे परिजन

अलवर, (निसं)। अंतिम संस्कार के पांच दिन बाद जिला अस्पताल में परिजन बुजुर्ग का शव लेने पहुंचे। शहर के घंटाघर क्षेत्र में 16 फरवरी को एक बुजुर्ग व्यक्ति का शव संदिग्ध अवस्था में पड़ा मिला था। पुलिस ने तुरंत मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पहचान के लिए जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया था। आसपास के लोगों से पूछताछ के बावजूद मृतक की पहचान नहीं हो सकी, जिसके चलते

- अलवर में 16 फरवरी को एक बुजुर्ग व्यक्ति का शव संदिग्ध अवस्था में मिला था

पुलिस ने नियमों के मुताबिक 19 फरवरी को पोस्टमॉर्टम करवाकर अंतिम संस्कार करवा दिया। मृतक की पहचान फुटीखेल इलाके के निवासी भोलाराम (55) के रूप में हुई।

मृतक के भतीजे ने बताया कि उसके चाचा अविवाहित थे और कई साल पहले साधु जीवन अपनाकर घर से दूर रहते थे। गिर्राज को मोहल्ले में एक परिचित से 5 दिन बाद इस घटना की जानकारी मिली। गिर्राज ने बताया कि चाचा कई महीनों तक घर नहीं लौटते थे और परिवार से संपर्क भी कम ही रखते थे, इसलिए मौत की खबर समय पर नहीं पहुंच सकी। अस्पताल के एक सफाई कर्मचारी ने उन्हें इस बारे में जानकारी दी। सूचना मिलते ही गिर्राज कोतवाली थाने पहुंचा, जहां से उन्हें अस्पताल चौकी भेजा गया। वहां पता चला कि पुलिस पहले ही पोस्टमॉर्टम और अंतिम संस्कार कर चुकी है। अब परिवार पुलिस प्रशासन से अस्थियां सौंपने की मांग कर रहा है, ताकि वे उन्हें गंगा में विसर्जित कर सके और धार्मिक रीति-रिवाजों के अनुसार शांति पाठ व अन्य क्रियाएं पूरी कर सके।

मंदिर में चोरी

अजमेर, (कासं)। अजमेर शहर के व्यस्त इलाके गंज चैराहा के पास स्थित कार्य सिद्ध विनायक मंदिर से अज्ञात चोरों ने मंदिर को निशाना बनाते हुए भगवान गणेशजी का चांदी का छत्र और दानपात्र में रखी नगदी चोरी कर ली। चोरी की इस घटना का पता उस समय चला जब रोजाना की तरह मंदिर के पुजारी सुबह पूजा करने के लिए मंदिर पहुंचे। मंदिर पहुंचने पर उन्होंने देखा कि गणेशजी के ऊपर लगा चांदी का छत्र गायब था।

विजय-रश्मिका की शादी आज

उदयपुर, (कासं)। अभिनेता विजय देवरकोंडा और अभिनेत्री रश्मिका मंदाना की बुधवार को मेहंदी की रस्म हुई। इससे पहले हल्दी सेरेमनी हो गई। अब होटल में रात को संगीत का कार्यक्रम होगा। इसके लिए होटल में फूलों से सजावट और लाइटिंग की गई है। दोनों गुरुवार को शादी के बंधन में बंधेंगे। शादी में दोनों परिवार के सदस्य और कुछ खास मेहमान ही शामिल होंगे।

विजय-रश्मिका गुरुवार को परिवार और कुछ खास दोस्तों की मौजूदगी में फेरे लेंगे। शादी में केवल 200 मेहमान शामिल होंगे। रिसेप्शन हैदराबाद में 3 और 4 मार्च को होगा, जिसमें साउथ और बॉलीवुड की कई सेलिब्रिटी शामिल होंगी। अर्जुन रेड्डी, कबीर सिंह, एनिमल जैसी फिल्मों के डायरेक्टर संदीप रेड्डी वांगा भी बुधवार को शादी में शामिल होने पहुंचे। साउथ इंडिया से पंडित भी आए हैं, जो शादी की रस्मों को पूरा करवाएंगे। पीएम नरेंद्र मोदी ने रश्मिका और विजय को बधाई संदेश भेजा है। पीएम ने दोनों को आशीर्वाद दिया है। संदेश में श्सखा सप्तपदी भवश् का जिक्र करते हुए कहा कि सात कदम साथ चलने के बाद दूल्हा-दुल्हन जीवनभर के साथी और सच्चे दोस्त बन जाते हैं। ये रिश्ता सिर्फ दो लोगों का नहीं, बल्कि दो परिवारों का भी होता है। उन्होंने इस बंधन को विश्वास और प्यार से भरी शुरुआत बताया। प्रधानमंत्री ने विजय और रश्मिका के फिल्मी सफर का भी जिक्र किया।

जैसा कि मैंने कई बार कहा है, वह विश्व क्रिकेट के दिग्गज खिलाड़ी हैं। उन्होंने हर स्तर पर कमाल किया है। उन्होंने वनडे और टी-20 में विश्व कप जीते हैं और यह सिर्फ समय की बात है।

- हैरी ब्रूक

इंग्लैंड के कप्तान, जोश बटलर का पक्ष रखते हुए।

आज का खिलाड़ी

वैष्णवी अडकर

बेंगलुरु में खेले गए डब्ल्यू 100 आईटीएफ टूर्नामेंट में उपविजेता बनने के बाद 21 वर्षीय वैष्णवी अडकर ने अपने करियर की अब तक की सबसे बड़ी छलांग लगाई है। वाइल्डकार्ड एंट्री के तौर पर टूर्नामेंट खेलने उतरी वैष्णवी ने तीन करियर-बेस्ट जीत दर्ज कीं और दो टॉप-150 खिलाड़ियों को हराकर फाइनल तक का सफर तय किया। मौजूद जानकारी के अनुसार सोमवार को जारी डब्ल्यूटीए रैंकिंग में उन्होंने 224 स्थान की छलांग लगाते हुए 466वां स्थान हासिल किया है। इसके साथ ही वह भारत की नई नंबर-2 महिला एकल खिलाड़ी बन गई हैं।

क्या आप जानते हैं ?... टी-20 इंटरनेशनल : भारत ने जिम्बाब्वे के खिलाफ 13 टी20 मैचों में से 10 जीते हैं।

ICC MEN'S T20 WORLD CUP

आज के मैच

वेस्टइंडीज व द. अफ्रीका के बीच शाम 3 बजे

भारत व जिम्बाब्वे के बीच शाम 7 बजे

मेजबान श्रीलंका टी-20 वर्ल्डकप से बाहर

न्यूजीलैंड ने 61 रन से हराया, रचिन रवींद्र को चार विकेट

कोलंबो, 25 फरवरी। मेजबान श्रीलंका टी-20 वर्ल्डकप से बाहर हो गया है। उसे बुधवार रात न्यूजीलैंड ने छठे सुपर-8 मैच में 61 रन से हराया। कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में

श्रीलंका ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। न्यूजीलैंड ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 168 रन बनाए। टीम ने 84 रन पर 6 विकेट गंवा दिए थे।

169 रन का टारगेट चेज कर रही श्रीलंकाई टीम 20 ओवर में 8 विकेट पर 107 रन ही बना सकी। दुनिथ वेल्लालागे (29 रन) को ग्लेन फिलिप्स ने रचिन रवींद्र के हाथों कैच कराया। कामिंडु मेंडिस (31 रन) को मिचेल सैंटनर ने ग्लेन फिलिप्स के हाथों कैच कराया। रचिन रवींद्र ने दुषन हेमंथ (3 रन), दसुन शनाका (3 रन), कुसल मेंडिस (जीरो) और पवन रत्नायके (10 रन) के विकेट झटके। मैट हेनरी ने पथुम निसांका (जीरो) और चरिथ असलंका (5 रन) को पावरप्ले में आउट किया।

टॉस हारकर बैटिंग कर रही न्यूजीलैंड की टीम ने 84 रन पर 6 विकेट गंवा दिए थे। यहां से कप्तान मिचेल सैंटनर (47 रन) और कोल मैकॉन्ची (31 रन) ने 47 बॉल पर 84 रन की साझेदारी करके टीम को 160 पार पहुंचा दिया। यह न्यूजीलैंड की ओर से 7वें विकेट के लिए टी-20 इंटरनेशनल में सबसे बड़ी साझेदारी है। सैंटनर ने 26 बॉल पर 47 रन बनाए। जबकि मैकॉन्ची 31 रन बनाकर नाबाद लौटे।

टी-20 विश्व कप : हमें पॉजिटिव रहना होगा : कोटक

चेन्नई, 25 फरवरी। भारतीय बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने गुरुवार को आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के सुपर आठ चरण में जिम्बाब्वे के खिलाफ होने वाले करो या मरो के मुकाबले से पहले टीम इंडिया से सकारात्मक रहने और बेहतर क्रिकेट खेलने का आग्रह किया है। टीम इंडिया को सुपर आठ चरण के पहले मैच में 76 रनों की शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा, जिससे मौजूदा चैंपियन टीम मुश्किल दौर में आ गई है।

टीम इंडिया को खिताब की दौड़ में बने रहने के लिए अपने सभी बचे हुए मैच जीतने होंगे और साथ ही यह भी उम्मीद करनी होगी कि दक्षिण अफ्रीका सुपर आठ चरण में अपराजित रहे। भारत के बल्लेबाज अब तक टूर्नामेंट में कोई खास कमाल नहीं दिखा पाए हैं, उनका औसत मात्र 20 है, जो सुपर आठ में क्वालीफाई करने वाली टीमों में सबसे कम है। टीम ने 11 बार शून्य पर आउट होकर बल्लेबाजी की है, जो बल्लेबाजी में शुरुआती अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में बदलने की कठिनाई को उजागर करता है।

जिम्बाब्वे के खिलाफ अहम मुकाबले से पहले टीम के खराब प्रदर्शन के कारणों और इससे निपटने की योजना के बारे में पूछे जाने पर, कोटक ने मैच से पहले की प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि सभी द्विपक्षीय मैचों को देखें तो बल्लेबाजी वाकई अच्छी चल रही थी। मुझे लगता है कि इस विश्व कप में भी, पिछला मैच थोड़ा चिंताजनक था क्योंकि लगभग डेढ़ साल में, हमने सिर्फ दो बार ही 150 से कम रन बनाए हैं। इसलिए मैं इस बात पर ध्यान नहीं दे रहा हूं कि कोई कितनी बार असफल हुआ या कैसे, क्योंकि फिर हम उनकी बल्लेबाजी पर दबाव डालना शुरू कर देते हैं। लेकिन पिछले मैच को भी मुझे लगता है कि हमें सहजता से लेना चाहिए कि यह पिछले दो सालों में हमारा सबसे खराब मैच था, इसलिए ईमानदारी से कहूं तो हमें इसके बारे में ज्यादा नहीं सोचना चाहिए और आगे बढ़ना चाहिए। विश्व कप में, खासकर हमारे सलामी बल्लेबाजों का प्रदर्शन उतना अच्छा नहीं रहा जितना हम चाहते थे।

कोटक ने इस बात पर जोर दिया कि हालांकि टीम का हालिया प्रदर्शन उम्मीदों से कम रहा है, लेकिन व्यक्तिगत असफलताओं पर अत्यधिक ध्यान देने से अनावश्यक दबाव बढ़ सकता है। उन्होंने तैयारी और रणनीतिक योजना के महत्व पर जोर दिया, साथ ही विपक्षी गेंदबाजी रणनीतियों का विश्लेषण करने की बात कही ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि टीम शेष मैचों में प्रभावी ढंग से अनुकूलन और प्रतिक्रिया कर सके।

स्पोर्टिंग क्लब देहरादून एवं डायमंड क्लब दिल्ली ने जीत दर्ज की

दौसा, 25 फरवरी। स्थानीय जय श्री भवानी स्पोर्टस क्लब के खेल मैदान में पंच गौरव एक जिला-एक खेल के तहत आयोजित ऑल इण्डिया फुटबॉल टूर्नामेंट के चौथे दिन वेस्टर्न रेलवे एम्पलाइज रतलाम व गढ़वाल स्पोर्टिंग क्लब देहरादून के मध्य खेला गया। जिसमें गढवाल स्पोर्टिंग क्लब का विजेता घोषित किया गया। वही दूसरी ओर दूसरे मैच में गढवाल डायमंड नई दिल्ली ने शानदार जीत दर्ज की। स्थानीय जय श्री भवानी स्पोर्टस क्लब के खेल मैदान में पहला मैच वेस्टर्न रेलवे एम्पलाइज रतलाम व गढ़वाल स्पोर्टिंग क्लब देहरादून के मध्य खेला गया। मुकाबले के पहले हाफ में दोनों टीमों ने आक्रामक खेल दिखाया, किंतु मध्यांतर तक कोई भी टीम गोल करने में सफल नहीं हो सकी। दूसरे हाफ में खेल और अधिक रोमांचक हो गया। मैच के 28वें मिनट में गढ़वाल स्पोर्टिंग क्लब देहरादून के जर्सी नंबर 17 अमित ने शानदार गोल दागते हुए अपनी टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। अंत तक यह बढ़त कायम रही और गढ़वाल स्पोर्टिंग क्लब देहरादून ने 1-0 से विजय प्राप्त की। उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए अमित को मैन ऑफ द मैच चुना गया। उनके निर्णायक गोल ने टीम को महत्वपूर्ण जीत दिलाई और दर्शकों की खूब सराहना बटोरी।

सुराणा एकेडमी ने जयपुर क्लब को हराया

जयपुर, 25 फरवरी। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित तथा वन रियलिटी द्वारा प्रायोजित के एल सैनी ए डिवीजन लीग में आज के एल सैनी स्टेडियम पर खेले गए मैच में सुराना एकेडमी ने जयपुर क्लब को 6 विकेट से हराया। सुराना एकेडमी ने टॉस जीतकर पहले जयपुर क्लब को बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। जयपुर क्लब ने दक्ष कासलीवाल के 77 रन, अर्णव गौतम के 42 रन, हर्षित शर्मा के 35 रन व कुशाग्र ओझा के 20 रनो से 40.3 ओवर में 217 रन बनाए। सुराना एकेडमी के लिए विकास झरवाल ने 44 पर 2, आदित्य बाधवा ने 45 पर 3, प्रशांत यादव ने 33 पर 4, आर्यमन शर्मा ने 11 पर 1 विकेट लिया। जवाबी पारी में सुराना एकेडमी ने आर्यमन शर्मा के 22 रन, दर्श पारीक के 58 रन, आदित्य झाला के 69 रन नाबाद व तनीश जैन के 22 रन से 33.1 में 4 विकेट पर 223 रन बनाकर मैच जीत लिया। जयपुर क्लब के लिए हर्षित शर्मा ने 63 पर 2, निखिल कोहली व मोंटी जायसवाल ने एक-एक विकेट लिया।

नोट : दिनांक 26 फरवरी को के एल सैनी स्टेडियम पर सबा क्लब बनाम यूनियन क्लब के मध्य मैच खेला जाएगा तथा जी आर ग्राउंड पर सुराना एकेडमी बनाम चंबल स्पोर्ट्स के मध्य मैच खेला जाएगा।

शिखर को दिल्ली कोर्ट से मिली बड़ी जीत, आयशा को लौटाने होंगे 5.7 करोड़

नई दिल्ली, 25 फरवरी। दिल्ली की एक फैमिली कोर्ट के हालिया फैसले ने पूर्व भारतीय क्रिकेटर शिखर धवन को बड़ी राहत दी है। अदालत ने उनकी पूर्व पत्नी आयशा मुखर्जी को ऑस्ट्रेलियाई संपत्ति समझौते के तहत प्राप्त 5.7 करोड़ रुपये लौटाने का निर्देश दिया है। पटियाला हाउस कोर्ट के जज देवेंद्र कुमार गर्ग ने सभी सेटलमेंट दस्तावेजों को निरस्त और शून्य घोषित कर दिया। मौजूद जानकारी के अनुसार अदालत ने माना कि धवन ने ये समझौते कथित तौर पर धमकी, दबाव और धोखाधड़ी की स्थिति में साइन किए थे। कोर्ट ने यह भी आदेश दिया कि मुकदमा दायर करने की तारीख से इस राशि पर 9 प्रतिशत वार्षिक ब्याज भी दिया जाए।

गौरतलब है कि फरवरी 2024 में एक ऑस्ट्रेलियाई अदालत ने दंपति की वैश्विक संपत्तियों के बंटवारे का आदेश पारित किया था। उस आदेश के तहत आयशा मुखर्जी को कुल संपत्ति का 15 प्रतिशत हिस्सा दिया गया था। उन्हें लगभग 7.46 करोड़ रुपये की संपत्ति अपने पास रखने और अतिरिक्त 15.95 करोड़ रुपये तथा एक प्रॉपर्टी ट्रांसफर का लाभ मिला था। हालांकि दिल्ली कोर्ट ने स्पष्ट किया कि ऑस्ट्रेलियाई अदालत को दंपति के वैवाहिक विवादों पर अधिकार क्षेत्र नहीं था। 2021 से 2024 के बीच ऑस्ट्रेलिया में पारित विभिन्न आदेशों को चुनौती देते हुए धवन ने भारतीय अदालत से कहा था कि ये फैसले भारतीय विवाह कानूनों के खिलाफ हैं और उन्हें इनसे बाध्य नहीं किया जा सकता।

टी-20 विश्वकप में हार से भारतीय टीम में हाहाकार, तिलक वर्मा बाहर, प्लेइंग-11 में होंगे बड़े बदलाव

चेन्नई, 25 फरवरी। अहमदाबाद में खेले गए टी20 विश्व कप सुपर 8 मैच में दक्षिण अफ्रीका से मिली करारी हार के बाद भारतीय टीम को सलाहों की बाढ़ सी आ गई है। इस हार ने भारत के विश्व कप अभियान को एक मुश्किल स्थिति में डाल दिया है, जहां बचे हुए दोनों मैच जीतने के बावजूद सेमीफाइनल में जगह पक्की करना शायद मुश्किल हो। अभिषेक शर्मा का खराब प्रदर्शन, तिलक वर्मा का लय में न उतर पाना और सलामी बल्लेबाजों के बीच तालमेल की कमी ने भारत की बल्लेबाजी को बुरी तरह प्रभावित किया है। दक्षिण अफ्रीका ने 76 रनों की जीत में यह साबित कर दिया कि मौजूदा चैंपियन के खिलाफ धीमी गेंदें कितनी कारगर साबित हो सकती हैं।

वॉशिंगटन सुंदर के चयन और अक्षर पटेल और कुलदीप यादव को टीम से बाहर रखे जाने पर भी गहन आलोचना हो रही है, जिसमें संजय मांजरेकर ने मुख्य कोच गौतम गंभीर पर निशाना साधा है। भारत का अगला मुकाबला जिम्बाब्वे से है, और पार्थिव पटेल ने अक्षर पटेल को प्लेइंग इलेवन में वापस लाने का सुझाव दिया है। उनका यह भी मानना है कि हाल ही में कम रन बनाने के बावजूद संजू सैमसन को मौका दिया जा सकता है, और अगर ऐसा होता है, तो उन्हें तिलक वर्मा की जगह तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करनी चाहिए।

पूर्व भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज पटेल ने जियोहॉटस्टार पर कहा कि मैं अक्षर पटेल को टीम में वापस देखना चाहूंगा। उन्होंने अतीत में कई महत्वपूर्ण पारियां खेली हैं। हां, विरोधी टीम की परिस्थितियां मायने रखती हैं, लेकिन मैं अक्षर पटेल को जरूर टीम में शामिल करूंगा। संजू सैमसन का भी सवाल है। चेन्नई में उनकी वापसी भी हो सकती है। भारत इस पर जरूर विचार करेगा, खासकर ऑफ स्पिनरों के खिलाफ भारतीय बाएं हाथ के बल्लेबाजों की बढ़ती परेशानी को देखते हुए।

आईसीसी टी-20 रैंकिंग में बुमराह का धमाका, टॉप-10 में वापसी कर मचाया तहलका

नई दिल्ली, 25 फरवरी। भारत के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने आईसीसी रैंकिंग में शानदार छलांग लगाई है। टी20 अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजों की सूची में सात पायदान ऊपर चढ़कर वे शीर्ष 10 में शामिल हो गए हैं। आईसीसी रैंकिंग के नवीनतम अपडेट के अनुसार, बुमराह ने टी20 विश्व कप 2026 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपनी टीम की हार के बावजूद दमदार प्रदर्शन करते हुए 15वें स्थान से आठवां स्थान हासिल कर लिया है। इस मैच में बुमराह ने अपने चार ओवरों में सिर्फ 15 रन देकर तीन विकेट लिए। डेविड मिलर, देवाल्ड ब्रेविस और ट्रिस्टन स्टब्स की मदद से भारत ने 187 रन बनाए। इस प्रदर्शन के चलते बुमराह की रैंकिंग में काफी उछाल आया है।

देश के 'ट्रोल मीडिया' की जमकर आलोचना की अपनी टीम हारते ही चूहे की तरह भाग जाते हैं : इरफान

नई दिल्ली, 25 फरवरी। टी-20 विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचने की पाकिस्तान की संभावनाएं लगभग शून्य हो जाने के बाद, पूर्व भारतीय ऑलराउंडर इरफान पठान ने देश के "ट्रोल मीडिया" की जमकर आलोचना की और कहा कि वे अपने खिलाड़ियों पर अत्यधिक दबाव डाल रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जब भारत मैच हारता है तो मीडिया उसका मजाक उड़ाता है, लेकिन जब पाकिस्तान की टीम हारती है तो गायब हो जाता है। न्यूजीलैंड के खिलाफ पहला मैच बारिश के कारण रद्द होने के बाद दो मैचों में सिर्फ एक अंक हासिल करने वाले पाकिस्तान को श्रीलंका के खिलाफ आखिरी मैच में जीत से अधिकतम तीन अंक ही मिल पाएंगे। सेमीफाइनल में चमत्कारिक प्रवेश के लिए अब उन्हें अन्य टीमों के परिणामों और बारिश पर निर्भर रहना होगा। इंग्लैंड के चार अंकों के साथ सेमीफाइनल में जगह पक्की कर लेने के बाद, अब मुकाबला मुख्य रूप से न्यूजीलैंड और श्रीलंका के बीच है, जिनके दो मैच अभी बाकी हैं। पठान ने कहा कि यह पाकिस्तानी टीम दबाव को अच्छी तरह से नहीं संभाल पाती। पाकिस्तान की मुश्किलों में उनके अपने ट्रोल मीडिया का भी बहुत बड़ा हाथ है। वे टीम का ईमानदारी से समर्थन नहीं करते, बल्कि लगातार उन पर जबरदस्त दबाव डालते हैं।

कबड्डी ग्रोथ को साबित करती है : राकेश कुमार

वडोदरा, 25 फरवरी। 72वीं सीनियर मेन्स नेशनल कबड्डी चैंपियनशिप अभी वडोदरा के समा इंडोर स्टेडियम में चल रही है। और यह टूर्नामेंट उभरते हुए खिलाड़ियों को अपना टैलेंट दिखाने के लिए एक ज़रूरी प्लेटफ़ॉर्म देता है, साथ ही यह इस खेल में भारत की बढ़ती गहराई का भी एक मज़बूत संकेत है। पहले दिन के बाद अपना अंदाज़ा शेयर करते हुए, एमेच्योर कबड्डी फ़ेडरेशन ऑफ़ इंडिया द्वारा नियुक्त सिलेक्टर राकेश कुमार ने दिखाई गई ओवरऑल क्वालिटी पर संतुष्टि जताई।

सिलेक्टर ने कहा, पहले दिन टीम का प्रदर्शन बहुत अच्छा रहा। प्रो कबड्डी लीग में रेगुलर खेलने वाले अनुभवी खिलाड़ी और बड़ी संख्या में युवा खिलाड़ी नेशनल्स में अच्छा कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हरियाणा अपनी लाइनअप में अयान और विजय मलिक जैसे खिलाड़ियों के साथ बहुत मज़बूत दिख रहा है। रेलवे और सर्विसेज़ नैचुरली मज़बूत टीमें हैं, लेकिन जो बात सबसे अलग थी, वह यह थी कि दूसरी टीमें कितना अच्छा मुकाबला करती हैं।

उन्होंने आगे कहा, विदर्भ ने उत्तर प्रदेश के ख़िलाफ़ बहुत अच्छा खेला और एक समय पर आगे भी चल रहा था, लेकिन आख़िरी मिनटों में हार गया।

पंजाब पर गुजरात की जीत भी शानदार थी। इन परफ़ॉर्मेंस से पता चलता है कि देश भर में कबड्डी कितनी बढ़ी है। उन्होंने कहा, इस ग्रोथ का क्रेडिट प्रो कबड्डी लीग और भारत और विदेश में इवेंट्स कराने वाली फ़ेडरेशन को जाता है। इस इकोसिस्टम ने युवा एथलीटों को बड़े जोश के साथ कबड्डी खेलने के लिए बढ़ावा दिया है। कई युवा खिलाड़ियों ने पहले ही सिलेक्टर्स का ध्यान खींचा है, हमने कई होनहार युवाओं को एक्शन में देखा। तमिल थलाइवाज़ के लिए खेलने वाले नितेश कुमार ने बहुत अच्छा परफ़ॉर्म किया। विदर्भ के दो खिलाड़ी सबसे अलग दिखे, और पांडिचेरी और आंध्र प्रदेश जैसी टीमें भी शानदार थीं, सिलेक्टर ने कहा। टैलेंट को आगे बढ़ाने में घरेलू टूर्नामेंट की अहमियत पर ज़ोर देते हुए, सिलेक्टर ने करियर बनाने में नेशनल्स की भूमिका पर ज़ोर दिया।

कैंसर पीड़ित पिता से मिलकर चेन्नई लौटे रिंकू सिंह

चेन्नई, 25 फरवरी। भारतीय बल्लेबाज रिंकू सिंह बुधवार शाम को चेन्नई लौटेंगे। वे अपने पिता के साथ रहने के लिए टी20 विश्व कप टीम छोड़कर गए थे, क्योंकि उनके पिता अस्वस्थ हैं। रिंकू मंगलवार को अपने पिता से मिलने घर गए थे, जिन्हें कथित तौर पर चौथे चरण के लिवर कैंसर के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया है। भारतीय बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने बुधवार को चेन्नई में पत्रकारों से कहा कि रिंकू सिंह आज शाम टीम में शामिल हो रहे हैं। वे अपने पिता की अस्वस्थता के कारण घर वापस गए थे। रिंकू के पिता, खानचंद सिंह, ग्रेटर नोएडा के एक अस्पताल में भर्ती हैं और उनकी हालत गंभीर है। एक सूत्र के हवाले से बताया कि पारिवारिक आपात स्थिति के कारण रिंकू सिंह चेन्नई से वापस घर लौट आए और मंगलवार को चेपॉक में हुए भारतीय अभ्यास सत्र में शामिल नहीं हुए। 28 वर्षीय रिंकू मध्य क्रम के बल्लेबाज हैं, जिन्होंने फिनिशर के रूप में अपनी पहचान बनाई है। अब तक उन्होंने भारत के लिए चल रहे टी20 विश्व कप अभियान में सभी पांच मैच खेले हैं और केवल 24 रन बनाए हैं।

वी पोलो ने आरपीसी को हराकर जीता मैच

जयपुर, 25 फ़रवरी। जयपुर पोलो सीजन 2026 के अंतर्गत आयोजित राजस्थान टूरिज्म पोलो कप (6 गोल्स) के लिए राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर टीम आरपीसी और टीम वी पोलो के बीच मुकाबला हुआ। इस टक्कर में वी पोलो ने आरपीसी को 8-4.5 के स्कोर से शिकस्त देकर मैच जीत लिया।

विजेता टीम वी पोलो से निमित मेहता ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए 4 गोल और विशाल सिंह राठौड़ ने 3 गोल किए। मुकेश सिंह ने 1 गोल किया। टीम से गोंजालो यानजों भी खेले। आरपीसी की ओर से सिद्धांत सिंह ने 2 गोल हासिल किए। वहीं साविर मेहराज गोदारा और कुलदीप सिंह राठौड़ ने 1-1 गोल किया। टीम में ऐलन शॉन माइकल भी शामिल थे। यहाँ टीम को आधे गोल का एडवांटेज मिला।

कल का मुक़ाबला : राजस्थान टूरिज्म पोलो कप के अंतर्गत कल, 26 फ़रवरी को राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर शाम 4 बजे टीम जयपुर और टीम सैंटे एमईएसएमई के बीच मुकाबला होगा। टीम जयपुर से एचएच महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह, मिर्ज़ा मोहम्मद बेग, प्रताप सिंह कानोता और लांस वॉटसन खेलेंगे। वहीं, टीम सैंटे एमईएसएमई की ओर से हेमंत कसाना, अशोक चांदना, डीनो धनखड़ और रॉबर्ट स्ट्रोम खेलेंगे।

20वीं ऑल इंडिया हनुमान सिंह महिला हैंडबॉल आज से

देश की शीर्ष 10 टीमें लेगी भाग

जयपुर, 25 फ़रवरी। युवा मामले एवं खेल तथा उद्योग मंत्री, राजस्थान सरकार व ओलम्पिक रजत पदक विजेता कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ गुरुवार की शाम 5 बजे सवाई मान सिंह इंडोर स्टेडियम में आयोजित हो रही तीन दिवसीय 20वी ऑल इंडिया हनुमान सिंह महिला हैंडबॉल चैंपियनशिप-2025-26 के उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि होंगे। इस अवसर पर राज्य हैंडबॉल संघ के अध्यक्ष ललित कुमार कलाल, भारतीय महिला हैंडबॉल टीम के हेड कोच सचिन चौधरी भी मौजूद रहेंगे।

राजस्थान राज्य हैंडबॉल संघ के मानद सचिव यश प्रताप सिंह ने बताया कि लोकप्रिय राज्य कर्मचारी नेता एवं कुशल खेल प्रशासन रहे स्व. हनुमान सिंह की स्मृति में हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया के तत्वाधान में राजस्थान राज्य हैंडबॉल संघ एवं हनुमान सिंह फाउंडेशन द्वारा इस प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें मेजबान राजस्थान सहित देश की 10 शीर्ष टीमें हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, नॉर्दर्न रेलवे, बीएसएफ, सीआईएसएफ व एलपीयू-फगवाड़ा भाग ले रही है। उन्होंने बताया कि सभी टीमों को दो पूल पूल ए:- राजस्थान, उत्तर प्रदेश, सीआईएसएफ, एलपीयू-फगवाड़ा, दिल्ली, पूल बी:- बीएसएफ, नॉर्दर्न रेलवे, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, पंजाब में बांटा गया है। प्रतियोगिता लीग कम नॉक आउट आधार पर खेली जायेगी।प्रतियोगिता के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी को हनुमान सिंह ट्रॉफी से सम्मानित किया जाएगा।

गुरुवार सुबह से मैच शुरू हो जायेंगे, जो इस प्रकार है:- एलपीयू-फगवाड़ा बनाम दिल्ली, राजस्थान बनाम उत्तर प्रदेश, बीएसएफ बनाम नॉर्दर्न रेलवे, हिमाचल प्रदेश बनाम पंजाब, सीआईएसएफ बनाम दिल्ली, बीएसएफ बनाम हरियाणा, नॉर्दर्न रेलवे बनाम पंजाब, राजस्थान बनाम सीआईएसएफ, उत्तर प्रदेश बनाम दिल्ली व नॉर्दर्न रेलवे बनाम हिमाचल प्रदेश।

राजस्थान टीम की कमान पूजा कंवर को

राजस्थान टीम:- पूजा कंवर (कप्तान), वर्षा जाखड़, रुक्मणी बीठू, रेखा, कशिश शर्मा, नोरती कुमारी मेवाडा, रेखा चौधरी, ममता, काजल गुर्जर, पूजा जाट, कनिका रॉय, मानसी रावत, रेखा, गुड्डी। कोच:- मनीषा राठौड़। फिजियो:- प्रेरणा हर्ष, एसएनसी:- परमदीप सिंह, साइक्लोजिस्ट:- मलाइका गुप्ता।

कार्यालय नगर पालिका, जैतारण (ब्यावर)

क्रमांक / नपाजै / विकास / ईनिविदा / 2026 / 8333 दिनांक :- 20.02.2026

:: ई -निविदा सूचना ::

(NIB NO. DLB2526B1999)

नगर पालिका जैतारण की ओर से नगर पालिका जैतारण एवं राजकीय विभाग मे नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी मे पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र मे ई- प्रोक्युरमेन्ट प्रकिया ऑनलाईन निविदाएं आंमत्रित की जाती है । नगर पालिका क्षैत्र के कुल 26 कार्य अनुमानित लागत 306.90(लाख) रू की निविदा बेचे जानी प्रारम्भ की दिनांक 21.02.2026 एवं 05.03.2026 प्राप्त करने की दिनांक निविदा शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट www.eproc.rajashtan.gov.in एवं www.sppp.raj.nic.in पर देखी जा सकती है ।

राज.संवाद / सी / 25 / 21206 प्रशासक अधिशाषी अधिकारी

कार्यालय नगर परिषद सुजानगढ़ (चूरू) राजस्थान

E-mail id:- nps222419@gmail.com Phone no. 01568-222419

क्रमांक :-न.प.सु / विकास शाखा / 2026 / 11525 दिनांक :- 20.02.2026

:-ई-निविदा सूचना-2026-27:-

नगर परिषद सुजानगढ़ द्वारा विभिन्न प्रकार के कार्यों के लिये उपयुक्त सक्षम श्रेणी के राज्य सरकार के विभागों में प्रजीकृत ठेकेदारों / फर्मो से निविदा दिनांक 09.03.2026 तक आमन्त्रित की जाती है। निविदा प्रपत्रों को वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in से डाउनलोड कि जा सकता है एवं निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेबसाईट www.sppp.raj.gov.in पर प्राप्त की जा सकती है। निविदा का बीड क्रमांकः- DLB2526WSOB35245, DLB2526WSOB35246, DLB2526WSOB35249 है। कार्यालय समय में किसी भी कार्य दिवस को नगर परिषद सुजानगढ के कार्यालय में एवं सूचना बोर्ड पर देखी जा सकती है।

आयुक्त नगर परिषद सुजानगढ

राज.संवाद / सी / 25 / 21276

कार्यालय नगर पालिका छबडा जिला बारां

E Mail ID-npchhabra5@gmail.com Phone No-07452-222025

क्रमांक ::-न0पा0छ0 / 2026 / 8409 दिनांक ::- 20.02.2026

Notice Inviting E-Bid

ई-निविदा सूचना संख्या 15/2025-26

NIB NO-DLB2526B1986

नगरपालिका छबड़ा द्वारा अनुमानित 49.90 लाख रूपये की लागत से विभिन्न अभियान्त्रिकी विभागो के "A""AA" श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से ई- निविदा पद्वति ये निम्नानुसार ऑनलाईन निविदाये आमंत्रित की जाती है संवेदक निविदा प्रपत्र ईप्रोक्युरमेंट प्रकिया में www.sppp.rajasthan.gov.in, eprocument.gov.in पोर्टल पर ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

S.No	UBN NO
1	DLB2526WSOB35420

अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका छबडा

राज.संवाद / सी / 25 / 21216

कार्यालय सावित्री बाई फूले कृषि उपज मण्डी समिति (फल सब्जी) जोधपुर

क्रमांक :- ई-नाम/2025-26/589 - 608 दिनांक :- 20/02/2026

NIB No. : /2025-26 DATED : 20-02-2026

E-Bids are invited from Manufacturers/ Direct importers/ Authorized Dealer up to 12.00 P.M. of 06.03.2026 for procurement of IT, Lab Assaying Equipment's, Grading Unit for Fruits and Vegitable and Compost Units for E-nam on behalf of office of the Secretary, Krishi Upaj Mandi Samiti F&V Jodhpur. Details may be seen in the Bidding Document at the office of the Krishi Upaj Mandi Samiti F&V Jodhpur or State Public Procurement Portal website "sppp.raj.nic.in" or "https://eproc.rajasthan.gov.in" or website "www.mandi.agriculture.rajasthan.gov.in". The bidding document may be downloaded from either of the above websites and uploaded duly filled in with payment of Rs. 500/- through banker's Cheque /demand draft in favour of Secretary, Krishi Upaj Mandi Samiti F&V Jodhpur at Jodhpur Details of bid are following:-

S. No.	Bid Title	UBN No.
1	IT, Lab Assaying Equipment	DAM2526GLRC01270
2	Electronic Rotary Grading Unit For Fruits And Vegetables and	DAM2526GLRC01271
3	Compost Unit	DAM2526GSRC01272

Raj.Samwad/C/25/21252 Secretary

कार्यालय नगर पालिका मण्डल विराटनगर (कोटपूतली-बहरोड़)

Ph. 01422-243929 Email- viratnagar.jaipur@yahoo.com

क्रमांक: न.पा.वि. / 2025-26 / 2662 दिनांक : 20.02.2026

-: निविदा सूचना संख्या 17/2025-26 :-

नगर पालिका विराटनगर द्वारा निम्नलिखित कार्य की निविदाये आमंत्रित की जाती है जिसका विस्तृत विवरण www.sppp.rajasthan.gov.in पर भी उपलब्ध है तथा कार्यालय समय में सूचना बोर्ड पर भी देखा जा सकता है।

Sr. No.	NIB Code	UBN No.
1-	DLB2526B1947	DLB2526GSOB35301
2-		DLB2526GSOB35302
3-		DLB2526GSOB35305
4-		DLB2526GSOB35308
5-		DLB2526GSOB35310
6-		DLB2526GSOB35311
7-		DLB2526GSOB35314
8-		DLB2526GSOB35319
9-		DLB2526GSOB35322
10-		DLB2526GSOB35325
11-		DLB2526GSOB35334
12-		DLB2526GSOB35342
13-		DLB2526GSOB35343
14-		DLB2526GSOB35345
15-		DLB2526GSOB35352

अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका विराटनगर

राज.संवाद / सी / 25 / 21210

जयपुर विकास प्राधिकरण

इन्दिरा सर्किल, जवाहर लाल नेहरु मार्ग, जयपुर-302004

क्रमांक : जविप्रा / अधि.अभि. (वि- III) / जॉब नं. 355 / 2025-26 / डी-456 दिनांक : 20.02.2026

दीर्घकालीन निविदा सूचना

दीर्घकालीन निविदा सूचनाः जविप्रा-38 / 2025-26

जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा "Annual Electrical Operation, Repair and Maintenance Contract for Two Years of JDA Staff Quarters at Sethi Colony, Lalkothi and Malviya Nagar and Nehru Place, JDA, Jaipur" जिसकी अनुमानित लागत राशि रु. 50.93 लाख के लिए ऑनलाईन बिड्स दिनांक 05.03.2026 को सायं 6:00 बजे तक आमन्त्रित की जाती है। निविदा बोली का ऑनलाईन आवेदन व भुगतान जविप्रा पोर्टल पर करने की अन्तिम तिथि 05.03.2026 को सायं 6:00 बजे तक है। निविदा बोली के दस्तावेजों का विस्तृत विवरण www.sppp.rajasthan.gov.in, www.eproc.rajasthan.gov.in and www.jda.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

UBN No. JDA 2526WSRC00624

निविदा में भाग लेने वालों को निम्न शर्तो की पूर्ति करनी होगी।

1. निविदादाता जयपुर विकास प्राधिकरण की वेबसाईट www.jda.rajasthan.gov.in पर पंजीकृत हो एवं निविदा में भाग लेने के लिए बोलीदाता को आवेदन करने के लिए दस्तावेज शुल्क, अमानत राशि, आर.आई.एस.एल. प्रोसेसिंग शुल्क ऑनलाईन जमा करनी होगी।
2. ऑनलाईन निविदा प्रस्तुत करने के लिए निविदादाताओं का राजस्थान सरकार के ई-प्रोक्यूरमेंट पोर्टल www.eproc.rajasthan.gov.in पर पंजीकृत हो।

राज.संवाद/सी/25/21263 अधिशाषी अभियन्ता-(विद्युत- III)

भजनलाल कैबिनेट ने राज्य में औद्योगिक पार्क प्रोत्साहन नीति बनाई

दो से अधिक संतान वाले पंचायत व नगरपालिका चुनाव लड़ सकेंगे, राजस्व अपराध निदेशालय बनेगा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की बैठक में जयपुर में राजस्थान मंडपम, ग्लोबल कैपेबिलिटी सैंटर के नए प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। इसमें राज्य सरकार के 635 करोड़ रूपए खर्च नहीं होंगे, बल्कि संशोधित मॉडल में 10 करोड़ रूपए की शुद्ध आय होगी।

जयपुर, 25 फरवरी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में बुधवार को विधानसभा सचिवालय में आयोजित मंत्रिमण्डल की बैठक में राजस्थान पंचायती राज (संशोधन) विधेयक 2026 और राजस्थान नगरपालिका (संशोधन) विधेयक 2026 लाने, राजस्व आसूचना एवं आर्थिक अपराध निदेशालय के गठन सहित कई महत्वपूर्ण फैसले किए गए।

उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ एवं संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने कैबिनेट बैठक के बाद विधानसभा में आयोजित प्रेसवार्ता में बताया कि राजस्थान पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा-19 और राजस्थान नगरपालिका अधिनियम 2009 की धारा-24 में संशोधन कर राजस्थान पंचायती राज (संशोधन) विधेयक 2026 और राजस्थान नगरपालिका (संशोधन) विधेयक 2026 लाने का महत्वपूर्ण निर्णय किया गया है। इससे जिन व्यक्तियों के दो से अधिक संतान हैं वे पंचायतीराज संस्थाओं एवं नगरपालिकाओं के चुनाव लड़ सकेंगे। उन्होंने बताया कि दो से अधिक संतान पर चुनाव लड़ने का प्रतिबंध उस समय लागू किया गया था, जब जनसंख्या विस्फोट पर प्रभावी नियंत्रण की आवश्यकता थी।

डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने बताया कि आर्थिक अपराधों पर प्रभावी रोकथाम तथा वित्तीय अनुशासन के लिए राज्य राजस्व आसूचना निदेशालय को समाप्त कर राजस्व आसूचना एवं आर्थिक अपराध निदेशालय के गठन का निर्णय मंत्रिमण्डल में किया गया।

उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने बताया औद्योगिक विकास को नई गति देने, निवेश को प्रोत्साहित करने, रोजगार सृजन को बढ़ावा देने तथा सभी क्षेत्रों का संतुलित विकास सुनिश्चित करने के उद्देश्य से राजस्थान औद्योगिक पार्क प्रोत्साहन नीति, 2026 लाई जाएगी।

उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री ने यह भी बताया कि मंत्रिमण्डल की बैठक में आज संशोधित वित्तीय मॉडल का अनुमोदन किया गया। जिसके अंतर्गत परियोजना की अनुमानित लागत लगभग 5 हजार 815 करोड़ रुपए तथा अनुमानित राजस्व प्राप्ति 5 हजार 825 करोड़ रुपये है। इस संशोधित मॉडल में लगभग 10 करोड़ रुपए की शुद्ध आय भी संभावित है। इसमें अब राज्य सरकार पर पूर्व में अनुमानित 635 करोड़ का वित्तीय दायित्व भी नहीं रहेगा।

झारखंड ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गया था। हेमंत सोरेन के वकील मुकुल रोहतगी ने कहा कि सोरेन तीन बार ईडी के सामने पेश हुए, लेकिन हर बार उन्हें हिरासत में ले लिया गया। तब कोर्ट ने कहा कि गिरफ्तारी की प्रक्रिया पर गहरी नज़र रखी जानी चाहिए।

इस मामले में झारखंड उच्च न्यायालय ने स्पेशल एमपी-एमएलए कोर्ट की ओर से जारी समन को बरकरार रखा था। उच्च न्यायालय के इसी फैसले को हेमंत सोरेन ने उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी है।

ज्ञातव्य है कि ईडी ने 31 जनवरी, 2024 को हेमंत सोरेन से पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया था। सोरेन को भूमि घोटाला मामले में गिरफ्तार किया गया था। लोकसभा चुनाव 2024 के पहले हेमंत सोरेन ने उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर कर अंतरिम जमानत की मांग की थी, लेकिन उच्चतम न्यायालय ने उन्हें कोई राहत देने से इनकार कर दिया था।

'फर्ज़ी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

1989 में विश्वविद्यालय ने उन्हें तीन साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया। सजा स्वीकार करने के बजाय, जहांगीरी ने धोखाधड़ी का सहारा लिया।

अगले वर्ष उन्होंने फिर से "तारिक जहांगीरी" नाम से परीक्षा दी और उस नामांकन संख्या का उपयोग किया, जो किसी अन्य छात्र, इम्तियाज़ अहमद को दी गई थी।

भारत द्वारा रूसी ऑयल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

- वैसे भी समुद्र में ऑयल से भरे टैंकर्स का इस तरह से विचरण करना भी खतरे से खाली नहीं है। कोई दुर्घटना कभी भी विकराल रूप धारण कर सकती है।
- यह स्थिति भारत के लिए अधिक संकट की इसलिए भी है कि ऑयल से भरे टैंकर्स सबसे ज्यादा हिंद महासागर में मंडरा रहे हैं। भारत दुनिया के सबसे बड़े ऑयल कंज़्यूमर में तीसरे नंबर पर है तथा पाकिस्तान, अफगानिस्तान व अन्य एशियाई देश, जैसे सिंगापुर भी अपनी खपत का अधिकतम ऑयल आयात ही करते हैं।

कि रूस से भारत की तेल खरीद में कमी आने से वहाँ स्टॉक जमा हो गया है।

इस बीच, रूस से कम तेल खरीद के कारण वनेज़ुएला के तेल की अधिक बुकिंग की जा रही है। भारत के निजी रिफाइनर, जिनमें दुनिया के सबसे बड़े रिफाइनर रिलायंस भी शामिल हैं, वनेज़ुएला का तेल बड़े पैमाने पर अधिक मात्रा में और भारी छूट पर बुक कर रहे हैं। वनेज़ुएला का कच्चा तेल अन्तर्राष्ट्रीय कीमतों से 15 डॉलर कम पर बिक रहा है। अन्य भारतीय रिफाइनर भी इस कम कीमत पर वनेज़ुएला का कच्चा तेल खरीद रहे हैं, जिनमें इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन, एचपीसीएल, मित्तल एनर्जी और भारत पेट्रोलियम शामिल हैं। सूत्रों के मुताबिक, कुछ बहुत बड़े कच्चे तेल वाहक वनेज़ुएला के कच्चे तेल के परिवहन के लिए बुक किए जा रहे हैं। अमेरिका अपनी तेल कंपनियों पर वनेज़ुएला के कच्चे तेल को विश्व के बाजारों में बेचने के लिए दबाव डाल रहा है, ताकि ईरान और रूस पर दबाव डाला जा सके। रूस और ईरान पर अमेरिकी शुल्क और प्रतिबंधों के कारण, उनका कच्चा तेल अंतरराष्ट्रीय मानक कीमतों से कम कीमत पर बिक रहा है। रिपोर्ट्स के अनुसार, रूसी उरल ग्रेड 12 ब्रेंट क्रूड से नीचे बिक रहा है, जो मानक बेंचमार्क कीमत है। ईरानी कच्चा तेल वैश्विक कीमत से 11 डॉलर की छूट पर बिक रहा है। अब जबकि भारत अमेरिकी वाणिज्य विभाग के साथ व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहा है, यह रूस के कच्चे तेल की खरीद से दूर होता दिखाई दे रहा है। भारत की रूस से तेल खरीद पिछले साल के अंत में चरम पर थी और हाल ही में इसमें कुछ बदलाव के संकेत दिख रहे हैं। कच्चा तेल जो पहले भारत आता था, अब उसे सिंगापुर और पूर्वी देशों की ओर मोड़ा जा रहा है। इसके अलावा, ईरानी तेल टैंकर भी समुद्र में हैं, क्योंकि देश अमेरिका से सीधे हमले का डर महसूस कर रहा है, क्योंकि आपूर्ति लाइनों को पूरी तरह से बंद किया जा सकता है और जहाजों की आवाजाही रुक सकती है। ईरान जितना संभव हो सके उतना तेल समुद्र में उतारने की कोशिश कर रहा है। अनुमान के मुताबिक, ईरानी तेलों का 48 मिलियन बैरल तक का भंडार समुद्र में है।

'मैं किसी को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जानकारी दी गई है। यह तर्क दिया गया कि जवाबदेही पर चर्चा महत्वपूर्ण है, लेकिन केवल न्यायपालिका में भ्रष्टाचार पर विशेष रूप से जोर देना, और राज्य के अन्य अंगों के बारे में वैसी ही चर्चा न करना, एकतरफा धारणा बना सकता है। पीठ के सदस्यों ने यह भी कहा कि सन्दर्भित पाठ्य सामग्री की प्रस्तुति संविधान के सिद्धांतों के अनुरूप नहीं लगती, खासकर उस सिद्धांत के संदर्भ में, जो संविधान की मूल संरचना के तहत न्यायपालिका की स्वतंत्रता और अखंडता की रक्षा करता है।

बताया गया है कि पाठ्यपुस्तक के अध्याय में लंबित मामलों की संख्या, न्यायाधीशों की कमी और व्यवस्था से जुड़ी चुनौतियों जैसे मुद्दों पर चर्चा की गई है। लेकिन अदालत के हस्तक्षेप से यह स्पष्ट होता है कि शैक्षिणक सामग्री में संवेदनशील संस्थागत विषयों को सावधानी से प्रस्तुत किया जाना चाहिए, ताकि आलोचनात्मक चर्चा संस्था की गरिमा को ठेस न पहुंचाए।

अब यह मामला संवैधानिक महत्व का बन गया है। अदालत ने स्पष्ट कर दिया है कि न्यायपालिका की गरिमा और अधिकार की रक्षा की जानी चाहिए, खासकर उन सामग्रियों में, जो किशोरों की सोच का निर्माण करती हैं।

पूर्व प्र.मंत्री शेख हसीना ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

- अतः, शेख हसीना अपने वापस लौटने का संदेश प्रचारित करके क्या हासिल करना चाह रही हैं। एक कयास है कि 78 वर्षीय शेख हसीना खुद को स्थापित करने के बजाय अपने पुत्र साजीब वाजेद जॉय के अमेरिका से लौटने व बांग्लादेश में राजनीतिक नेतृत्व संभालने के लिए जमीन तैयार कर रही हैं।

और अदालतों में चल रहे मामलों के कारण बुरी तरह से टूट चुकी है। हसीना की उम्र 78 वर्ष है और वे और उनका बेटा साजीब वाजेद जॉय, दोनों बांग्लादेश से बाहर रह रहे हैं। और जाहिर है, नए प्रधानमंत्री तारिक रहमान की बीएनपी शायद ही अवामी लीग को राजनीतिक जगह देने के लिए तैयार हो। तो सवाल यह है: हसीना अपनी वापसी की संभावना के संकेत देकर आखिर क्या हासिल करना चाहती हैं?

एक परिणाम साफ नजर आ रहा है। हसीना द्वारा अपनी वापसी के संकेत दिए जाने के बाद, अवामी लीग के कार्यकर्ताओं और समर्थकों में ऊर्जा भर गई है। रिपोर्ट्स के अनुसार, कार्यकर्ता विभिन्न जिलों में पार्टी कार्यालयों के ताले तोड़कर अंदर घुसे हैं। हसीना की वापसी के घोषणा करने वाले बैनर और पोस्टर लगाए गए हैं।

सबसे ज्यादा चर्चा इस बात की है कि हसीना तुरंत लौटने का इरादा नहीं रखतीं, लेकिन उनका उद्देश्य अपने बेटे साजीब वाजेद जॉय को अपना राजनैतिक उत्तराधिकारी बनाने में मदद करना हो सकता है। जॉय ने हसीना सरकार में वर्षों तक आईसीटी सलाहकार के रूप में काम किया था और डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास, आईटी-आधारित प्रशासन और आधुनिकीकरण की पहल में योगदान दिया था।

उनकी "डिजिटल बांग्लादेश" योजना काफी सराही गई थी, हालांकि उनमें पार्टी राजनीति और संगठनात्मक मामलों के अनुभव की कमी है। जॉय वर्तमान में संयुक्त राज्य अमेरिका में रहते हैं। यह संभव है कि वे नए अवामी लीग नेता के रूप में बांग्लादेश लौट आयें।

ईडी ने अनिल अंबानी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ज्यादा हो गई है। ईडी ने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबाआई) की एफआईआर के आधार पर रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड (आरसीओएम), अनिल अंबानी और दूसरों के खिलाफ जांच शुरू की थी। ईडी ने बताया कि आरसीओएम और उसकी ग्रुप कंपनियों ने लोन लिया था, जिसमें से कुल 40,185 करोड़ रुपये बकाया है। जांच में पता चला है कि दूसरी एसेट्स के अलावा, पाली हिल प्रॉपर्टी को ट्रस्ट में मिला दिया गया था, जो अनिल अंबानी के परिवार के सदस्यों का एक प्राइवेट फैमिली ट्रस्ट है। ईडी ने बताया कि ऐसा इसलिए किया गया, ताकि ऐसा लगे कि अनिल अंबानी इसमें शामिल नहीं हैं। फिलहाल मामले की छानबीन ईडी की टीम कर रही है।

'केरल तो ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

शब्दों का क्या होगा, जो नए "केरलम" के "निवासियों" के लिए इस्तेमाल होते थे। उन्होंने यह भी कहा कि 'केरलमाइट' किसी जीवाणु जैसा लगता है और केरलमियन किसी दुर्लभ खनिज जैसा।

इंटरनेशनल फिल्म ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पर्यटन, प्रतिभा विकास, एवीजीसी, रचनात्मक उद्योग और रोजगार सृजन के नए अवसर प्रदान करेगा। फिल्म फेस्टिवल में 125 से अधिक भारतीय और अंतरराष्ट्रीय फिल्मों का प्रदर्शन किया जाएगा। इसके साथ ही गाला प्रीमियर, मास्टरक्लास, इंडस्ट्री संवाद, कार्यशालाएं और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे।

पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि दिल्ली का अब तक का पहला अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव आयोजित होने जा रहा है। इस महोत्सव में देश-विदेश के प्रतिष्ठित फिल्मकार, कलाकार, निर्देशक और तकनीकी विशेषज्ञ भाग लेंगे। यह महोत्सव न केवल भारतीय सिनेमा की विविधता और सृजनात्मकता को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करेगा, बल्कि दिल्ली को सशक्त फिल्म और सांस्कृतिक हब के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

'दिल्ली ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नामों को फिर से बहाल किया है और दिल्ली का नाम बदलना राजधानी को भारत की प्राचीन धरोहर से फिर से जोड़ने की दिशा में एक कदम होगा।

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, **उदयपुर कार्यालय:** आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, **अजमेर कार्यालय:** राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908